राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

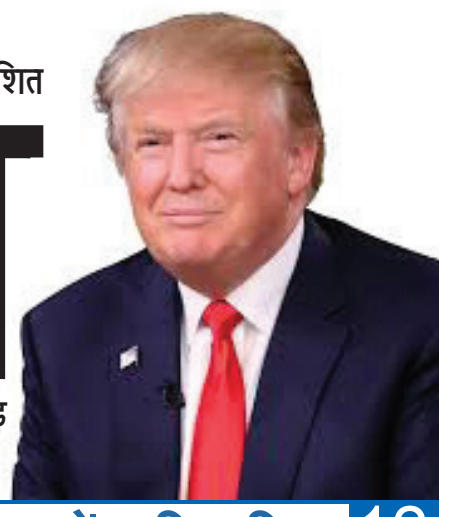





11 शाहीन अफरीदी ने कायम किया दबदबा

ट्रंप ने मास्क और रामास्वामी को सरकार में शामिल किया 12

वर्ष : 15 | अंक : 208 | नई दिल्ली, गुरूवार, 14 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

## बम, गोलीबारी, मारपीट और बूथ कैप्चरिंग के बीच मतदान संपन्न

## बंगाल में टीएमसी नेता की मौत, राजस्थान में निर्दलीय प्रत्याशी ने एसडीएम को थप्पड़ जड़ा बिहार में दो गुटों में मारपीट, 6 घायल, एक का सिर फूटा, मप्र में बूथ कैप्चरिंग का आरोप

**एजेंसी**

नई दिल्ली। झारखंड में पहले फेज की 43 सीटों के साथ ही 10 राज्यों की 31 विधानसभा और केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर बुधवार को बम, गोलीबारी, मारपीट और बूथ कैप्चरिंग के बीच मतदान संपन्न हुआ। रिजल्ट 23 नवंबर को आएगा। पश्चिम बंगाल में नॉर्थ 24 परगना जिले के जगतदल इलाके में कुछ लोगों ने टीएमसी नेता अशोक साहू पर बम फेंके और गोलीबारी की। इसमें उनकी मौत हो गई। वे टीएमसी से पूर्व वार्ड अध्यक्ष रह चुके हैं। राजस्थान के देवली-उनियारा सीट पर कांग्रेस के बागी और निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा ने एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ जड़ दिया। वे समरावता मतदान केंद्र जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे।

बिहार के तरारी विधानसभा सीट पर वोटिंग को लेकर दो पक्षों में झड़प हो गई। दोनों गुटों में हुई मारपीट में 6 लोग घायल हुए हैं। एक युवक का सिर फट गया। पुलिस ने यहां फ्लैग मार्च किया। केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा का मुकाबला भाजपा की नव्या हरिदास और लेफ्ट के सत्यन मोकेरी से है। प्रियंका वायनाड में एक बूथ पर पहुंचीं और लोगों से मिलीं।



### वायनाड में 60.79 प्रतिशत वोटिंग

10 राज्यों की 31 विधानसभा और केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर हुए मतदान में वायनाड में 60.79 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं छत्तीसगढ़ की रायपुर दक्षिण सीट पर सबसे कम 46.43 प्रतिशत मतदान हुआ है। झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के पहले चरण में 43 सीट पर 64.86 प्रतिशत मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग की योजना के मुताबिक आधिकारिक तौर पर शाम पांच बजे वोटिंग समाप्त हो गई। हालांकि, कई बूथों पर शाम पांच बजे के बाद भी मतदाताओं की कतार लगी है, जिनके मतदान पूरे होने तक वोटिंग चलती रहेगी। आयोग के नियम के मुताबिक जिन मतदान केंद्रों पर वोटर शाम 5 बजे से पहले कतार में लग चुके थे, केवल उन्हीं बूथों पर मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की इजाजत मिलती है।

### बुधनी में 73, विजयपुर में 76 फीसदी मतदान

मप्र की दो विधानसभा सीटों- विजयपुर और बुधनी में उपचुनाव के लिए शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। दोनों सीटों पर शाम 5 बजे तक कुल 73.76 फीसदी मतदान हुआ है। वहीं विजयपुर में शाम पांच बजे तक 75.27 प्रतिशत और बुधनी में 72.37 प्रतिशत वोटिंग हुई है। मतदान के दौरान दोनों विधानसभा क्षेत्रों में जमकर विवाद और मारपीट की खबरें आईं। विजयपुर में वन मंत्री रामनिवास रावत का मुकाबला कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा से है। बुधनी में भाजपा कैंडिडेट रमाकांत भार्गव के सामने कांग्रेस ने राजकुमार पटेल को उतारा है। विजयपुर के तेलीपुरा पोलिंग बूथ के मतदाताओं ने वीरपुर थाने पर प्रदर्शन करते हुए श्योपुर-मुरैना रोड पर चक्काजाम कर दिया। उनका आरोप था कि रावत समाज के लोग फर्जी मतदान कर रहे हैं जबकि आदिवासियों को वोट नहीं करने दिया जा रहा है। वहीं, अंधीपुरा गांव में भी मतदाताओं ने भाजपा कार्यकताओं पर वोट नहीं डालने देने का आरोप लगाया। पुलिस से शिकायत भी की है।

## शाह को तिवारी का दो टूक जवाब- वे जब पैदा भी नहीं हुए थे तब कांग्रेस ने दिया था आरक्षण

**एजेंसी**

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कांग्रेस को आरक्षण विरोधी पार्टी कहे जाने पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने तीखा जवाब दिया है। तिवारी ने कहा कि जब अमित शाह पैदा भी नहीं हुए थे, तब कांग्रेस ने आरक्षण दिया था। उन्होंने कहा कि अमित शाह को इतिहास और संविधान पढ़ना चाहिए। कांग्रेस ने आरक्षण देने का काम बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान के तहत किया था, और इसे खत्म करने की भाजपा की मंशा कभी पूरी नहीं होगी। तिवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान को बदलने की कोशिश कर रही है और वह मोदी-शाह का संविधान लागू करना चाहती है। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस के रहते इस देश में कभी बाबा साहेब का संविधान नहीं मिटेगा। तिवारी ने भाजपा के ऊपर और भी कई हमले किए और कहा कि भाजपा का तरीका अंग्रेजों के डिवाइड एंड रूल के सिद्धांत से प्रेरित है। उन्होंने कहा, भा.ज.पा. के विचारों में अंग्रेजों का डीएनए है और यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी भी जोड़ने की बजाय, तोड़ने की बात करते हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर तिवारी ने कहा कि महाविकास अघाड़ी का गठबंधन काफी मजबूत है और कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा है। उन्होंने विश्वास जताया कि महाराष्ट्र में महायुति की सरकार जाएगी और महाविकास अघाड़ी को पूर्ण बहुमत मिलेगा। तिवारी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा, भा.ज.पा. के नेताओं को जब चुनावों में हार का सामना करना पड़ता है, तो वे ओवैसी जैसे नेताओं को बुलाते हैं, और फिर सीबीआई जैसे एजेंसियों का सहारा लेते हैं। कांग्रेस की विश्वसनीयता पर भी तिवारी ने जोर दिया और कहा कि कांग्रेस हमेशा अपने वादों को पूरा करती है, जैसा कि तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में किया है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में हम एक-एक वादा पूरा करेंगे और जनता का विश्वास जीतेंगे।

## उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद पर ठोंका दावा

**एजेंसी**

मुंबई। शिवसेना (उद्धव ) ने चुनाव से पहले सामना अखबार में एक विज्ञापन जारी किया है जिसमें लिखा है, मशाल आएगा, महाराष्ट्र में कुटुंब प्रमुख का नेतृत्व आएगा। इस विज्ञापन में उद्धव ठाकरे को कुटुंब प्रमुख के रूप में दिखाया गया है, जिससे साफ होता है कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी जता रही है। इससे महाविकास अघाड़ी के अंदर मतभेद और बढ़ने की संभावना है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए उनकी पार्टी के चुनाव चिन्ह मशाल पर निशाना साधा और कहा कि यह मशाल केवल लोगों के घरों में आग लगाने का काम कर रही है। शिंदे ने यह भी आरोप लगाया कि शिवसेना (उद्धव ठाकरे) मुस्लिम वोट बैंक को अपनी ओर खींचने की कोशिश कर रही है, जो जल्द ही टूट सकता है। शिंदे का बयान ठाकरे की पार्टी और उनके चुनावी रणनीति पर एक सीधा हमला था।

## चुनाव : पीएम मोदी और भाजपा से पूछे जयराम रमेश ने सवाल

**एजेंसी**

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के महासचिव संचार विभाग के अध्यक्ष जयराम रमेश ने पहले झारखंड को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तीन सवाल पूछे थे इस बार उन्होंने महाराष्ट्र को लेकर सवाल पूछे। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया के माध्यम से पीएम मोदी से 3 सवाल किये।

वर्ष 2006 में कांग्रेस ने क्रांतिकारी वन अधिकार अधिनियम पारित किया था। इस कानून ने आदिवासियों और वन में रहने वाले अन्य समुदायों को अपने खुद के जंगलों का प्रबंधन करने और उनसे प्राप्त उपज से आर्थिक रूप से लाभ उठाने का कानूनी अधिकार दिया था। लेकिन भाजपा सरकार इसके कार्यान्वयन में बाधा डालती रही है, जिससे लाखों आदिवासी इसके लाभों से वंचित हो रहे हैं। महाराष्ट्र में कुल फाइल किए गए 4 लाख 01 हजार 46 व्यक्तिगत क्लेम्स में से केवल 52 प्रतिशत (2,06,620 क्लेम्स) मंजूर किए गए हैं। वहीं इसके तहत वितरित की गई भूमि, स्वामित्व सामुदायिक अधिकारों के लिए पात्र 50,045 वर्ग किलोमीटर का केवल 23.5 प्रतिशत (11,769 वर्ग किलोमीटर) है। महाराष्ट्र में भाजपा सरकार राज्य के आदिवासी समुदायों को उनके अधिकार देने में क्यों विफल रही है?
सतारा, सांगली और सोलापुर में पीने के पानी की कमी की समस्या हाल के वर्षों में और गम्भीर हो गई है। मार्च और अप्रैल के बीच, सांगली में टैंकरों की आवश्यकता 13 प्रतिशत, सतारा में 31प्रतिशत और सोलापुर में 84 प्रतिशत बढ़ गई। क्षेत्र के बांध, तालाब और झीलें चिंताजनक रूप से तेजी से सूख रहे हैं। सोलापुर में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। शहर के पानी के मुख्य स्त्रोत, उजानी बांध में पानी की आपूर्ति शून्य से नीचे गिर गई, और बांध में डेड स्टोरेज पर निर्भर रहा। स्थिति इतनी खराब हो गई कि सोलापुर नगर निगम को अब बारी-बारी से पीने के पानी की आपूर्ति करनी पड़ी। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पांच से आठ दिनों के अंतराल पर पानी मिल रहा था। भाजपा ने उन हजारों लोगों की दुर्दशा को नजरअंदाज क्यों किया है जो पानी की कमी से जूझते हैं? क्या इस स्थिति को सुधारने के लिए उनके पास कोई ठोस योजना है?
महाराष्ट्र में एक दिन में औसतन सात किसान अपना जीवन समाप्त कर लेते हैं। दिल दहला देने वाला यह आंकड़ा किसी और की तरफ से नहीं बल्कि राज्य के राहत और पुनर्वास मंत्री की ओर से आया है।

## मथुरा में बड़ा हादसा; रिफाइनरी में धमाके के साथ लगी आग, 10 लोग झुलसे

**एजेंसी**

मथुरा। आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मथुरा की एक रिफाइनरी में आग लगने से एक बड़ा हादसा हो गया। इसमें आठ लोग झुलस गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर होने के चलते उन्हें उपचार के लिए दिल्ली भेजा गया है। मथुरा रिफाइनरी की सीनियर कॉरपोरेट मैनेजर डॉ. रेणु पाठक ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि मथुरा रिफाइनरी में पिछले डेढ़ माह से रखरखाव के लिए काम बंद था और आज कार्य शुरू किया गया, तभी रिफाइनरी के मुख्य संयंत्र से संबंधित ह्यएवीयू यूनिट में एक धमाके के साथ आग लग गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में करीब एक दर्जन लोग प्रभावित हो गए, जिनमें से आठ कर्मचारियों को झुलसने के कारण पहले रिफाइनरी के ही अस्पताल में उपचार देने का प्रयास किया गया और उनमें से तीन कर्मचारियों की गंभीर स्थिति को देखते हुए दिल्ली के अपोलो अस्पताल भेजा गया है।

बताया गया कि एक कर्मचारी पचास प्रतिशत जला है, दो अन्य लगभग बीस प्रतिशत जले हैं। पांच लोगों का फिलहाल मथुरा रिफाइनरी के ही अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

रिफाइनरी के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि अब मथुरा रिफाइनरी में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। रिफाइनरी प्रबंधन ने घटना के कारणों की जांच करने के आदेश जारी किए हैं। इसके पहले, सूत्रों ने बताया कि इस घटना में करीब 10 से 12 लोग झुलस गए हैं।

## निगरानी हेलिकॉप्टर की खरीदी करेगा रक्षा मंत्रालय

**एजेंसी**

नई दिल्ली। देश की उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर बनी हुई सुरक्षा चुनौतियों के बीच रक्षा मंत्रालय द्वारा सेना के लिए निगरानी हेलिकॉप्टर और सभी परिस्थितियों में कारगार वाहन (एटीवी) की खरीद की जाएगी। मंगलवार को इस बाबत सूचना के लिए अनुरोध (आरएफआई) जारी किया गया है। जिसके मुताबिक उक्त रक्षा सामग्री की खरीद मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रमों के जरिए की जाएगी। साथ ही इसमें वर्ष 2020 में बनाई गई रक्षा खरीद प्रक्रिया (डीएपी) के दूसरे अध्याय की श्रेणियों की भी अहम भूमिका होगी। आरएफआई निकालने के पीछे उत्पाद सेवा से जुड़ी गुणवत्ता जरूरतों को अंतिम रूप देना है। जिसके जरिए खरीद की श्रेणी और चिन्हित भारतीय खरीदार के बारे में अंतिम निर्णय होगा

## महाराष्ट्र का विकास अनवरत होता रहे, इसके लिए महायुति गठबंधन की सरकार बनाएं: डॉ. मोहन

**एजेंसी**

नागपुर (ईएमएस)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को नागपुर जिले के नागपुर दक्षिण-पश्चिम, नागपुर पश्चिम, नागपुर मध्य व नागपुर ग्रामीण विधानसभा में स्थानीय कार्यक्रमों व जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की महायुति सरकार छत्रपति शिवाजी का सपना साकार करने के साथ सनातन को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। महाराष्ट्र का विकास अनवरत होता रहे, इसके लिए यहां महायुति गठबंधन की सरकार बनाएं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से दिक्कत है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारा। अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बनने के बाद आज तक कांग्रेस का कोई नेता दर्शन करने नहीं पहुंचा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन



यादव ने चारों विधानसभाओं में पार्टी प्रत्याशियों को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने की अपील की है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों में देश पूरी तरह से सुरक्षित है। कौन किस भाषा में समझता है, उसे उसी की भाषा में समझाना प्रधानमंत्री जी को आता है। यह 56 इंच सीना वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही हैं जो विश्व में जगजाहिर दुश्मन देश पाकिस्तान पहुंचकर वहां के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मुलाकात की, यह दोस्ती का हाथ बढ़ाने का एक पक्ष है। प्रधानमंत्री जी का दूसरा पक्ष भी है वह यह कि जब पाकिस्तान ने हरकत की तो दो बार पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक कर दुश्मनों को धूल चटाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आप लोगों को याद होगा जब पाकिस्तानी आतंकवादियों ने मुंबई के ताज होटल पर हमला किया था, उस समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस शासनकाल में आए दिन देश में अलग-अलग स्थानों पर धमाके होते थे। 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में धमाके होना पूरी तरह से बंद हो गए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पार्टी के नेता न तो भगवान श्रीकृष्ण के है और न भगवान श्रीराम के। जो भगवान के नहीं वे किसी काम के नहीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आजादी के बाद चाहती तो भगवान श्रीराम और

## लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने जहां रैलियां कीं, वहां से भाजपा का सफाया

**■ एनसीपी सुप्रीमों शरद पवार ने किया कटाक्ष**

**एजेंसी**

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इन दिनों नेता जमकर प्रचार कर रहे हैं और एक-दूसर पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। बुधवार को एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी महाराष्ट्र की उन 10-12 सीटों पर हार गई थी, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी रैलियां की थी। जलगांव में एनसीपी सुप्रीमो पवार ने कहा, चुनावी रैलियों को संबोधित करना प्रधानमंत्री मोदी का अधिकार है। इस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं है। लेकिन एक बात गौर करने वाली है कि लोकसभा चुनाव 2024 में प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र में 16 रैलियों को संबोधित किया था। तब बीजेपी उनमें से 10-12 सीटों



पर हार गई, जहां मोदी ने रैलियां की थीं। इसीलिए मोदी को यहां प्रचार करने आने दीजिए। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार के लिए मंगलवार को महाराष्ट्र के दौरे पर आये हैं। उन्होंने चंद्रपुर जिले के चिमुर, सोलापुर और पुणे में विभिन्न चुनावी रैलियों को संबोधित किया और विपक्ष पर जमकर हमला बोला। बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवेसना और अजित पवार की एनसीपी के गठबंधन महायुति ने लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की कुल 48 में से केवल 17 सीट जीती थीं। जबकि कांग्रेस, शिवेसना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) के गठबंधन महाविकास आघाडी ने 30 लोकसभा सीट पर जीत हासिल की थी।

## सुप्रीम कोर्ट के निर्देश, पादरियों को देना होगा सैलरी पर टैक्स

**एजेंसी**

नई दिल्ली। अब पादरियों, ननों और सिविल डेथ की शपथ लेने वालों को भी अपनी सैलरी पर टैक्स देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी 93 अपीलों को खारिज करते हुए कहा कि टैक्स तो सबको देना होगा।

बात दें कि कैथोलिक चर्चों में पढ़ाने वाले पादरियों और ननों को लेकर साल 2014 में विवाद हुआ था। कई धार्मिक संस्थाओं ने केंद्र सरकार के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सरकार ने चर्च में काम करने वाले लोगों के वेतन पर टैक्स लगाने की कोशिश की थी। धार्मिक संस्थाओं का कहना था कि वे चूंकि सिविल डेथ की शपथ लेते हैं, लिहाजा उन्हें टैक्स के दायरे से अलग रखा जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह दिया कि टैक्स तो सबको देना है। देश में ननों और पादरियों को इनकम टैक्स में



छूट देने का नियम चालीस के दशक में शुरू हुआ था, जब ब्रिटिश राज था। तब कहा गया कि चूंकि ये तबका समाज की भलाई के लिए काम कर रहा है, इसलिए उनपर इतनी रियायत होनी चाहिए। आजादी के बाद भारत सरकार ने इस छूट को जारी रखा। साल 2014 में इसे हटाने की बात आई, जिसके खिलाफ कई राज्यों की धार्मिक संस्थाओं ने अर्जी डाली थी।

अब पूर्व मुख्य न्यायधीश की बेंच ने याचिकाओं को रद्द करते हुए साफ कर दिया कि धार्मिक तर्क के आधार पर ऐसी छूट नहीं मिल सकती। याचिकाकताओं का कहना था कि मिशन में काम करने वाले लोग सिविल डेथ की स्थिति में रहते हैं। यानी वे गरीबी की शपथ ले चुके होते हैं। वे न तो शादी कर सकते, न ही प्रॉपर्टी बना सकते। भले ही उनके पास तनख्वाह आती हो, लेकिन उसे वे धार्मिक संस्थाओं को भेज देते हैं ताकि चैरिटी हो सके इसलिए उन्हें टैक्स के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए।सरकार और चर्च के बीच चल रही थी तनातनी कोर्ट ने कहा, कानून सबके लिए समानगुरुवार को तीन जजों की बेंच, जिसमें चंद्रचूड़ भी शामिल थे ने टैक्स में छूट पर हो रही इस तनातनी को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि ननों और पादरियों को तनख्वाह मिलती है। भले ही वो इसे अपने इस्तेमाल में नहीं लाते क्योंकि उन्होंने गरीबी की शपथ ली हुई है ।

## सुप्रीम कोर्ट का बुलडोजर एक्शन पर सख्त रुख

**एजेंसी**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन मामले को लेकर आज अपना फैसला सुनाया। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की डबल बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकारी शक्तियों का दुरुपयोग अराजकता को जन्म दे सकता है और इसे कानूनी रूप से मंजूरी नहीं दी जा सकती। बेंच ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने घर को सुरक्षित रखने का सपना देखता है, और केवल आरोप या अपराधी होने के आधार पर किसी के घर को गिरा देना उचित नहीं है, जब तक कि सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन न किया गया हो।
फैसले के दौरान जस्टिस गवई ने टिप्पणी की, प्रत्येक व्यक्ति का सपना होता है कि उसके पास एक सुरक्षित आशियाना हो।

## दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में खिलाड़ियों को हर वो विश्वस्तरीय ट्रेनिंग और सुविधा दी जा रही है जो उन्हें देश के लिए ओलंपिक मेडल जीतने के और करीब ले जायेगा: सीएम आतिशी

**प्रात: किरण संवाददाता**

दिल्ली। शिक्षा क्रांति के जनक मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार सुबह सिविल लाइंस स्थित दिल्ली सरकार के दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल का दौरा कर छात्रों से मुलाकात की।
इस दौरान सबसे पहले स्टूडेंट्स ने तिलक लगाकर श्री सिसोदिया और सीएम आतिशी का स्वागत किया। उसके बाद दोनों ने डाइनिंग हॉल में जाकर स्टूडेंट के साथ नाश्ता किया और स्कूल, यहाँ मौजूद सुविधाओं, ट्रेनिंग, डाइट और खेलों को लेकर स्टूडेंट्स से उनकी तैयारियों के विषय में जाना। साथ ही दोनों ने स्कूल के विभिन्न हिस्सों में मौजूद स्पोर्ट्स सुविधाओं में जाकर टेबल टेनिस, तीरंदाजी, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, मुक्केबाजी, तैराकी कर रहे खिलाड़ियों से भी मुलाकात की।

बता दे कि, दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में कक्षा छठी और नौवीं के लिए भारत के अलग-अलग राज्यों में टैलेंट स्काउटिंग के जरिए खेल प्रतिभाओं को चुना जाता है और फिर स्पोर्ट्स स्कूल जो एक आवासीय स्कूल है, में उन्हें 10 ओलंपिक खेलों के लिए शानदार ट्रेनिंग और सुविधाएं दी जाती है।
आज बातचीत के दौरान स्टूडेंट्स ने श्री सिसोदिया और सीएम आतिशी के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि, अपने राज्य में जब हम स्पोर्ट्स खेल रहे होते थे तो हमारा सपना रहता था कि, हम अपने खेल में महारत हासिल करें ताकि उससे हमें किसी विभाग में नौकरी मिल जाए। लेकिन इस स्कूल में आने के बाद हमारी सोच बदली और अब हमारा सपना खेल के जरिए नौकरी पाने का नहीं बल्कि देश के लिए ओलंपिक में गोल्ड जीतना है।
एक अन्य स्टूडेंट ने कहा कि, इस स्कूल में आने से पहले हमें जो सुविधाएं और ट्रेनिंग मिलती थी, उससे हमारे मन में रहता था कि हम राज्य स्तर की प्रतियोगितों में भाग लेंगे। लेकिन इस स्कूल में आने के बाद हमें जो सुविधाएं और ट्रेनिंग मिली है, उसकी बदौलत हम आज राष्ट्रीय स्तर पर तो खेल रहे है और जल्द अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश के लिए मेडल जीतेंगे। इस मौके पर दिल्ली शिक्षा क्रांति के जनक श्री मनीष सिसोदिया ने स्पोर्ट्स स्कूल के स्टूडेंट्स से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि, ह्लस्पोर्ट्स स्कूल मेरे लिए एक सपने जैसा था और जो सपना आपने 10 साल पहले देखा हो और आज उसे सच होता देख रहे हो तो उससे भावुक पल कुछ और नहीं हो सकता है।उन्होंने साझा किया कि, एक समय था जब यहाँ एक टूटी-फूटी बिल्डिंग होती थी। लेकिन आज यहाँ वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस ये शानदार स्पोर्ट्स स्कूल है, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है।श्री सिसोदिया ने कहा कि, भारत में दुनिया की सबसे मेहनतकश आबादी रहती है। हमारी जमीने दुनिया में सबसे उपजाऊ है, खनिजों से भरपूर है।

## योगी ने पहले कटेंगे तो बंटेगे का नारा दिया अब खरगे को दिलाई 1948 की हिंसा की याद

**एजेंसी**

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही दिन बाकी हैं, और चुनावी प्रचार ने जोर पकड़ लिया है। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बंटोगे तो कटोगे नारा राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ ले आया है। योगी ने आरोप लगाया कि रजाकारों ने कांग्रेस अध्यक्ष के परिवार को निशाना बनाया था और उनकी मां, चाचा और चाची को जला दिया था। उनका यह आरोप एक ऐतिहासिक घटना से जुड़ा है, जब हैदराबाद में निजाम के खिलाफ भारत सरकार के सैनिकों ने कार्रवाई की थी और रजाकारों ने हिंदुओं का कत्लेआम किया था।
रजाकार निजाम के निजी सैनिक थे, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के बाद भारतीय संघ में विलय के खिलाफ हिंसा फैलायी थी। 1948 में जब सरदार पटेल ने हैदराबाद में सैन्य हस्तक्षेप का आदेश दिया, तो रजाकारों ने व्यापक हिंसा की और हजारों निर्दोष लोगों को मारा। सीएम योगी का आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का परिवार भी इस हिंसा का शिकार हुआ था, हालांकि कांग्रेस की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह घटना 1948 के बाद की है, जब भारत के कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाके हैदराबाद राज्य का हिस्सा थे। रिपोर्टों के मुताबिक, रजाकारों ने बिदर जिले के गोर्ता गांव में 200 से अधिक लोगों को मारा था और उनका शव लक्ष्मी मंदिर में जलाया था। यह घटना मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार से जुड़ी बताई जाती है, लेकिन अब तक इस पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। यह विवाद राजनीतिक मैदान में और भी गर्मा गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### ग्राहक पर हमला करने पर ढाबा स्वामी-कर्मचारी पर मुकदमा

**हरिद्वार, एजेंसी।** रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में ढाबे पर खाना खाने पहुंचे ग्राहक पर ढाबा मालिक के कहने पर हमला करने के मामले में पुलिस ने कर्मचारी व ढाबा स्वामी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, सूरज सिंह पुत्र जगमोहन सिंह रावत निवासी सुभाष नगर ज्वालापुर ने शिकायत दी। बताया कि वह पिछले महीने शिवालिक नगर स्थित ढाबे में खाना खाने के लिए पहुंचा। जहां पहले से ही ढाबा मालिक व दूसरे पक्षों के बीच मारपीट हो रही थी। ढाबा मालिक के उकसाने पर कारीगर ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। उसके दोस्तों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। अब हालत में सुधार होने के बाद रविवार को रानीपुर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। आरोप लगाया कि ढाबा मालिक और उसके कारीगर से उसे जान का खतरा है। कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

### राज्य ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए 24 बच्चों का चयन

**रूड़की, एजेंसी।** हल्द्वानी में 15-16 नवंबर को आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए 24 बाल खिलाड़ियों का चयन हुआ है। यह सभी सब जूनियर वर्ग के लिए चयनित हुए हैं। इनकी आयु 12 साल से कम है। इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हरियाणा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। ताइक्वांडो कोच व जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव एम याकूब ने बताया कि जिले की टीम में शामिल होने के लिए सभी मान्यता प्राप्त क्लब अकादमी से 100 से बच्चों ने बीएसएम इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित ट्रायल में प्रतिभाग किया। इसमें बच्चों ने दमखम दिखाया। सभी बच्चों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया लेकिन जिनका प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा। उन 24 बच्चों को हरिद्वार टीम के लिए चयनित किया गया है। यह बच्चे हल्द्वानी में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इनका प्रदर्शन इस प्रतियोगिता में बेहतर होगा। वह बच्चे हरियाणा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

### अल्मोड़ा बस हादसे में घायल युवक की मौत

**ऋषिकेश, एजेंसी।** अल्मोड़ा बस हादसे में घायल एक युवक की एम्स में उपचार के दौरान मौत हो गई। घायल युवक का उपचार एम्स ट्रॉमा के आईसीयू में चल रहा था। बीते 4 नवंबर को अल्मोड़ा के मार्चूला में हुई बस दुर्घटना के 13 गंभीर घायलों को एम्स के ट्रॉमा सेंटर में उपचार के लिए भर्ती किया गया है। तीन गंभीर घायल घटना के दिन ही एयर लिफ्ट कर यहां लाए गए थे। अन्य घायलों को बाद में एयर लिफ्ट व सड़क मार्ग से लाया गया था। पहले दिन लाए गए गंभीर घायलों में राहुल बडोला पुत्र अरुण निवासी ग्राम जगदेई धुमाकोट (पौड़ी) भी शामिल था। राहुल को आंतरिक चोटें लगी थी। जिससे उसके कई आंतरिक अंग काम नहीं कर रहे थे। एम्स के पीआरओ संदीप कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह करीब पांच बजे राहुल की मौत हो गई। एम्स चौकी प्रभारी विनेश कुमार ने बताया कि पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

### बॉबी पंवार पर हुए मुकदमों की जांच करवाने की मांग

**ऋषिकेश, एजेंसी।** उत्तराखंड जन विकास मंच के कार्यकर्ताओं ने बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार पर लगे मुकदमों की सत्यता की जांच करने के लिए तहसील प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।
सोमवार को तहसीलदार सुरेंद्र सिंह को सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से मंच पदाधिकारियों ने अवगत कराया कि बॉबी पंवार पर एक वरिष्ठ नौकरशाह ने अभद्रता और सरकारी कार्य में बाधा का अभियोग पंजीकृत कराया है। जिसमें बॉबी पंवार का पक्ष भी जानना आवश्यक है। जो विधि के शासन और नैसर्गिक न्याय का मूल आधार है।

# महाशीर मछली के साथ क्रूरता करने का वीडियो वायरल

### मत्स्य विभाग में मची खलबली; कार्रवाई की मांग

**चम्पावत, एजेंसी।** राज्य स्थापना दिवस पर एंगलिंग के परमिट की आड़ में राजस्थान के पर्यटक की ओर से लुप्त श्रेणी की महाशीर मछली के साथ क्रूरता करने का वीडियो सामने आने से प्रशासन और मत्स्य विभाग में खलबली मची है।

राज्य स्थापना दिवस पर एंगलिंग के परमिट की आड़ में राजस्थान के पर्यटक की ओर से लुप्त श्रेणी की महाशीर मछली के साथ क्रूरता करने का वीडियो सामने आने से प्रशासन और मत्स्य विभाग में खलबली मची है। एंगलिंग परमिट निर्गत करने के लिए अधिकृत महिला मंगल दल ने वन विभाग को आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर भेजी लेकिन बूम वन रेंज की ओर से रिसीव न करने पर मत्स्य विभाग को भेज दी गई।

काली नदी में विश्वभर से चूका क्षेत्र में एंगलिंग के लिए पर्यटक आते हैं। चूका क्षेत्र में एंगलिंग बीटों में मत्स्य विभाग की ओर से महिला मंगल दल कालीगूंठ पूर्णागिरि को एंगलिंग परमिट निर्गत करने के लिए अनुमति देने का लाइसेंस दिया गया है। दो दिन से एंगलिंग के नाम पर महाशीर मछली के साथ अशोभनीय व्यवहार और उसे जल में जीवित न छोड़ने का वीडियो सामने आते ही मत्स्य विभाग हरकत में आया। प्रशासन के भी संज्ञान में भी वीडियो आया है।

मत्स्य विभाग के जिला प्रभारी कुंवर सिंह बगड़वाल ने बताया कि महिला मंगल दल कालीगूंठ की अध्यक्ष पूजा और ईश्वरी देवी ने अवगत कराया है कि उनकी ओर से वन क्षेत्राधिकारी बूम वन रेंज को तहरीर भेजकर कार्रवाई का आग्रह किया गया है। तहरीर में कहा है कि उनके एंगलिंग बीट के लाइसेंस के अधिग्रहीत क्षेत्र में नौ नवंबर को आरोपी आसिफ रजा खान ने एंगलिंग का परमिट लिया था। वह अपने कुछ साथियों के साथ चूका में एंगलिंग करने लगा। आरोपी और उसके साथियों का एक वीडियो प्रकाश में आया। इसमें वह संरक्षित प्रजाति की महावीर मछली के साथ अशोभनीय व्यवहार करते दिख रहे हैं और मछली को जिंदा जल क्षेत्र में न छोड़कर मार रहे हैं।

जनपद मत्स्य प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिल गई है, वन विभाग को दी जा रही है। इधर एसडीएम आकोश जोशी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है।

इस वीडियो के वायरल होने के बाद एंगलिंग परमिट जारी करने की अनुमति भी अगले आदेश तक निरस्त कर दी गई है। जिला मत्स्य प्रभारी कुंवर सिंह ने बताया कि महिला मंगल दल कालीगूंठ को पत्र भेजकर कहा गया है कि मंगल दल को आवंटित बीट संख्या 07 सीमा से चूका तक में पाया गया है कि पर्यटकों की ओर से शिकार के लिए प्रतिबंधित महाशीर मछली को मारा जा रहा है। साथ ही गोल्डन महाशीर के साथ अशोभनीय व्यवहार किया जा रहा है। जानकारी के आधार पर नौ नवंबर को परमिट संख्या 2417 आरोपी आसिफ रजा खान निवासी जयपुर राजस्थान के नाम से लाइसेंस निर्गत हुआ है। जो अत्यंत खेदजनक है। आदेश दिया गया है कि मंगल दल को एंगलिंग परमिट निर्गत किए जाने की अनुमति अगले आदेश तक निरस्त की जाती है। साथ ही आरोपी आसिफ रजा खान को भी जनपद चंपावत में एंगलिंग के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाता है। महाशीर मछली लुप्त श्रेणी की रेड बुक में दर्ज है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लुप्त श्रेणी में शामिल है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने वर्ष 2018 में रेड बुक में शामिल किया था। यह हिमालयी नदी काली में भी पाई जाती है। इसके लिए जिले भी मत्स्य आखेट के लिए महाकाली नदी के संगम पंचेश्वर में देश-विदेश से आखेटक हिस्सा लेते हैं। मछली को पकड़कर सुरक्षित नदी में छोड़ दिया जाता है। इससे पंचेश्वर और टनकपुर तक चूका होते हुए क्षेत्र विश्व पर्यटन के मानचित्र में आया है।

### सरकार ने 124 डॉक्टरों को दी वेतन बढ़ोतरी की सौगात, वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, आदेश जारी

**देहरादून, एजेंसी।** डॉक्टरों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। शासन ने आदेश जारी कर दिया है। पर्वतीय व दुर्गम क्षेत्रों में निर्धारित सेवा पूरी करने वाले डॉक्टरों को एसडीएसीपी का लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार ने इगास पर्व पर 124 डॉक्टरों को वेतन बढ़ोतरी की सौगात दी है। पर्वतीय व दुर्गम क्षेत्रों में निर्धारित सेवा पूरी करने वाले डॉक्टरों को स्पेशल डायनमिक एश्योर्ड कैरियर प्रोग्रेशन (एसडीएसीपी) का लाभ दिया गया। इस संबंध में शासन ने आदेश जारी किए। सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा, सरकार सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों की मांगों को लेकर गंभीर है। सचिव स्वास्थ्य ने कहा, हर न्यायोचित मांग का समाधान किया जाएगा। चिकित्सा सेवा संवर्ग के उन डॉक्टरों को मिलेगा, जिन्होंने पर्वतीय व दुर्गम क्षेत्रों में अपनी निर्धारित सेवा अवधि पूरी कर ली है। कई साल से डॉक्टर एसडीएसीपी की मांग कर रहे थे। स्क्रीनिंग कमेटी की सिफारिशों के आधार पर 124 डॉक्टरों को वेतन बढ़ोतरी का लाभ दिया गया। सचिव स्वास्थ्य ने कहा, हाल में प्रांतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग की मांग पर अपर निदेशक व संयुक्त निदेशक के पदों पर प्रमोशन के आदेश जारी किए गए। डाक्टरों की अन्य मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश के सभी चिकित्सकों से आग्रह किया कि पूरे मनोयोग व निष्ठा के साथ कार्य करें। उनकी मांगों का समाधान और सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है। स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि चार वर्ष की कुल सेवा व दो वर्ष की दुर्गम सेवा पूर्ण करने वाले 73 डॉक्टरों को पे मैट्रिक्स लेवल-11 वेतनमान का लाभ दिया गया। नौ वर्ष की कुल सेवा व पांच वर्ष दुर्गम सेवा पूरी करने वाले तीन डॉक्टर, 13 वर्ष की कुल सेवा व सात वर्ष की दुर्गम सेवा पूर्ण करने वाले तीन डॉक्टर, 20 वर्ष की कुल सेवा व नौ वर्ष की दुर्गम सेवा पूरी करने वाले 45 डॉक्टरों को एसडीएसीपी का लाभ दिया गया।

# उत्तराखंड में ऊर्जा निगम की बड़ी कार्रवाई

### कई घरों के काटे बिजली कनेक्शन

**नैनीताल, एजेंसी।** शहर के तल्लीताल हल्द्वानी मार्ग स्थित कोयलाटाल भूमि पर पार्किंग निर्माण को लेकर कब्जेदारों खाली कराने की कवायद फिर शुरू हो गई है। जिला प्रशासन के निर्देश पर बिजली व पानी के कनेक्शन काटने पहुंची ऊर्जा निगम व जल संस्थान की टीम को भारी विरोध झेलना पड़ा। विरोध के बीच ऊर्जा निगम की टीम ही 16 कनेक्शन काट पाई जबकि जल संस्थान की टीम को बिना कनेक्शन काटे ही लौटना पड़ा।

कोयला टाल भूमि में मैकेनाइज्ड पार्किंग निर्माण का जिला विकास प्राधिकरण ने प्रस्ताव तैयार किया था। 34 करोड़ के प्रस्ताव को शासन से मंजूरी मिलने के बाद बजट भी जारी कर दिया गया है। भूमि में 21 कब्जेदारों को खाली कराना पालिका व प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है।

पूर्व में नगर पालिका ने कब्जेदारों को नोटिस जारी किये तो उन्होंने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस बीच प्रभावित लोगों ने विधायक सरिता आर्य से मुलाकात कर उन्हें न हटाने की मांग की। जिस कारण विधायक ने भी दीपावली तक कोई कार्रवाई नहीं होने का आश्वासन दिया।

दीपावली के कई दिन बीतने के बाद भी जब लोगों ने स्वयं अपने घर खाली नहीं किया तो एसडीएम के निर्देशों पर मंगलवार को ऊर्जा निगम व जल संस्थान पालिका टीम के साथ कनेक्शन काटने पहुंची। टीम के पहुंचते ही भीड़ ने उनको घेर लिया। जिस कारण जल संस्थान की टीम को वापस लौटना पड़ा। ऊर्जा निगम की टीम ने 16 कनेक्शन काट दिए।

एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि लोगों को स्वयं आवास खाली कराने के लिए पूर्व में नोटिस जारी किये जा चुके है। हटाए जा रहे लोगों के रहने के लिए दुर्गापुर पालिका आवासों में अस्थाई व्यवस्था भी की गई है। जल्द ही कब्जा हटाकर पार्किंग निर्माण शुरू करवा दिया जाएगा।

हल्द्वानी- पुलिस ने 315 बोर के तमंचे के संग एक युवक को गिरफ्तार किया है। मंडी चौकी इंचार्ज भुवन राणा ने बताया कि सोमवार की रात पुलिस डायल 112 से गश्त कर रही थी।

### गुस्सा होकर निकला बच्चा, घर की छत पर छिपा

**नैनीताल, एजेंसी।** तल्लीताल थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह 10 वर्षीय बच्चे को परिजनों ने किसी बात पर डांट दिया। इससे नाराज होकर बच्चा स्कूल के लिए निकल गया, लेकिन वह कुछ दूर जाने के बाद घर की छत पर जाकर छिप गया। स्कूल से जब बच्चे के नहीं आने का कारण पूछा गया परिजन हक्के-बक्के रह गए। परिजनों ने बच्चे की खोज शुरू करते हुए तल्लीताल थाना पुलिस को भी सूचित किया। काफी खोजबीन के बाद भी बच्चे का कुछ पता नहीं चला। बाद में चीता कांस्टेबल अमित गहलोत बच्चे के घर पहुंचे और छत पर जाकर देखा तो बच्चा वहां छिपा मिला। एसआई अविनाश मौर्य ने बताया कि समझाने के बाद बच्चे को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

### नैनीताल से दिल्ली लौट रहे पर्यटकों की कार रोकने की कोशिश

**बाजपुर, एजेंसी।** नैनीताल से घूम कर लौट रहे पर्यटकों की कार का बाइक सवार युवकों ने पीछा किया। आरोप है कि बाइक सवार युवकों ने कार में सवार युवतियां से छींटाकशी करते हुए कार को रोकने की कोशिश की। पर्यटकों ने कोतवाली पहुंचकर मौखिक रूप से शिकायत की। कोतवाली पुलिस ने पर्यटकों को यूपी बार्डर तक छोड़ा। दिल्ली के नजफगढ़ निवासी छह पर्यटक कार से नैनीताल घूमने गए थे। रविवार देर शाम करीब छह बजे पर्यटक कार से लौट रहे थे। हल्द्वानी स्टेट हाईवे पर गांव बरहैनी और कालाढूंगी के बीच बाइक सवार कुछ युवकों ने पर्यटकों की कार को रोकने को कोशिश की। इस दौरान बाइक सवार युवकों ने कार में सवार युवतियों से छींटाकशी की। चालक ने तेजगति से कार भगाकर बाजपुर कोतवाली में जाकर रोकी। कार सवार पर्यटकों ने कोतवाल नरेश चौहान को मौखिक रूप से शिकायत दर्ज कराई।

# फाइनल में पहुंची एमबीपीजी और रुद्रपुर की टीम

**हल्द्वानी, एजेंसी।** जीएनजी एरिना के क्रिकेट मैदान में अंतर महाविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। एमबीपीजी हल्द्वानी और रुद्रपुर महाविद्यालय की टीम ने फाइनल में प्रवेश किया। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रमोद तोलिया ने एमबीपीजी की टीम को 11 हजार रुपये का पुरस्कार दिया।

सोमवार को पहले सेमीफाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए रामनगर महाविद्यालय की टीम ने 20 ओवर में 90 रन बनाए। कप्तान ने 36 रनों की पारी खेली। लेग स्पिनर रवि ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी की टीम ने मात्र आठ ओवर में ही लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

दूसरा सेमीफाइनल रुद्रपुर महाविद्यालय और काशीपुर महाविद्यालय के बीच खेला गया। काशीपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट खोकर 157 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रुद्रपुर की टीम ने 16 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। पीयूष सिंह ने शानदार 80 रनों की नाबाद पारी खेली। आयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों टीमों का फाइनल मुकाबला बुधवार को खेला जाएगा। निर्णायक नवनीत और राजेंद्र कुमार रहे। इस मौके पर स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. नागेंद्र शर्मा, मुख्य चयनकर्ता प्रो. पुष्कर सिंह बिष्ट, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. अजय सिंह, सुरेंद्र रौतेला, रितेश, हितेश मेहता, श्याम मेवाड़ी, जीवन, नवीन जोशी मौजूद रहे।

### विंटर कार्निवल में छात्रों ने प्रस्तुत किए मनमोहक दृश्य

**हल्द्वानी, एजेंसी।** राइजिंग स्टार्स इनर व्हील क्लब ने हल्द्वानी इनर व्हील क्लब के सहयोग से विंटर कार्निवल का आयोजन किया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि पीपीएस ऑफिसर दीपशिखा पांडे ने किया। इसके बाद डीपीएस के छात्रों ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। कार्निवल में विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। हर घंटे लकी ड्रॉ का आयोजन किया गया। किड्स टैलेंट शो में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान ड्राइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें 15 साल से कम उम्र के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों के लिए प्ले एरिया, मजेदार खेल और गतिविधियां भी आयोजित की गईं। दिन के मुख्य आकर्षण में ग्रैंड तंबोला और रोमांचक मेगा लकी ड्रॉ शामिल रहा।

# बिलिंग सेंटर में एक काउंटर के संचालन से उपभोक्ता परेशान

**देहरादून, एजेंसी।** मेहूंवाला क्षेत्र के जोन-3 के गोरखपुर बिलिंग सेंटर में एक काउंटर संचालित होने से पेयजल बिल जमा करने में उपभोक्ताओं को परेशानियां हो रही हैं। उधर, सुबह 10 से 1.30 बजे तक ही बिल जमा किए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को घंटों तक लाइनों में खड़ा होकर बिल जमा करने पड़ रहे हैं तो कई लोग परेशान होकर घर लौट जाते हैं। अधिशासी अभियंता से क्षेत्र के अंदर एक अतिरिक्ति बिलिंग सेंटर खोलने की मांग की है।

दरअसल, आरकेडिया ग्रांट की पूर्व उप प्रधान गीता बिष्ट, बाला देवी और गोपाल सिंह की ओर से अधिशासी अभियंता को एक ज्ञापन भेजा गया है। जिसमें एक अतिरिक्त बिलिंग सेंटर की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि मेहूंवाला पेयजल कल्सटर के तहत जोन-3 में करीब 15 हजार उपभोक्ताओं के लिए एक गोरखपुर बिलिंग सेंटर का संचालन हो रहा है।

आरोप लगाते हुए कहा कि सेंटर पर फिलहाल एक काउंटर पर बिल जमा किए जा रहे हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को खासकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को भारी दिक्कतें हो रही हैं।

स्वैप मशीन का इस्तेमाल न होने से खुले पैसों की समस्याओं को लेकर आए दिन कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के बीच बहसबाजी हो रही है। अधिशासी अभियंता की ओर से जल्द बिल को जमा करने के लिए शिविर लगाने का आश्वासन दिया गया है।

# पिथौरागढ़ डिपो की तीन बसें आधे रास्ते में दे गई दगा

**चंपावत/पिथौरागढ़, एजेंसी।** रोडवेज डिपो की बसें आधे रास्ते में दगा रहे रही हैं। गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही खराब हो रही हैं। इससे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक दिन में पिथौरागढ़ रोडवेज की तीन बसें खराब हो गईं।

जिला मुख्यालय और मानेश्वर के पास पिथौरागढ़ डिपो की बस तकनीकी कारणों से खराब हो गई। सोमवार को 22 यात्रियों को लेकर पिथौरागढ़ डिपो की देहरादून से पिथौरागढ़ जा रही बस टीआरसी क्षेत्र में खराब हो गई।

बस चालक शंकर ने बताया कि तकनीकी खराबी आने के बस खराब हो गई। बस में सवार 20 से अधिक यात्रियों को पिथौरागढ़ डिपो की दूसरी बस से ट्रांसफर किया गया। बताया कि बस के टायरों के पास लगी स्प्रींग टूट गई थी।

### बंद सड़क नहीं खुलने पर भड़के ग्रामीण

**बंगापानी (पिथौरागढ़), एजेंसी।** बंगापानी तहसील के पांच से अधिक गांवों को जोड़ने वाली सड़क पांच महीने बाद भी नहीं खुली जिस पर ग्रामीणों का हौसला जवाब दे गया। उन्होंने शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर जल्द सड़क खोलने की मांग की। कहा कि बरसात में बंद सड़क और क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों को ठीक नहीं किया गया जबकि आपदा प्रभावितों को राहत पहुंचाने के दावे किया जा रहे हैं।

सोमवार को पेना, चंखलिया, गीखू, झापुली, बुड़, साका, जिरजा के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पांच महीने पहले उनके गांवों को जोड़ने वाली झापुली, तोमिक सड़क बंद हो गई थी इसे अब तक नहीं खोला जा सका है। आवाजाही ठप होने से गांवों में राशन नहीं पहुंच पा रहा है। बाजार न पहुंचने से आलू और राजमा गांवों में ही बर्बाद हो रहा है। बरसात में क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों को अब तक ठीक नहीं किया जा सका है इससे वह पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। गधेरों और प्राकृतिक जल स्रोतों से प्यास बुझाना उनकी मजबूरी बन गया है। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह दानू ने कहा कि शासन-प्रशासन आपदा प्रभावितों की सुध नहीं ले रहा है जबकि उन्हें राहत पहुंचाने के खूब दावे हो रहे हैं। चेतावनी देते हुए कहा जल्द इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जिला मुख्यालय में धरना शुरू किया जाएगा। प्रदर्शन में इंद्र सिंह, भरत सिंह, जीवन सिंह, पार्वती देवी, विमला देवी, पुष्कर सिंह आदि शामिल रहे।

### 20 दिनों के लिए शारदा नहर की जलापूर्ति हुई बंद

**बनबसा (चंपावत), एजेंसी।** शारदा नहर के रखरखाव के चलते रविवार मध्य रात्रि से शारदा नहर में बनबसा हेडवर्क्स से पानी रोक दिया गया। जो आगामी 30 नवंबर की मध्यरात्रि तक जारी रहेगा। इससे लोहियाहेड पावर हाउस में विद्युत उत्पादन ठप रहेगा।

यूपी सिंचाई विभाग के बनबसा शारदा हेडवर्क्स के एसडीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि यूपी में जगह जगह नहर के अनुरक्षण (मेंटेनेंस) कार्य किए जाने को नहर में पानी छोड़ना बंद (क्लोजर) किया गया है। इस दौरान छुटपुट कार्य बनबसा में भी किए जाएंगे।

बताया कि यूपी शासन के उप सचिव और यूपी सिंचाई विभाग के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर नहर में 20 दिन का क्लोजर लिया गया है। सोमवार को बनबसा में शारदा नदी का जलस्तर 8102 क्यूसेक रहा। शारदा नहर और नेपाल चैनल में पानी नहीं छोड़े जाने से नदी का पूरा पानी बैराज के डाउन स्ट्रीम में छोड़ दिया गया है। इसकी सूचना चंपावत और यूपी प्रशासन को भी दी गई है। ग्रिड से बिजली सप्लाई होने से बनबसा क्षेत्र में बिजली संकट नहीं है।

### फिर हड़ताल पर गए वाटरग्रेस के ड्राइवर-हेल्पर, दून के 47 वार्डों से नहीं उठा कूड़ा

**देहरादून, एजेंसी।** दून के 47 वार्डों में कूड़ा उठान कर रही इकोन-वाटरग्रेस कंपनी के ड्राइवर-हेल्पर फिर हड़ताल पर चले गए। इससे आधे शहर में कूड़ा उठान नहीं हो पाया। बार-बार हड़ताल कर रहे कर्मचारियों से तंग आकर वाटरग्रेस कंपनी ने एफआईआर दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। उधर नगर निगम के अधिकारियों ने भी कंपनी के साथ-साथ कर्मचारियों को बरगलाने वाले लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करनी की चेतावनी दी है।

वेतन न आने पर ड्राइवर-हेल्परों ने मंगलवार सुबह काम करने से मना कर दिया। इसके बाद कंपनी के अधिकारियों और ड्राइवर-हेल्परों के बीच वार्ता हुई, लेकिन बात नहीं बन पाई। इस दौरान नगर निगम के अधिकारियों ने भी कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया और समस्याओं का समाधान कराने की बात कही पर ड्राइवर-हेल्पर नहीं माने।

इकोन वाटरग्रेस कंपनी की ओर से इस मामले में आईटी पार्क चौकी में तहरीर दी गई है। तहरीर में कंपनी ने आरोप लगाया कि कंपनी में काम करने वाले ड्राइवर-हेल्परों ने बिना किसी सूचना के काम बंद कर दिया है और पहले तनख्वाह मांग रहे हैं। कंपनी के 15-17 नवंबर तक का समय तनख्वाह के लिए दिया गया है, लेकिन उसके बाद भी वह काम करने को तैयार नहीं है। आरोप है कि करीब आठ लोग ऐसे है जो सभी ड्राइवर-हेल्परों को भड़का रहे हैं और सरकारी कार्य में बाधा डाल रहे हैं। कंपनी के इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

## संक्षिप्त खबरें

### कोहरे के चलते पटरी से उतरी यातायात व्यवस्था

अमरोहा। बुधवार सुबह से जिले में कोहरे की मोटी चादर छा गई। जिससे दृश्यता कम हो गई। नेशनल हाईवे से लेकर स्टेट पर वाहनों की गति धीमी हो गई। वाहन चालकों को लाइट का सहारा लेना पड़ा। कोहरे के चलते मौसम में ठंडक घुल गई है। सर्दी के चलते लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ा। सुबह 9 बजे तक सूर्य देव के दर्शन नहीं हो सके। बुधवार सुबह घना कोहरा छाने के कारण इसका असर जनजीवन पर देखने को मिला। दृश्यता कम होने की वजह से वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। चालक अपने वाहनों में लाइट जलाकर अपने गंतव्य तक पहुंचे। सुबह दस बजे तक सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। इसकी वजह से ठंड की स्थिति बनी रही। सर्दी से बचने के लिए लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ा। उधर, कोहरे की जल्द दस्तक से किसानों की चिंता बढ़ गई है किसानों को कहना कि यदि कोहरा और बढ़ता है तो आलू, सरसों की फसल को नुकसान होगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में कोहरा और घना होगा।

दिल्ली के चांदन होला गांव में जूते की फैक्ट्री में लगी आग, 10 घंटे तक तक चला आग बुझाने का ऑपरेशन

नई दिल्ली,। दक्षिण दिल्ली के चांदन होला गांव में बुधवार तड़के एक जूते की फैक्ट्री में आग लग गई। आग तेजी से 2 हजार वर्ग गज के क्षेत्र में फैल गई, जिससे आसपास दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाना शुरू किया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल-कर्मियों को काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद धीरे-धीरे आग को नियंत्रित किया गया। करीब 10 घंटे तक लगातार चले आग बुझाने के ऑपरेशन के बाद आग पर काबू पाया गया। फिलहाल आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है और कूलिंग का काम किया जा रहा है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि फैक्ट्री में रखे जूते व अन्य सामानों का भारी नुकसान हुआ है। आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है। फायर डिपार्टमेंट द्वारा इसकी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि जांच के बाद आग लगने का वजह का पता चल पाएगा।

### तमंचा और कारतूस समेत दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली,। महरौली पुलिस ने छतरपुर पहाड़ी के जंगल की ओर से होकर गुजरने वाले लोगों के साथ तमंचे के बल पर लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो तमंचा और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान 23 वर्षीय समीर उर्फ खीरा और 22 वर्षीय कनिष्क उर्फ काकू के तौर पर हुई है। समीर महरौली इलाके का घोषित बदमाश है।

### वक्फ बोर्ड मामलाः आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मामले में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली,। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दायर पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। आरोपपत्र में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अमानतुल्लाह खान और मरियम सिद्दीकी के नाम हैं। स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने आदेश सुनाने के लिए 14 नवंबर की तारीख तय की। बुधवार को स्पेशल कोर्ट के सामने हुई सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत को सूचित किया कि अपराध की आय को संपत्ति में निवेश किया गया था। इस आय से खरीदी गई संपत्ति को अमानतुल्लाह खान की दूसरी पत्नी मरियम सिद्दीकी के नाम पर खरीदा गया था। ईडी ने आरोप लगाया कि खान के निर्देश पर ओखला में 36 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की गई, जिसमें 27 करोड़ रुपये नकद भुगतान किए गए। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने ईडी से पूछा कि अमानतुल्लाह खान धन शोधन अपराध से कैसे जुड़े थे। जवाब में ईडी ने एक डायरी और व्हाट्सऐप चैट का हवाला देते हुए बताया कि कौसर इमाम सिद्दीकी द्वारा लिखी गई डायरी में खान का नाम कई बार आया है। साथ ही वित्तीय लेनदेन भी मेल खाते हैं। ईडी ने हाल ही में अमानतुल्लाह खान को उनके ओखला आवास से दिल्ली वक्फ बोर्ड में अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान नियुक्तियों में अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

# दिल्ली सरकार बस मार्शलों पर आने वाले सभी तरह के वित्तीय खर्च को उठाने के लिए तैयार है

प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने सर्वसम्मति से उपराज्यपाल वीके सक्सेना से बस मार्शलों को तत्काल बहाल करने की सिफारिश की है। दिल्ली कैबिनेट का कहना है कि बस मार्शलों के लिए योजना बनाना सर्विसेज के साथ-साथ कानून-व्यवस्था का मसला है। इसलिए एलजी से बस मार्शलों के लिए योजना बनाने का अनुरोध किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने दिल्ली सरकार को लिखित में दिया है कि बस मार्शलों के लिए पॉलिसी बनाने का अधिकार केवल एलजी के पास है। योजना बनने तक बस मार्शलों को 31 अक्टूबर 2023 से पहले की तरह तुरंत बहाल किया जाना चाहिए। एलजी को पॉलिसी बनाने में कई महीने या साल लग सकते हैं। इसलिए दिल्ली कैबिनेट ने जो बस मार्शल जहां तैनात थे, वहीं पर तत्काल बहाल करने का आग्रह किया है। दिल्ली सरकार बस मार्शलों पर आने वाले सभी तरह के वित्तीय खर्च को उठाने के लिए तैयार है। एलजी को सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को बस मार्शल के रूप में इस्तेमाल करने की तत्काल इजाजत देनी चाहिए। समझने में आसानी के लिए कैबिनेट बैठक का निर्णय एलजी को हिंदी और अंग्रेजी दोनों में भेजा गया है। दिल्ली सरकार का कहना है कि दिल्ली देश की राजधानी है। पूरी दुनिया की नजर दिल्ली पर रहती है। इस कारण दिल्ली में हर छोटी-बड़ी घटना पूरी दुनिया में भारत की छवि पर प्रभाव डालती है। इसी को ध्यान में रखते हुए अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने दिल्ली में बसों के अंदर महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए बस मार्शल नियुक्त करने का ऐतिहासिक कदम उठाया। जिससे यात्रियो को, खासकर महिलाओं को छेड़छाड़, अपराध और हिंसा से बचाया जा सके। 2012 की निर्भया घटना ने महिला सुरक्षा की कमी को उजागर किया। दिल्ली सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए यह योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में इस योजना से हर बस में दिन और रात की शिफ्ट में वदीधारी मार्शल मौजूद रहते हैं, ताकि बसों में हर समय सुरक्षा बनी रहे। बस मार्शल का काम सिर्फ निगरानी करना ही नहीं है, बल्कि यह यात्रियों, खासकर महिलाओं को यह भरोसा भी देता है कि बस में ऐसा व्यक्ति मौजूद है जो छेड़छाड़, चोरी या झगड़े जैसी घटनाओं को रोकने के लिए तैयार है। सीसीटीवी कैमरे घटना के बाद अपराधी की पहचान करने में मदद करते हैं, लेकिन बस मार्शल तुरंत कार्रवाई करते हैं, जिससे किसी की जान भी बचाई जा सकती है। निर्भया कांड जैसी घटनाओं में, अगर बस में मार्शल होता तो शायद वह घटना रोक सकता था और किसी की बेटी या बहन को बचाया जा सकता था। बस मार्शल की मौजूदगी से बसों में एक सुरक्षित माहौल बनता है, जिससे सभी यात्री, खासकर महिलाएं, बिना डर के सफर कर सकती हैं। इस तरह यह योजना दिल्ली सरकार का एक बड़ा और असरदार कदम है। लेकिन 2015 में शुरू हुई बस मार्शल योजना अब संकट में है, जिससे 10,000 से ज्यादा परिवारों की रोजी-रोटी और महिलाओं की सुरक्षित यात्रा पर खतरा मंडरा रहा है। अगर यह सुरक्षा नहीं मिलती, तो दिल्ली की बसों में फिर से दुखद घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। 11 मई 2015 को दिल्ली सरकार के गृह मंत्री सत्येंद्र जैन ने एक बैठक बुलाई थी। इस बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में दिल्ली सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली की बसों में जल्द से जल्द मार्शलों को तैनात करने की इच्छा जताई थी। इसके बाद 17 जून 2015 को उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह तय हुआ कि 22 जून 2015 से 2,000 होमगार्ड को दिल्ली पुलिस डीटीसी बसों में बस मार्शल के रूप में तैनात करेगी। इसके तहत स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के निर्देश पर 1500 होमगार्ड बस मार्शल के रूप में और 500 होमगार्ड अस्पतालों में तैनात किए गए। 18 सितंबर 2015 को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बैठक में यह फैसला लिया कि दिल्ली की सभी डीटीसी बसों में मार्शल तैनात किए जाएंगे। डीटीसी के कहने पर, दिल्ली सरकार ने आदेश जारी करके 24 नवंबर 2015 से 5,000 सिविल डिफेंस वालंटियर्स (सीडीवी) को बस मार्शल के रूप में तैनात किया। यह पहली बार था जब सीडीवी को इस भूमिका में शामिल किया गया।2015 से हर साल दिल्ली विधानसभा ने बस मार्शलों के वेतन के लिए बजट में पैसा मंजूर किया है।

# रैगिंग का विरोध करने पर मारपीट मामले में सात छात्र गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा,। सेक्टर-110 स्थित महर्षि विश्वविद्यालय में रैगिंग का विरोध करने पर जूनियर छात्रों के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने बुधवार को सात छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। एक महीने पुराने इस मामले को विश्वविद्यालय प्रबंधन ने आरोपी छात्रों को निलंबित कर दबा दिया था। पीड़ित की शिकायत पर मंगलवार को सेक्टर-39 थाने में केस दर्ज हुआ था। कुशीनगर के आदर्श त्रिपाठी ने पुलिस को बताया था कि वह वर्तमान में सेक्टर-110 स्थित महर्षि विश्वविद्यालय में बीबीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं और छात्रावास में रहते हैं। करीब एक महीने पहले रात तीन बजे के करीब आदर्श और उसके सहपाठी छात्रावास में अपने कमरे में बैठे थे। इसी दौरान कमरा संख्या-311 और आसपास के कमरों से कुछ सीनियर आए और जबरन आदर्श के कमरे का दरवाजा खुलवाकर अंदर घुस गए। सीनियर छात्र जब आदर्श और उसके साथियों की रैगिंग करने लगे तो सभी ने एकसुर में विरोध किया। इतनी सी बात पर सीनियर छात्र आग बबूला हो गए और जूनियर छात्रों से मारपीट करने लगे। मारपीट में आरोपी छात्रों ने आदर्श का दांत तोड़ दिया। छात्रों के कपड़े भी फाड़ दिए। आदर्श त्रिपाठी ने इसकी शिकायत विश्वविद्यालय प्रबंधन से की। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने आरोपी छात्रों पर कार्रवाई करने की बात कही और उनको निलंबित कर दिया, लेकिन इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर आरोपी छात्रों के खिलाफ केस दर्ज कर छात्र हर्षवर्धन शर्मा, अर्चित तिवारी, विशाल मिश्रा, दीपांशु वर्मा, पीयूष कुमार, विक्रम कुमार और सुमित यादव को गिरफ्तार कर लिया। घटना का वीडियो हुआ था वायरल : छात्रावास में हुई मारपीट की इस घटना का करीब दो मिनट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वायरल वीडियो में कुछ छात्र एक अन्य छात्र के कमरे में घुसकर उसके साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। कमरे के अंदर और बाहर करीब 40 छात्र हैं। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर आरोपियों पर कार्रवाई की।

# गंगा मेले पर लगा ग्वाला पशु आहार का स्टाल

प्रात : किरण संवाददाता

तिगरी धाम। बढ़ाये दूध का भंडार ग्वाला प्रीमियम पशु आहार। इसी संकल्प के साथ अमरोहा वाला ग्वाला पशु आहार का एक स्टाल गंगा धाम तिगरी मेले में आयोजित किया गया है। जी,आर, सॉल्वेंट एंड एलाइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड कैलसा द्वारा निर्मित ग्वाला पशु आहार की विभिन्न किस्मों के पशु आहार की जानकारी मेले में किसानों को दी जा रही है। संस्थान के प्रबंध निदेशक अजय टंडन ने एक वक्तव्य में किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि ग्वाला पशु आहार की विभिन्न किस्में पशुओं को दुग्ध उत्पादन क्षमता को बढ़ाती है साथ ही पशुओं की पाचन क्रिया को मजबूती प्रदान करती है उन्होंने बताया कि किसान कम लागत में पशु आहार खिलाकर पशुओं में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर अधिक मुनाफा कमा सकते है साथ ही ग्वाला पशु आहार पशुओं को हर वर्ष एक स्वस्थ बच्चे को जन्म देने में भी सक्षम बनाता है। स्टाल का कृषकों से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने निरीक्षण कर सराहना की। स्टाल को संजोने में अजीत सिंह, इंद्रपाल सिंह, हरपाल त्यागी, जितेंद्र शर्मा, कमल सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, विपिन चौहान, सौरभ बंसल, नीरज शर्मा,कौशल व नितिन सिरोही ने विशेष सहयोग दिया।

# विजय फाउंडेशन द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में लिंग उत्पीड़न विषय पर चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद/ बिजनौर देश की जानी मानी समाज सेवी संस्था विजय फाउंडेशन ने इंदिरापुरम गाजियाबाद में महिला सशक्तिकरण संगोष्ठीह्व कार्यक्रम का आयोजन कराया। जिसमें लिंग उत्पीड़न विषय पर बुद्धिजीवीयो, अधिकारियों, समाजसेविकाओ द्वारा चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन नीना बंसल कृष्णा जस्टिस दिल्ली हाईकोर्ट ने किया। संगोष्ठी में चर्चा करते हुए जस्टिस नीना कृष्णा ने कार्यक्रम लिंग उत्पीड़न विषय पर विस्तार से बताया कि नब्बे प्रतिशत महिला असंगठित क्षेत्रो में काम करती हैं। बहुत से काम करने वाले स्थानों पर उनके साथ तरह-तरह का उत्पीड़न होता रहता है। जस्टिस कृष्णा ने इस ओर भी ध्यान दिलाया कि महिलाओं के उत्पीड़न के केसों की जांच करने वाली आंतरिक जांच समितियां अक्सर कागजी शेर साबित होती हैं। इसी क्षेत्र एवं विषय पर काम कर रहीं प्रसिद्ध समाज सेविका नंदिनी राव ने कहा कि बहुत ही अफसोस की बात है कि महिलाओं को बचपन से ही सहने के लिये सिखाया जाता है।आज के दौर में इसी नकारात्मक सोच को बदलने की पूरी जरूरत है। विमला मेहरा (पूर्व आईपीएस) वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अपने अनुभव के आधार पर बताया की ऐसी सकारात्मक कोशिशे भी होनी चाहिए की जेल में बंद महिला बंदियों को कार्य कुशलता की व्यवहारिक रूप से शिक्षा भी दी जानी चाहिए। ताकि जेल से छूटने के बाद महिलाएं सफलतापूर्वक अपना जीवन यापन कर सके। आपको बताते चले की विजय फाउंडेशन की स्थापना दिल्ली हाई कोर्ट के एडवोकेट ममता सिंह शुक्ला ने विजय महतो नामक युवक के बलिदानी कार्य से प्रभावित होकर की थी।विजय महतो का सम्बंध आदिवासी समुदाय से था जिसने एक साढ़े तीन वर्षीय बालक को उसके घर मे घुस आये अपराधियो से बचाते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। विजय महतो को भारत सरकार ने मरणोपरांत वीरता पदक देकर पुरस्कृत किया था।

# खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाईअड्डे पर आने वाली दस उड़ानों के मार्गों में बदलाव

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सुबह कम दृश्यता के कारण विमान परिचालन प्रभावित हुआ और दिल्ली हवाईअड्डे पर आने वाली कम से कम दस उड़ानों के मार्गों में बदलाव किया गया, वहीं कई विमानों के परिचालन में देरी हुई।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दिल्ली में सुबह 5.30 बजे के आसपास बहुत घना कोहरा छाना शुरू हो गया और शहर के विभिन्न हिस्सों में दृश्यता कम हो गई।

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को इस मौसम में पहली बार घना कोहरा छाया और दिल्ली हवाई अड्डे पर दृश्यता शून्य हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि कम दृश्यता के कारण कुछ उड़ानों के मार्ग परिवर्तित कर दिए गए। आईएमडी ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दृश्यता शून्य मीटर दर्ज की गई, जबकि विभिन्न स्थानों पर ठ रनवे विजुअल रेंज 125 से 500 मीटर के बीच रही।

एक अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के कारण सुबह सात बजे से नौ उड़ानों को जयपुर भेजा गया है, वहीं एक को लखनऊ की ओर रवाना किया गया।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कुछ विमानों के परिचालन में देरी हुई और बाद में दृश्यता की स्थिति में सुधार हुआ। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन (आईजीआई) देश के सबसे व्यस्त हवाईअड्डों में से एक है।

# बीएलएस ई,सर्विसेज लिमिटेड ने दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए

प्रात : किरण संवाददाता

मुंबई, 13 नवंबर 2024ः टेक्नॉलजी से सक्षम डिजिटल सेवा प्रदाता, बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड (इछरी) ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अपने सम्मिलित वित्तीय परिणामों की घोषणा की। वित्तीय वर्ष 25 की दूसरी तिमाहीः कंपनी की कुल आय वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के 81.8 करोड़ रुपये के मुकाबले इस तिमाही 84.5 करोड़ रुपये थी। ऑपरेटिंग एबिटा वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में 12.0 करोड़ रुपये की तुलना में 13.5 करोड़ रुपये रहा। ऑपरेटिंग एबिटा मार्जिन वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में 14.9% से 262 बढ़कर वित्तीय वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में 17.5% हो गया। वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में एबिटा 13.1 करोड़ रुपये की तुलना में इस तिमाही के लिए 20.8 करोड़ रुपये रहा, जो कि सालाना आधार पर 59.6% अधिक है। एबिटा मार्जिन वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में15.9% से 871 बढ़कर वित्तीय वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में 24.7% हो गया। वित्तीय वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में पैट 63.0% बढ़कर 14.9 करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में यह 9.1 करोड़ रुपये था। पैट मार्जिन वित्तीय वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में 19.3% रहा, जो वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में 11.3% से 798 बढ़ा है। वित्तीय वर्ष 25 की छमाहीः कंपनी की कुल आय वित्तीय वर्ष 25 की छमाही में 166.8 करोड़ रुपये रही, जबकि वित्तीय वर्ष 24 की छमाही में यह 158.0 करोड़ रुपये थी। कंपनी का ऑपरेटिंग एबिटा वित्तीय वर्ष 24 की छमाही में 20.6 करोड़ रुपये था, जो कि बढ़कर 25.3 करोड़ रुपये हो गया। यह सालाना आधार पर 22.4% की वृद्धि है। मार्जिन वित्तीय वर्ष 25 की छमाही में 335 बीपीएस बढ़कर 16.6% हो गया, जो वित्तीय वर्ष 24 की छमाही में 13.2% था। कंपनी का एबिटा वित्तीय वर्ष 24 की छमाही में 22.5 करोड़ रुपये था, जो 75.5% बढ़कर 39.5 करोड़ रुपये हो गया। मार्जिन वित्तीय वर्ष 25 की छमाही में 945 बीपीएस बढ़कर 23.7% हो गया, जो वित्तीय वर्ष 24 की छमाही में 14.2% था। पैट वित्तीय वर्ष 24 की छमाही में 14.7 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 27.5 करोड़ रुपये हो गया, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 87.3% की वृद्धि है। बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड के चेयरमैन श्री शिखर अग्रवाल ने कहा, हमें वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में कंपनी के मजबूत वित्तीय परफॉर्मेंस की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसमें वित्तीय वर्ष 24 की छमाही की तुलना में एबिटा में 75.5% की वृद्धि हुई है और टैक्स के बाद लाभ में 87.3% बढ़ गया है। बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट सेगमेंट के ज्यादा योगदान और ऑपरेशनल दक्षता हासिल करने के निरंतर प्रयासों से इस अवधि के परफॉर्मेंस को काफी हद तक फायदा हुआ है। 29,700+ चैनल सर्विस पार्टनर्स और 121,000+ टचपॉइंट्स के विशाल नेटवर्क के साथ ही, कंपनी का एसेट-लाइट बिजनेस मॉडल इसकी वित्तीय सफलता के लिए आधारशिला बना हुआ है। विस्तार करने के लिए नए अवसरों को पहचानने हेतु हमारे निरंतर प्रयासों के समर्थन से और हमारे परिचालन के सभी पहलुओं में उत्कृष्टता व क्रॉस-सेलिंग अवसरों को हासिल करने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, इछरी भविष्य में स्थायी परिणाम देने के लिए उपयुक्त स्थिति में है।

# डूसू चुनाव के नतीजे 21 नवंबर को घोषित किए जाएंगे

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के नतीजे 21 नवंबर को घोषित किये जायेंगे। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चुनाव लगभग दो महीने पहले हुए थे। चुनाव 27 सितंबर को हुए थे और पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार परिणाम अगले दिन ही घोषित किए जाने थे। इस साल 1.45 लाख पात्र मतदाताओं में से 51,379 छात्रों ने वोट डाले जो पिछले कम से कम 10 वर्षों में सबसे कम मतदान रहा। चुनाव के दौरान प्रचार सामग्री के कारण सार्वजनिक स्थान व्यापक रूप से खराब हो गए थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मामले का संज्ञान लिया और सभी मुद्दों का समाधान होने तक परिणामों पर रोक लगा दी थी। एक अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय पैनल और कॉलेज प्रतिनिधियों के लिए मतों की गिनती 21 नवंबर को सुबह 8:30 बजे निर्वाचन आयोग की एक टीम की मौजूदगी में डीयू कॉन्फ्रेंस सेंटर में शुरू होगी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को परीक्षा विभाग के एक स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा है, जिसकी निगरानी पुलिस की एक टीम चौबीसों घंटे कर रही है। मतपेटियों को अलग-अलग कॉलेजों में सुरक्षित रखा गया है। डूसू के केंद्रीय पैनल में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव के पद शामिल हैं और उन पदों के लिए मतदान ईवीएम के माध्यम से किया गया, जबकि कॉलेज प्रतिनिधियों के चुनाव के लिए मतपत्रों का उपयोग किया गया। उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिए गए अपने फैसले में कहा कि प्रचार अभियान के दौरान विरुपित सार्वजनिक स्थानों को यदि ठीक कर लिया गया हो तो मतगणना की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। उच्च न्यायालय ने विश्वविद्यालय को इस शर्त पर 26 नवंबर या उससे पहले नतीजे घोषित करने की अनुमति दी। दिल्ली विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया, 21 नवंबर को होने वाली मतगणना के लिए तैयारियां जारी हैं। सफाई का अधिकांश काम पहले ही पूरा हो चुका है। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ईवीएम और मतपत्र निर्वाचन आयोग की टीम की मौजूदगी में खोले जाएंगे।

# नांगलोई और अलीपुर गोलीबारी की घटनाओं में शामिल तीसरा शूटर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। राष्ट्रीय राजधानी में नांगलोई और अलीपुर इलाकों में चार नवंबर को हुई गोलीबारी की घटनाओं में कथित रूप से शामिल एक शूटर को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। रामनिवास उर्फ मोगली को शाहबाद डेयरी इलाके के पास से एक मामूली मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया जिसमें उसके पैर में गोली लग गई। वह उन तीन लोगों में शामिल है जिन्होंने जबरन वसूली के लिए नांगलोई और अलीपुर में एक शोरूम तथा एक कार्यालय के बाहर गोलीबारी की थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ह्यउसका (रामनिवास) अस्पताल में इलाज हो रहा है।ह्ल उन्होंने बताया कि उसके पास से एक मोटरसाइकिल और दो हथियार जब्त किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि मिली जानकारी के आधार पर खेड़ा नहर के पास जाल बिछाया गया। जैसे ही रामनिवास मोटरसाइकिल पर आया, पुलिस टीम ने सड़क पर नाकाबंदी करके उसे रोकने की कोशिश की जिसके बाद आरोपी भागने लगा, लेकिन मोटरसाइकिल पर से उसका नियंत्रण खो गया। उन्होंने बताया ह्यआरोपी ने पुलिस पर गोलियां चलाईं जिसके बाद पुलिस दल ने भी जवाबी कार्रवाई की। एक गोली उसके बाएं पैर में जा लगी जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया और अस्पताल ले जाया गया।ह्ल दिल्ली के खेड़ा खुर्द गांव के निवासी रामनिवास पर 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें नांगलोई और अलीपुर इलाकों में गोलीबारी करना भी शामिल है। दोनों ही घटनाएं तीन घंटे के भीतर हुईं। रामनिवास और अन्य दो आरोपियों ने जबरन वसूली की योजना के तहत गोलियां चलाईं। उन्होंने नांगलोई स्थित शोरूम में एक नोट भी छोड़ा, जिस पर गैंगस्टर जतिंदर मान उर्फ गोगी और कुलदीप फज्जे के नाम लिखे थे। घटना के सीसीटीवी कैमरा फुटेज में तीन नकाबपोश दोपहिया वाहन पर सवार होकर नांगलोई स्थित शोरूम में आते, घुसते और हवा में गोलियां चलाते नजर आ रहे हैं। नवंबर को गिरफ्तार कर लिया था।

# सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत, 5 गंभीर रूप से घायल

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा,। जनपद गौतमबुद्ध नगर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पीड़ित परिजनों की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। जानकारी के अनुसार थाना बादलपुर क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में योगेश पुत्र श्यामलाल उम्र 25 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलि ने उपचार के लिए उसे एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

थाना फेस-3 क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में अशोक त्रिपाठी पुत्र प्रेमचंद त्रिपाठी उम्र 65 वर्ष की मौत हो गई है।

थाना सेक्टर-126 में हुए एक सड़क हादसे में बालू खान पुत्र साबिर उम्र 43 वर्ष की मौत हो गई है।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना सेक्टर 63 क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में राजेश कुमार पुत्र रामानंद को एक अज्ञात ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसकी कार में ट्रक टक्कर मार दिया।

पीड़ित की कार क्षतिग्रस्त हो गई, तथा वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

थाना सेक्टर-24 क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में एक सुनार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में दुर्गा सरकार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके पति सुनार का काम करते हैं।

पीड़िता के अनुसार वह चैड़ा रघुनाथपुर गांव से पैदल जा रहे थे, तभी एक बाइक सवार ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया।

थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के नोएडा एक्सप्रेसवे पर हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घूरी देवी पत्नी नरेश राय ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह तुगलपुर गांव में रहती हैं।

पीड़िता के अनुसार उसके पति नरेश राय एनआरआई सिटी से ड्यूटी करके घर वापस आ रहे थे, तभी परी चैक गोल चक्कर के पास नोएडा एक्सप्रेसवे पर एक अज्ञात कार चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया।

इस घटना में नरेश को गंभीर चोट आई है, तथा उनके शरीर की हड्डियां कई जगह से टूट गई है।

थाना रबूपुरा क्षेत्र के कस्बा रबूपुरा में पैदल जा रहे दो दोस्त सुरेश सिंह उम्र 35 वर्ष तथा दीपक पुत्र पप्पू के एक अज्ञात वाहन चालक ने कुचल दिया।

अत्यंत गंभीर हालत में उन्हें एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है।

पुलिस सभी मामलों की रिपोर्ट दर्जकर आरोपी वाहन चालकों की तलाश कर रही है।

## संक्षिप्त खबरें

### महापौर और उप महापौर को लेकर आज होगा चुनाव

नई दिल्ली, 13 नवंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली नगर निगम की गुरुवार को होने वाली बैठक में महापौर और उप महपौर के लिए चुनाव होगा। इस वर्ष अनुसूचित जाति(एससी) से महापौर पद के लिए चयन होगा। अप्रैल में आप और भाजपा के पार्षद महापौर और उप महापौर के चुनाव के लिए नामांकन कर चुके हैं। बैलेट से होगा चुनाव निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, चुनाव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। बैलेट पेपर के माध्यम से चुनाव होगा। इसके लिए बैलेट बॉक्स लगाए जाएंगे। सदन की बैठक में मोबाइल ले जाने पर रोक रहेगी। बता दें कि, सितंबर में स्थायी समिति के सदस्य के चुनाव को लेकर सदन की बैठक में हंगामा हुआ था। सत्ता पक्ष के पार्षद मोबाइल की अनुमति न मिलने के चलते चुनाव प्रक्रिया से दूर रहे थे। स्थायी समिति के चुनाव का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे चुनाव के मद्देनजर निगम मुख्यालय में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे। बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक रहेगी। दिल्ली पुलिस से लेकर अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा मार्शल भी तैनात रहेंगे। मुख्यालय में आईकार्ड दिखाने पर ही प्रवेश मिलेगा। चुनाव न होने से बढ़ रहा है महापौर का कार्यकाल बता दें कि, महापौर और उप महापौर का चुनाव अप्रैल महीने के लिए निर्धारित किया गया था। मगर, पीठासीन अधिकारी के नियुक्त न होने के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। दोनों पदों पर चुनाव कराने की जिम्मेदारी पीठासीन अधिकारी की होती है। चुनाव न होने के कारण मौजूदा महापौर और उप महापौर के कार्यकाल को अगले आदेश तक के लिए बढ़ाया गया था।

### मध्य जिला पुलिस का जुआ के खिलाफ विशेष अभियान, 30 दिनों में 81 गिरफ्तार

नई दिल्ली, । मध्य जिले इलाके में जुआरियों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया है। लगातार उनके ठिकाने के बारे में पता लगाकर वहां छापेमारी की जा रही है। इसी अभियान के तहत पिछले 30 दिनों में पुलिस ने 81 लोगों को गैंबलिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। इनसे पांच लाख से ज्यादा की रकम भी बरामद की गई। साथ ही 29 मोबाइल और गैंबलिंग में इस्तेमाल दूसरे सामान को भी जब्त किया गया। मध्य जिले के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि यह कार्रवाई जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में की गई। इनमें हौज काजी, अजमेरी गेट, आनंद पर्वत, नबी करीम, दरियागंज, टैंक रोड, आईपीएस स्टेट, प्रसाद नगर, चांदनी महल, करोल बाग, रणजीत नगर और पटेल नगर आदि शामिल हैं। स्थानीय पुलिस टीम के अलावा जिले के ऑपरेशन सेल की यूनिट ने भी इस कार्रवाई में काफी काम किया है। इस साल अब तक 388 जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। इनसे 74 लाख 32 हजार से ज्यादा की रकम और 138 मोबाइल बरामद किया जा चुका है। यह कार्रवाई लगातार आगे भी जारी रहेगी।

### मार्शलों की तैनाती को एलजी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, । दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए मार्शलों (सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स) की तैनाती को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही उन्होंने आप सरकार से एक बार फिर समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए एक ठोस योजना को तैयार करने को कहा है। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को देखते हुए और इसकी रोकथाम के प्रयासों को तेज करने के उद्देश्य से सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स की चार महीनों की अवधि के लिए तैनाती को मंजूरी दे दी है। यह तैनाती 28 फरवरी 2025 तक रहेगी। राजनिवास के अधिकारी ने बताया इस आशय के निर्देश पारित करने के बाद सरकार को प्रस्ताव को मंजूरी देने में 12 दिन की देरी हुई है। उप राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने नोट में बस मार्शलों की भूमिका, उनके औचित्य और सेवा शर्तों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने वाली इस योजना को कैबिनेट द्वारा अनुमोदित करने के लिए कहा है। इसके साथ ही बस मार्शलों के मुद्दे का तार्किक निष्कर्ष निकालने के लिए पदों के सृजन और बजटीय प्रावधान करने के लिए तत्काल कदम उठाने के भी निर्देश दिए हैं।

# अरविंद केजरीवाल ने राशन माफिया और राशन वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए लंबा संघर्ष किया है- इमरान हुसैन

प्रातः किरण, संवाददाता

नई दिल्ली, देश के जननेता अरविंद केजरीवाल के दूरदर्शी नेतृत्व में उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा को मजबूत व पारदर्शी बनाने की प्रतिबद्धता के साथ दिल्ली के लोगों को नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, खाद्य-आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री इमरान हुसैन ने राजपुरा, गुड़ मंडी में खाद्य आपूर्ति विभाग के सर्कल कार्यालय-18 (मॉडल टाउन) के कार्यालय परिसर का उद्घाटन कर दिल्ली की जनता को समर्पित किया।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी, सुशील सिंह, विशेष आयुक्त (खाद्य-आपूर्ति विभाग), ईदा राजा बाबू, सचिव, माननीय मंत्री (खाद्य-आपूर्ति), सहायक आयुक्त, खाद्य आपूर्ति अधिकारी और इंस्पेक्टर के साथ-साथ खाद्य आपूर्ति विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे ।इस अवसर पर खाद्य-आपूर्ति मंत्री ने अरविंद केजरीवाल और उनके साथियों के उन दिनों को याद किया जब वे एक एक्टिविस्ट के रूप में दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से राशन माफिया और राशन वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों को सुविधाजनक तरीके से राशन दिलवाने के लिए लंबा संघर्ष किया है। माननीय मंत्री ने कहा कि राशन गरीब लोगों का अधिकार है और लोगों को इस अधिकार से वंचित करने में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने यह भी बताया कि यह सर्किल कार्यालय मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र से काफी दूर आदर्श नगर पीपल थाला में था, जिसके कारण स्थानीय निवासियों, विशेषकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को राशन कार्ड संबंधी जानकारी के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन अब मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र में सर्किल कार्यालय शुरू हो गया है और सर्किल कार्यालय के चालू होने से यह सुनिश्चित हो गया है कि आवेदकों को राशन कार्ड संबंधी आवश्यक कार्यों के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। इस आधुनिक सुविधाओं से युक्त सर्किल कार्यालय के अंतर्गत 11 राशन की दुकानें संचालित हैं और लगभग 35000 लोग अपना नियमित राशन प्राप्त करते हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी ने खाद्य-आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन एवं उनके विभागीय कार्यालय का आभार व्यक्त किया जिनके अथक प्रयासों से आज मॉडल टाउन के सर्किल 18 कार्यालय भवन का राजपुरा, गुड़ मंडी में स्थानांतरण संभव हो पाया है। इससे पहले यह सर्किल कार्यालय आदर्श नगर पीपल थाला में चल रहा था जिससे मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र के लोगों/ राशन लाभार्थियों को राशन कार्ड संबंधी कार्यों के लिए दूर जाना पड़ता था। मॉडल टाउन विधानसभा क्षेत्र के निवासियों का वर्षों पुराना इंतजार आज खत्म हो गया जिसके लिए विधानसभा क्षेत्र के लोग माननीय मंत्री एवं खाद्य आपूर्ति विभाग के आभारी हैं। इस दौरान मंत्री ने सर्किल कार्यालय के खाद्य आपूर्ति अधिकारी और अन्य कर्मचारियों को जनता के साथ अपने व्यवहार में सहयोगात्मक रहने और उनकी शिकायतों का तुरंत निराकरण करने के लिए भी कहा। माननीय मंत्री ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अधिक कुशलता और समयबद्ध तरीके से काम करने का निर्देश दिया ताकि जनता और राशन लाभार्थियों को असुविधा न हो और सर्किल कार्यालय में आने वाले लोग विभाग के काम से पूरी तरह संतुष्ट हों।

# भाजपा ने दिल्ली को गैस चैम्बर बताकर पांचवीं कक्षा तक के सभी स्कूल बंद करने की मांग की

प्रातः किरण, संवाददाता

नई दिल्ली,। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की बदतर होती स्थिति के कारण दिल्ली सरकार से पांचवीं कक्षा तक के सभी विद्यालयों को बंद करने का आदेश देने की बुधवार को मांग की और दावा किया कि शहर गैस चैम्बर बन गया है। राष्ट्रीय राजधानी में मौसम में पहली बार बुधवार को घना कोहरा छाया रहा और वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 366 दर्ज किया गया। दिल्ली प्रदेश भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को खतरनाक वायु गुणवत्ता से बच्चों को बचाने के लिए पांचवीं कक्षा तक के सभी सरकारी और निजी स्कूल को बंद कर देना चाहिए। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है और दावा किया कि पीएम 2.5 का स्तर 400 को पार कर गया है तथा पीएम 10 का स्तर 1,000 को पार कर गया है। उन्होंने कहा, दिल्ली एक ह्यगैस चैम्बर बन में तब्दील हो गई है, जहां हर कोई खांस रहा है और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत कर रहा है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वायु प्रदूषण से सर्वाधिक पीड़ित बच्चे और बुजुर्ग हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों से निपटने के लिए कोई सरकारी क्लीनिक दवा नहीं दे रही है। सचदेवा ने मांग की कि लोगों को प्रदूषण से बचाने के लिए दवाइयां वितरित करने की तत्काल व्यवस्था की जानी चाहिए।

# अमानतुल्लाह खान के खिलाफ ईडी की पूरक चार्जशीट पर लिया जाएगा संज्ञान, फैसला सुरक्षित

प्रातः किरण, संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड की भर्ती से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ ईडी की तरफ से दायर पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने संज्ञान लेने पर कल यानि 14 नवंबर को फैसला सुनाने का आदेश दिया। अमानतुल्लाह खान ने जमानत याचिका भी दायर कर रखी है, जो अभी लंबित है। 5 नवंबर को कोर्ट ने अमानतुल्लाह को 16 नवंबर तक की न्यायिक हिरासत में भेजा था। ईडी ने 2 सितंबर को अमानतुल्लाह खान को गिरफ्तार किया था। ईडी के मुताबिक, दिल्ली वक्फ बोर्ड की भर्ती में गड़बड़ियों में अमानतुल्लाह खान ही मुख्य आरोपी हैं। इस मामले में चार लोग पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जो अभी न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी के मुताबिक, अमानतुल्लाह खान ने आपराधिक गतिविधियों से काफी संपत्ति अर्जित की और अपने सहयोगियों के नाम पर अचल संपत्ति खरीदी है। ईडी के मुताबिक, छापे के दौरान कई दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य ऐसे मिले हैं जिनसे पता चलता है कि वो मनी लाउंड्रिंग के अपराध में लिप्त हैं। ईडी ने 29 अक्टूबर को इस मामले में अमानतुल्लाह खान के खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। पूरक चार्जशीट पर कोर्ट 6 नवंबर को सुनवाई करेगा। ईडी ने पूरक चार्जशीट पर अमानतुल्लाह खान के अलावा एक महिला मरियम सिद्दीकी को आरोपी बनाया है। ईडी ने 110 पन्नों की पूरक चार्जशीट दाखिल किया है। ईडी ने आरोपी मरियम सिद्दीकी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है।

# आम आदमी से शिकायत मिली तो खुद सीएम आतिशी आगे आईं, सोशल मीडिया पर लिखा- अब सब ठीक है

प्रातः किरण, संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली की मुख्यमंत्री का पदभार संभालने वाली आतिशी अक्सर लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए चर्चा में रहती हैं। ताजा मामला ये है कि एक व्यक्ति ने लाजपत नगर इलाके में सड़क पर स्ट्रीट लाइट ना जलने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री आतिशी ने संज्ञान लिया और लाइटों को ठीक कराया। मुख्यमंत्री आतिशी ने शिकायत करने वाले शख्स को टैग करते हुए एक्स पर लिखा कि लाइटें ठीक करा दी गई हैं। इसके साथ वीडियो भी साझा किया है। नकुल शरण नाम के एक व्यक्ति ने ट्विटर यानी एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि दिल्ली के लाजपत नगर में रिंग रोड पर लगी स्ट्रीट लाइटें महीनों से बंद है। नकुल शरण ने वीडियो और लोकेशन भी पोस्ट के साथ साझा किया है, जिसमें सड़क के सेंट्रल वर्ज में लगी स्ट्रीट लाइट बंद दिखाई दे रही हैं। इससे सड़क पर हल्का अंधेरा है। व्यक्ति ने वीडियो और पोस्ट को दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री आतिशी और दिल्ली पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट को टैग किया है। नकुल ने यह वीडियो 24 सितंबर 2024 को पोस्ट किया था। एक्स पर मुख्यमंत्री ने दिया जवाब : दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने नकुल की शिकायत पर संज्ञान लिया और स्ट्रीट लाइटों को ठीक करवाया। मुख्यमंत्री ने नकुल के पोस्ट पर लिखा है कि हाय नकुल ! मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि रिंग रोड के लाजपत नगर हिस्से पर सभी लाइटें अब काम कर रही हैं और सड़क पर अच्छी रोशनी है। आशा है आप अपनी ड्राइव का आनंद लेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री आतिशी ने सड़क के सेंट्रल वर्ज में लगी स्ट्रीट लाइटों के जलने का वीडियो भी साझा किया है। पहले से भी जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेती आई हैं आतिशी : मुख्यमंत्री पद से पहले आतिशी दिल्ली सरकार में बहुत ही पावरफुल मंत्री रहीं। उनके पास दिल्ली में सबसे अधिक विभाग रहे। आरटीसी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की करीबी मानी जाती हैं। यही कारण है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद आतिशी को ही मुख्यमंत्री के लिए चुना गया। आतिशी ने मंत्री रहते हुए भी विभिन्न कार्यक्रमों में पब्लिक से मिलती और उनकी समस्याएं सुनकर समाधान करतीं रही है। मुख्यमंत्री बनने के बाद वह सड़कों पर उतरीं। इस दौरान जगह-जगह उन्होंने लोगों की समस्याएं भी सुनी और उन समस्याओं का समाधान भी कराया था। यही नहीं सड़कों का निर्माण कार्य और मरम्मत कार्य भी करवाया।

# दिल्ली एयरपोर्ट पर 7 किलो हेरोइन बरामद, 29 करोड़ बताई जा रही कीमत

प्रातः किरण, संवाददाता

नई दिल्ली,। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए काफी मात्रा में हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 29 करोड़ से अधिक पता चली है, एक को अरेस्ट भी किया है। कस्टम विभाग द्वारा दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की गई। मिली जानकारी के अनुसार, जितनी मात्रा में हेरोइन कस्टम विभाग द्वारा जब्त की गई उसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 29 करोड़ से अधिक है। हीरोइन लाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जो भारतीय है। कस्टमर विभाग द्वारा यह बड़ी कार्रवाई 9 नवंबर को की गई लेकिन मंगलवार को जांच पूरी होने के बाद यह जानकारी दी गई । मामले में जानकारी मिली है कि गिरफ्तार किया गया भारतीय आरोपी बैंकॉक से कुआलालंपुर के रास्ते आया था। जब वह ग्रीन चैनल पार कर अंतर्राष्ट्रीय आगमन हॉल के निकास द्वार की ओर बढ़ रहा था, तब उसे रोका गया। आरोपी के बैग की तलाशी के दौरान, सात हरे रंग के पॉलीथीन पैकेट में पैक सफेद रंग का नशीला पदार्थ बरामद हुआ। डायग्नोस्टिक टेस्ट से पुष्टि हुई कि पदार्थ में हेरोइन होने का संदेह है। आरोपी ने सात पॉलिथीन में इस हेरोइन को पैक किया था, ऊपर से पॉलिथीन का रंग हरा था और उसका कुल वजन लगभग सात किलो से ज्यादा था। पूछताछ के दौरान अब तक यही जानकारी मिली है कि यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया और मादक पदार्थ जब्त कर लिया गया।अब जांच टीम ये पता करने में जुटी है कि आरोपी के इस काम में और भी कोई सहयोगी था या नहीं।

# लाइट+एलईडी एक्सपो में चमकेंगे भारत की वास्तुकला कला और इंफ्रास्ट्रक्चर के भविष्य के लिए निर्मित स्मार्ट, उर्जा-दक्ष और मानव-केंद्रित लाइटिंग समाधान

प्रातः किरण, संवाददाता

नई दिल्ली, 13 नवंबर 2024 :भारत का अग्रणी एक्सपो लाइट+एलईडी एक्सपो इंडिया 2024 इस साल ला रहा है एलईडी और इंटेलिजेंट लाइटिंग के क्षेत्र के नए और आधुनिक समाधान, 21 से 23 नवंबर 2024 के बीच नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि (आई आई सी सी) में। 6 देशों के 240 से ज्यादा प्रदर्शकों के साथ यह बी2बी इवेंट घरों, ऊंची इमारतों, स्थापत्य कला, अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों के लिए कुछ अनूठे और नए समाधान पेश करेगा। भारत की उर्जा दक्षता की यात्रा में एलईडी ने एक बेहद महत्वपूर्ण उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है, और इसका उपयोग घरों और औद्योगिक क्षेत्रों से लेकर अन्य क्षेत्रों में भी व्यापक रूप से किया जा रहा है जैसे कि आर्किटेक्चर और इंटीरियर डिजाईन, अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट। उन्नत ज्योति बाय अफोर्डेबल एलईडी फॉर ऑल (UJALA) और एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग नेशनल प्रोग्राम ( SLNP) जैसी सरकारी योजनाओं के चलते एलईडी के क्षेत्र को एक बेहतरीन बढ़त मिली है, जिससे खर्च भी कम हो रहा है, ऊर्जा दक्षता भी बढ़ रही है और यह पर्यावरण हितैषी भी है। इसके अलावा, भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग के विस्तार से एलईडी उद्योग में भी एक क्रांति आने की उम्मीद है, जिससे घरेलू उत्पादन बढ़ेगा, हम जल्द ही ऊर्जा दक्षता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, और भारत को सेमीकंडक्टर और विविध लाइटिंग उत्पादों के निर्माण के क्षेत्र में विश्वगुरु के रूप में स्थापित कर पाएंगे। भारत के एलईडी और लाइटिंग क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को साथ लाने वाले इस लाइट+एलईडी एक्सपो इंडिया के 29वे संस्करण में 240 से ज्यादा प्रदर्शक और 1000 से ज्यादा ब्रांड शामिल होने जा रहे हैं, जहां वे अपने उत्पाद दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि में 14 हजार सकल स्क्वायर मीटर के क्षेत्र में प्रदर्शित करेंगे। इस एक्सपो को एक नए स्तर पर ले जाते हुए, इस साल यहां 126 से ज्यादा नए प्रदर्शक शामिल होने जा रहे हैं, और इस वर्ष लाइटिंग ऑटोमेशन के क्षेत्र की भी कई कंपनियां इसमें भाग लेंगी, जो पिछले सालों से अधिक हैं। इससे लाइटिंग के क्षेत्र के और भी उपयोगी समाधान यहां पेश होंगे। भारत के अलावा इस एक्सपो में 6 देश के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं जिसमें चीन, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, ताइवान और यूएई शामिल है। प्रतिभागियों में कुछ बड़े ब्रांड भी शामिल हैं जैसे कि इअक्र कैलकॉम, कैटरलक्स, जे एन लाइटिंग, केविन इलेक्ट्रोकेम, ल्यूमेंस टेक्नोलॉजीज, ऑप्टिक्स मेक्ट्रोनिक्स, पावर पलाजो, टैलेंट टेक, टिंज, यूनिग्लोबस, जाइलोस और कई अन्य प्रतिष्ठित नाम।

# विश्व मधुमेह दिवस से पीड़ित बच्चों और युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य की जोखिम

प्रातः किरण, संवाददाता

दिल्ली - मधुमेह से पीडित कई लोगों को तणाव, चिंता या अवसाद का सामना करना पडता हैं। मधुमेह से पीड़ित युवा लोगों में मानसिक, भावनात्मक या व्यवहार संबंधी विकार या विकासात्मक या भाषा संबंधी विकार होने की संभावना मधुमेह से पीड़ित लोगों की तुलना में लगभग दोगुनी होती है। मधुमेह से पीड़ित २ से ११ वर्ष की आयु के युवाओं में मधुमेह से पीड़ित न होने वाले समान आयु के युवाओं की तुलना में एमबीडीडी की संख्या दोगुनी से भी अधिक थी। दिल्ली स्थित अपोलो डायग्नोस्टिक के कंसल्टेंट पैथोलॉजिस्ट डॉ. तनिश मंडल ने कहॉ की, मधुमेह तब होता है जब शरीर या तो पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन करने में असमर्थ होता है या इंसुलिन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पाता है। इंसुलिन एक हार्मोन है जो आपके शरीर में रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने मे मदद करता है। इंसुलिन के बिना, आपका रक्त शर्करा का स्तर चिंताजनक स्तर तक बढ़ सकता है जिसके परिणामस्वरूप गंभीर जटिलताएँ हो सकती हैं। मधुमेह को दो प्रकारों में वगीर्कृत किया जा सकता है। इसमें टाइप 1 मधुमेह शामिल हो सकता है, जो बच्चों और युवाओं में अधिक आम है, और टाइप 2 मधुमेह, जो अक्सर जीवनशैली कारकों के कारण होता है। मधुमेह हृदय रोग, गुर्दे की क्षति, तंत्रिका क्षति, आँखों की समस्या, संक्रमण और धीमी गति से ठीक होने वाले घावों जैसी गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकता है। डॉ. मंडल ने कहॉ की, मधुमेह न केवल शारीरिक रूप से बल्कि भावनात्मक रूप से भी प्रभाव डालता है। इसका उनके मानसिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। मधुमेह से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों से निपटना बच्चों और युवाओं के लिए तनावपूर्ण हो सकता है। यह निराशा, उदासी, चिड़चिड़ापन, बेचैनी, तनाव और अवसाद की भावनाएँ पैदा कर सकता है। एक अनुशासित जीवनशैली बनाए रखना, जिसमें व्यक्ति को समय-समय पर अपने रक्त शर्करा के स्तर की जाँच करनी पड़ती है, अपने पसंदीदा खाद्य पदार्थों का त्याग करते हुए आहार में बदलाव करना और बिना चूके समय पर दवाएँ लेना भारी पड़ सकता है। हाइपोग्लाइसीमिया (कम रक्त शर्करा) या हाइपरग्लाइसीमिया (उच्च रक्त शर्करा) का अनुभव करने का निरंतर भय उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। समय के साथ, यह सामाजिक अलगाव, खाने के विकार और कम आत्मविश्वास का कारण बन सकता है जो न केवल उन्हें बल्कि उनके आस-पास के लोगों जैसे परिवार के सदस्यों, भागीदारों या प्रियजनों को भी प्रभावित कर सकता है।

# केजरीवाल की आपत्ति के बाद जिला पदाधिकारी सम्मेलन रद्द

प्रातः किरण, संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी आम आदमी पार्टी का जिला पदाधिकारी सम्मेलन रद्द हो गया है। सूत्रों की माने तो बीते 11 नवंबर को पहले पदाधिकारी सम्मेलन के बाद राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इसे लेकर कुछ आपत्ति जताई। इसके बाद आयोजन की योजना नए सिरे से बनाने का फैसला किया गया। आम आदमी पार्टी ने जिला, विधानसभा, वार्ड, मंडल और बूथ स्तर तक के कार्यकताओं से सीधे संवाद करने के लिए संगठनात्मक तौर पर गठित आप के 14 जिलों में अलग-अलग दिन जिला पदाधिकारी सम्मेलन के आयोजन की योजना बनाई थी। यह कार्यक्रम 11 से 19 नवंबर के बीच होना था। इसमें अरविंद केजरीवाल खुद कार्यकताओं के साथ संवाद करते और चुनाव को लेकर उनका मनोबल बढ़ाने का काम करते। सूत्रों ने बताया कि 11 नवंबर को किराड़ी और तिलक नगर में दो जगहों पर जिला पदाधिकारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। अरविंद केजरीवाल दोनों कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान केजरीवाल ने आयोजन स्थलों के बीच ज्यादा दूरी और सम्मेलन में अधिक भीड़ के कारण कार्यकताओं से संवाद नहीं होने को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने सुझाव दिया है कि इस आयोजन को छोटे-छोटे स्तर पर किया जाए। इससे कार्यकताओं के साथ संवाद ठीक तरीके से होगा। सूत्रों की माने तो एक कार्यक्रम से 400-500 लोगों के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। तिरुपति बालाजी के लिए रवाना हुए केजरीवाल आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल इन दिनों धार्मिक स्थलों पर जा रहे हैं। जेल से बाहर आने के बाद वह कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर तीन बार गए हैं। इसके बाद वह जम्मू में वैष्णो माता के दर्शन के लिए गए थे। अब वह तिरुपति बालाजी के दर्शन के लिए गए हैं। उनके साथ पत्नी सुनीता केजरीवाल भी तिरुपति बालाजी के दर्शन करने के लिए गईं हैं। केजरीवाल ने ह्यएक्स पर पोस्ट किया, अपनी शादी की सालगिरह के अवसर पर आज अपनी पत्नी सुनीता और परिवार के साथ तिरुपति बालाजी के दर्शन करने के लिए जा रहा हूं।

# नोएडा में बच्ची से बालश्रम कराने के आरोप में एक दंपति और बच्ची के रिश्तेदारों के खिलाफ मामला दर्ज

नोएडा,। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर थाना सेक्टर 142 के सेक्टर 137 में एक सोसाइटी में रहने वाले दंपति के खिलाफ 11 वर्षीय बच्ची से बाल श्रम कराने और उसके साथ मार-पीट करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

साथ ही बच्ची के रिश्तेदारों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना सेक्टर 142 में पदस्थ महिला उपनिरीक्षक चंचल ने सेक्टर 137 स्थित ह्यलाजिक्स ब्लॉसम काउंटी सोसाइटी में रहने वाले दंपति व बच्ची की माता और उसके मौसा-मौसी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

प्रवक्ता ने बताया कि बच्ची को बचाए जाने के बाद उसे बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉक्टर के सी विरमानी के समक्ष पेश किया गया।

उन्होंने बच्ची से बातचीत के बाद पुलिस को सूचित किया कि फ्लैट के मालिक शाहजहां और उनकी पत्नी रुकसाना बच्ची के साथ मार-पीट करते थे।

और उससे जबरदस्ती घर के काम कराते थे।

उन्होंने बताया कि बच्ची की माता व उसके मौसा, मौसी ने पांच हजार प्रतिमाह पर काम करने के लिए उसे बोकारो से दिल्ली भेजा था।

उन्होंने बताया कि बच्ची का नियमानुसार मेडिकल परीक्षण करवा कर बाल कल्याण समिति के सामने पेश किया गया और समिति के आदेशानुसार बच्ची को जग शांति उद्यान केयर गामा- प्रथम ग्रेटर नोएडा में भेजा गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि भारत में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से श्रम करवाना दंडनीय अपराध है।

चाइल्ड हेल्पलाइन के पर्यवेक्षक युवराज कुमार ने बताया कि 11 वर्षीय बच्ची करीब दो वर्ष से काम कर रही थी ।

किसी बात से नाराज दंपति ने बच्ची के साथ मारपीट की इससे बच्ची उदास होकर पार्क में घूम रही थी, तभी सोसाइटी के कुछ लोगों ने पुलिस को सूचित किया। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर थाना सेक्टर 142 पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन मौके पर पहुंची और बच्ची को वहां से बचाकर अपने कब्जे में लिया।

कुमार ने बताया कि बच्ची के माता-पिता से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वे बहुत गरीब है और उसके दो भाई परिवार के साथ बोकारो में रहते हैं।

उन्होंने बताया कि बच्ची यहां 5,000 रुपये प्रति माह वेतन पर काम करने के लिए आई थी और वह पैसे अपनी मां को भेजती थी। उन्होंने बताया कि आरोपी दंपति भी झारखंड से हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### बकरी के विवाद पर हुई मारपीट में 4 लोग हुए घायल

जमुई [ झाझा ] थानाक्षेत्र के बैजलपुरा गांव में बुधवार की दोपहर एक घर के चार सदस्यों के साथ उसके गोतिया के द्वारा लाठी डंडा से मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायल की पहचान मो. किताबुल अंसारी, उसकी मां तस्लीमा खातून, पत्नी नाजमी प्रवीण, पिता सराज अंसारी के रूप में हुई है। घायलों को लोगों की मदद से इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया गया जहां सभी घायलों का इलाज किया गया। मारपीट की घटना में तस्लीमा खातून की स्थिति नाजुक बनी हुई है। मारपीट के संदर्भ में मो. किताबुल ने बताया कि बकरी के विवाद को लेकर चचेरा भाई अख्तर अंसारी बगलगीर के सज्जाद से झगड़ा कर रहा था उसके बाद चचेरा मुझसे पार्टी देने की बात करते हुए मुझसे विवाद करने लगा। जिसका विरोध किया तो चाचा बाबुजान, चचेरा भाई अख्तर अंसारी एवं उनके घर वालो ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया। मारपीट की घटना देखकर जब मेरे घर वाले मुझको बचाने के लिए आया तो उक्त लोगों ने घर वालों के साथ मारपीट करते हुए मेरी मां के हाथ पर लाठी से वारकर उसका हाथ तोड़ दिया।

# योगेन्द्र यादव हत्याकांड में दो अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात : किरण, संवाददाता

सोनो जमुई : पुलिस कप्तान जमुई के निर्देश पर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी झाझा के नेतृत्व में किये गए छापेमारी के दौरान योगेन्द्र यादव हत्याकांड में शामिल एक प्राथमिकी अभियुक्त एवं एक अप्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है । पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति मे यह कहा गया है कि 28 फरवरी 2024 को सोनो थाना क्षेत्र के कोरिया गाँव निवासी रमण यादव का पुत्र बुढ़न यादव के द्वारा सोनो थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है । कांड संख्या 359 / 24 मे बुढ़न यादव के द्वारा यह आरोप लगाया गया हे कि उसका बड़ा पुत्र जागेश्वर यादव के द्वारा बिना वजह प्रतिदिन गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते आ रहा हे । घटना के दिन जागेश्वर यादव अपने हाथों में कुल्हाड़ी लेकर गाली गलौज करते हुए आया और मेरे उपर प्रहार कर दिया , मोके पर उपस्थित छोटे पुत्र योगेन्द्र यादव ने मुझे बचाने की कोशिश की , इसी क्रम मे जागेश्वर यादव के द्वारा चलाए गए कुल्हाड़ी का प्रहार योगेन्द्र यादव के सीर पर लग गया और बुरी तरह घायल होकर जमीन पर गिर पडा । गंभीर रूप से घायल योगेन्द्र यादव को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनो ले जाया गया जहाँ पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे जमुई भेज दिया गया । जमुई सदर के चिकित्सकों द्वारा उसे बैहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रैफर कर दिया । लेकिन पटना ले जाने के क्रम में उसकी मौत हो गई थी । गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों मे बोढ़न यादव का बडे.पुत्र जागेश्वर यादव एवं जागेश्वर यादव की पत्नी अर्चना देवी शामिल हैं । छापेमारी दल मे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुमार झाझा के साथ सोनो थाना अध्यक्ष दिनानाथ सिंह , पुलिस अवर निरिक्षक विशाल कुमार सिंह एवं चंद्रदेव महतो , महिला सिपाही ज्योति कुमारी , तथा डीआईऊ की टीम के अलावा सोनो थाना के अन्य सशस्त्र बल शामिल थे।

# दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में कुल 5 लोग हुए घायल

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [ झाझा ] बुधवार की सुबह झाझा प्रखंड के धमना गांव में मामूली बात को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई जिसमें दोनो पक्षों की ओर से कुल 5 लोग घायल हो गया। एक पक्ष से घायल की पहचान प्रिंस कुमार, उसका पिता सुधीर पांडेय, मां कविता देवी के रूप में हुई तो दूसरे पक्ष से घायल की पहचान सुनीता देवी और विकास कुमार के रूप में हुई है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने सभी घायलों का इलाज किया लेकिन कविता देवी को अत्यधिक चोट लगने से गम्भीर स्थिति देखकर डॉक्टर ने उसे सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। पहले पक्ष से घायल प्रिंस ने बताया कि चार दिन पूर्व दूसरे पक्ष की ओर से गोली मारने की धमकी दिया गया था जिसका पंचायती होने वाला था इसी बात को दूसरे पक्ष से मेरे चाचा शंकर पांडेय, चचेरा भाई विकास, विपिन और चाची टांगी, चाकू, लाठी से होकर सुबह घर मे घुसकर हमलोगों के साथ मारपीट करते हुए मुझे टांगी से और मेरी मां को चाकू से वार कर घायल कर दिया। वही दूसरे पक्ष से घायल के परिजन ने बताया कि पूजा करने के विवाद को लेकर पहले पक्ष के लोगों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। मारपीट को लेकर पहले पक्ष की ओर से थाना में आवेदन भी दिया गया है।

# जमीन मालिकों को दाखिल खारिज एवं अन्य मामले में आंचल कर्मियों द्वारा परेशान किया जा रहा है

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मुंगेर ही नहीं बल्कि पूरे बिहार में अंचल अधिकारियों का रवैया भूस्वामियों के प्रति शोषण का वर्षों से रहा है। इस पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने विधानसभा प्रयुक्त समिति का गठन कर रिपोर्ट देने को कहा था प्रयुक्त युक्त विधान समिति ने जो विधानसभा को अपनी अनुशंसा की है उसमें कई चौंकाने वाला बात स्पष्ट किया गया है समिति ने इसको लेकर संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की भी अनुशंसा की है पिछले दिनों समिति ने विधानसभा को अपनी रिपोर्ट सौंपा है समिति ने कहा है कि लोगों को जानबूझकर अंचल आने को मजबूर किया जा रहा है ताकि कर्मचारियों की जेब भर सके समिति ने डीसीएलआर और सीओ को कटघरे में खड़ा कर दिया है और कहा है कि उनके स्तर पर सरकारी प्रयासों को धत्ता बताया जा रहा है सरकारी निदेर्शों को तो अंचलों में पढ़ा भी नहीं जाता है। विस्तृत अध्ययन के बाद समिति ने जो रिपोर्ट तैयार की है उसमें डीसीएलआर का और राजस्व पदाधिकारी के कामकाज पर गंभीर टिप्पणी की गई है कहा गया है कि सरकार भूमि विवादों को कम करने को लेकर न्यूनतम काम किया जा सके। लोग घर बैठे भू संबंधित त्रुटियों को दूर कर सके। मगर राज्य सरकार के प्रयासों पर अधिकारी कर्मचारी से लेकर डीसीएलआर तक पानी फेर रहे हैं ऑनलाइन मोटेशन करने में इन लोगों की दिलचस्पी नहीं होती है दाखिल खारिज नियमों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। डीसीएलआर और अंचल अधिकारियों को नियमों से कोई मतलब नहीं है अंचल के दफ्तरों में बिजोलियों का बोलबाला है संबंधित अंचल अधिकारियों और राजस्व पदाधिकारी की उन्नति पर रोक लगे और उसकी वेतन वृद्धि पर भी रोक लगाई जाए। समिति ने आगे अनुशंसा की है कि अंचल द्वारा अस्वीकृत मामले की विशेष रूप से समीक्षा की जाए। सरकारी नियम सर्कुलर और निर्देशन का अनुपालन तत्परता से किए जाएं विभाग के अंदर एक कोषांग गठित कर प्रत्येक अंचल और अनुमंडल के कार्यकाल का मासिक रूप से विस्तृत समीक्षा की जाए निष्कर्ष में कहा गया है कि प्रत्येक जिला में एसडीओ डीएम आयुक्त द्वारा हर सप्ताह अंचल कार्यालय के कार्यकाल इनकी समीक्षा होनी चाहिए राज्य स्तर पर सिर्फ डाटा कलेक्शन का काम नहीं हो बल्कि गहन समीक्षा कर शिथिलता बरतने वाले को चिन्हित कर उन पर तत्काल कार्रवाई होगी तभी इस व्यवस्था में सुधार होगा अन्यथा सरकार के सारे प्रयास सफल नहीं होंगे। लोग कोर्ट के चक्कर लगाते रहेंगे। इससे लोग गरीब से गरीब होते जाएंगे और विभाग भी चैन से नहीं बैठ पाएगा नियम और समयबद्धता के पालन का कारगर अनुसरण यदि विभाग नहीं करेगा और शिथिलता बरतने वालों पर कठोर कार्रवाई नहीं होगी तो अंचल कार्यालय में अराजकता से भरा रहेगा यही विधानसभा की प्रयुक्त समिति विधानसभा समिति ने रिपोर्ट कर विधानसभा को सोंपा है।

## गोबड्डा पंचायत में निमार्ण कार्य का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण , कार्य की धीमी गति पर संवेदक पर नाराज

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह द्वारा बुधवार को हवेली खड़गपुर प्रखंड के गोबड्डा पंचायत स्थित शिवपुर लगवाएं में बन रहे एपीएचसी का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता की जांच की, जो संतोषजनक पाया। उन्होंने कहा कि जांच में गुणवत्तायुक्त कार्य पाया गया। कार्य की धीमी गति पर उन्होंने संवेदक को एक माह के अंदर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा को और भी सुचारू रूप से बहाल करने तथा मरीजों को अधिक से अधिक सुविधा दिलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न प्रखंडों में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित है। पूर्व में निजी भवनों में संचालित भवनों को अपने भवन में संचालित करने के लिए जमीन चिन्हित करने तथा वहां निर्माण कार्य करने का निर्देश दिया गया था। जहां जहां जमीन चिन्हित कर अधिगृहित हो चुकी है, वहां निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है। गोबड्डा पंचायत में बन रहे एपीएचसी के भवन निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा एक माह के अंदर उसे पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। जल्द ही अब एपीएचसी का अपना भवन होगा जिससे स्थानीय लोगों को और भी अधिक सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। इसके अलावा अन्य निजी भवनों में संचालित एपीएचसी के लिए भी जमीन चिन्हित किया जा रहा है, जैसे जैसे जमीन चिन्हित होती जाएगी एपीएचसी का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, खड़गपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

# केतरू नवादा गांव के नून बतिया देवी ने गिद्धौर थाना में दिया लिखित आवेदन

## डांट फटकार कर थाना से भगा दिया गया नून बतिया देवी के पुत्र को

- आवेदन पर थाना प्रभारी के द्वारा नहीं की जा रही है कार्रवाई

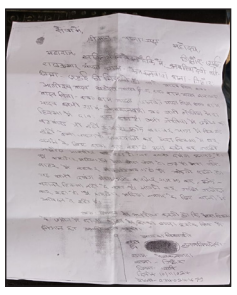

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर थाना क्षेत्र के केतुरू नवादा गांव में एक पक्ष के लोगों के द्वारा जमीन का बिना बंटवारे के ही मकान निर्माण का काम किया जा रहा है।इसे लेकर दूसरे पक्ष के लोगों के द्वारा गिद्धौर थाना पुलिस को लिखित आवेदन देकर मामले की जानकारी दी है।लेकिन दूसरे पक्ष के लोगों के द्वारा पुलिस पर आरोप लगाया है कि इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।पहले पक्ष के पारो यादव, सहदेव यादव, नारायण यादव,जानकी यादव के द्वारा बिना जमीन बंटवारे के ही मकान का निर्माण कराया जा रहा है। दूसरे पक्ष के नूनबतिया देवी पति राजकुमार यादव के द्वारा इस मामले में गिद्धौर थाना में आवेदन दिया गया है। इस मामले को लेकर नूनबतिया देवी के पुत्र लालू यादव ने बताया कि मेरे बाबा चार भाई थे।दो बाबा के संतान नहीं थे।एक पक्ष के पारो यादव, सहदेव यादव, नारायण यादव, जानकी यादव के द्वारा तीन हिस्सा जमीन ले लिया,और मुझे मात्र एक हिस्सा दिया।पूरा जमीन लगभग 80 डिसिमल है,यह लोग दबंग प्रवृत्ति के लोग हैं।जबरदस्ती मकान बना रहे हैं,मेरा रास्ता भी अवरुद्ध कर दिए हैं। इस मामले पूर्व में पंचायत भी हुई थी,लेकिन पंचायत में वह लोग नहीं पहुंचे।वही उन्होंने बताया कि इस मामले में तीन बार गिद्धौर थाना में आवेदन दिए हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आज फिर मंगलवार को जब गिद्धौर पुलिस को आवेदन दिए तो प्रभारी थानाध्यक्ष पंकज कुमार के द्वारा बोला गया यह मेरा काम नहीं है।बड़ा बाबू ने बोला मेरा काम जमीनी विवाद का नहीं है।तुम मरो कटो उसके बाद हम केस लेंगे।हम तुम्हारा नौकर नहीं हय कि तुम जो कहोगे वही हम करेंगे यही बात बड़ा बाबू बोले,उनके द्वारा इस झगड़े को रोकने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। खैर जो भी हो गिद्धौर के प्रभारी थाना अध्यक्ष पंकज कुमार के द्वारा यह सब एक आम बात हो गई है यहां जो भी फरियादी आते हैं उनसे ना तो सही तरह से वातालाप करते हैं और डांड डब्ड के भगा दिया जाता है। वहीं गिद्धौर थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि ऐसा कुछ मामले की जांच करने के लिए मौके पर पहुंच कर जमीन पर हो रहे निर्माण कार्य को बंद कर दिया गया है दोनों पक्षों के लोगों को शनिवार को होने वाले जमीन मामले में जनता दरबार में बुलाया गया जहां दोनों पक्षों को सुनकर मामले का निपटारा कराया जाएगा।

# किसान सलाहकार पर बीज वितरण में अनियमितताओं का लगा आरोप

- जिला कृषि कार्यालय ने लिया संज्ञान : झाझा प्रखंड के एक किसान

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [ झाझा ] सलाहकार मनोज कुमार पर रबी 2024 के बीज वितरण में अनियमितताओं और किसानों से निर्धारित मूल्य से अधिक धनराशि लेने के गंभीर आरोप लगे हैं। किसानों की शिकायतों के अनुसार, बीज वितरण के दौरान किसान सलाहकार ने न केवल किसानों से अतिरिक्त राशि वसूली बल्कि कई किसानों को तय मात्रा में बीज भी उपलब्ध नहीं कराए गए। जिला कृषि पदाधिकारी ने इस मामले को संज्ञान में लेते हुए किसान सलाहकार मनोज कुमार यादव से दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि जांच में आरोप सत्य पाए गए, तो किसान सलाहकार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसानों का कहना है कि इस तरह के कृत्य उनके शोषण का कारण बनते हैं और कृषि योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, किसानों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन शीघ्र कार्रवाई करेगा ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं न हों और किसानों का हित सुरक्षित रहे।

# प्रधानमंत्री की सभा को लेकर लोजपा ने किया बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। मंगलवार को लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रधान कार्यालय तारापुर में लोजपा आर का एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया । गौरतलब है कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोजपा रामविलास के प्रदेश प्रधान महासचिव सह जमुई लोकसभा प्रभारी संजय पासवान एवं विशिष्ट अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मिथलेश सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे । बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री पासवान ने कहा कि आगामी 15 नवंबर को जमुई में देश के यशस्वी ऊजार्वान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कई बिंदुओं पर चर्चा की गई । खासकर युवा विंग का विस्तार करते हुए तारापुर एवं संग्रामपुर नगर अध्यक्ष के पद पर नये साथी की नियुक्ति की कर उन्हें पार्टी की संसद सदस्यता दिलाई गई । बैठक में प्रधानमंत्री की सभा में अधिक से अधिक लोगों को जमुई चलने का आह्वान किया गया । श्री पासवान ने जमुई संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले तारापुर विधानसभा क्षेत्र के सभी देव तुल्य कार्यकताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि लोजपा रामविलास के प्रदेश स्तर पर होने वाले सभी तरह के कार्यक्रम में हमेशा बेहतर उपस्थिति रही है । जिसका उन्होंने सभी कार्यकताओं के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया ।

## पिता पुत्र के साथ हुई मारपीट

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [ झाझा ] थानाक्षेत्र के चितोचक गांव में पिता पुत्र के साथ दो लोगों के द्वारा मारपीट किये जाने का प्राथमिकी दर्ज हुई है। इस सन्दर्भ में चितोचक गांव के रहने वाले प्रेम कुमार ने दर्ज आवेदन में बताया कि कारू राम उर्फ रणधीर राम, नरेंद राम नशे की हालत में गाली गलौज कर रहा था जिसका विरोध किया तो उसने मेरे साथ मारपीट किया और फिर दोनो मिलकर मेरे बीमार पिता के साथ मारपीट करने लगा उसके बाद पिस्टल लहराने लगा।

# बीडीओ ने मतदाता सूची में प्रगति लाने को लेकर किया समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

सदर मुंगेर । सदर प्रखंड के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी आर राघव की अध्यक्षता में मतदान स्तरीय पदाधिकारी का बैठक किया गया जिसमें खास करके वैसे मतदान स्तरीय पदाधिकारी जिनका शिविर में फार्म प्राप्त किया गया था पर ऑनलाइन नहीं किया गया था। वैसे बीएलओ को बीडीओ द्वारा निर्देश दिया गया कि अविलंब आप अपने कार्य में सुधार ले अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहे आप लोग पर पत्र 6,7, एवं 8 जिनके पास जितना फॉर्म उपलब्ध हो रहा है। उतना फॉर्म अपने मोबाइल से ऑनलाइन करें अधिक से अधिक युवा एवं महिला नाम मतदाताओं का नाम जोड़े। बैठक में उपस्थित प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, शिक्षक नवीन कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

# पांच करोड़ की लागत से बनेगी बाबा झुमराज मंदीर का गुंबद जमुई जिले में होगी सबसे अव्वल

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : जमुई जिले में एकमात्र सबसे महत्वपूर्ण देव स्थलों में बटिया बाजार से सटे पठारी भागों में बसा बाबा झुमराज नामक मंदिर है , जहाँ पर बिहार , झारखंड , पश्चिम बंगाल तथा उड़ीसा आदि विभिन्न क्ई राज्यों के लोग बाबा झुमराज की पुजा अर्चना करने आते हैं , और मांगी गई मुरादें पुरी होने के बाद यथा शक्ति बकरों की बलि देने के साथ साथ विभिन्न प्रकार के पुजन सामग्री चढ़ाते हें । इस मंदीर की महिमा दुर दुर तक इस कदर फैली हुई है कि मंदीर परिषर श्रधालुओं से खचाखच भरी रहती है । कभी कभी तो ऐसा भीड़ देखने को मिलता है कि लोगों को मंदीर परिषर से लेकर गोंती नदी के अलावा सडकों तक पॉव रखने की जगह नहीं मिलती । मंदीर के एक पुजारी ने बताया कि बाबा झुमराज की महिमा की तरह शायद ही कोई देव स्थल हो जहाँ पर आपकी मनोकामना पूर्ण होने की बात फुलहांस के दौरान पहले ही बता दिया जाता हो । इधर पिछले 15 वर्षों पुर्व से धार्मिक न्यास पार्षद पटना के द्वारा गठित बाबा झुमराज मंदिर कमेटी के सदस्यों ने श्रदालुओं द्वारा होने वाली आय से मंदिर निर्माण कार्य मे लाखों रुपए खर्च किया है । लेकिन यात्रियों की सुविधा के लिए किसी भी प्रकार का कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है । अब धार्मिक न्यास पार्षद पटना के द्वारा चयनित नये कमेटी सदस्यों ने मंदिर के उपर तकरीबन पांच करोड़ रुपये की लागत से 85 फीट ऊंची गुंबद बनाने का फैसला लिया है । इसके लिए सर्व प्रथम विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह के द्वारा पांच लाख इक्यावन हजार रुपये अपने कोटे से डोनेशन करने की बात कमेटी के कोषाध्यक्ष लालू प्रसाद बरनवाल के द्वारा कही गई है । श्री बरनवाल ने बताया कि बाबा झुमराज मंदिर के पुर्व कमेटी सदस्यों के द्वारा बिना वजह हम सभी नये कमेटी सदस्यों को मंदिर निर्माण कार्य मे बाधा उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है , जिसकी सुचना ओर कार्यवाई के लिए मंदिर के अध्यक्ष जिला अनुमंडल पदाधिकारी को दे दी गई है । इधर बाबा झुमराज मंदिर को सुचारू रुप से विकास के लिए धार्मिक न्यास पार्षद पटना के द्वारा नये कमेटी का गठन किये जाने से स्थानीय लोगों मे खुशियाँ देखी जा रही है । ग्रामीणों ओर मंदिर परिसर के समिप प्रसाद आदि बेचकर अपने बाल बच्चों का भरण पोषण करने वाले लोगों को अब यह आस जगी है कि नये कमेटी के सदस्यों द्वारा मंदिर की विकास के अलावा अब हमलोगों को भी काफी सहयोग मिलेगा। ज्ञात हो कि मंदीर का आंगन जो हमेशा पानी की बहाव से कचरा का रुप अख्तियार कर लोगों को परेशान कर रहा था , जिसे मंदिर के नये कमेटी सदस्यों ने लाखों रुपए की लागत से मार्बल बिछाने का कार्य पुरा कर लिया है। कोषाध्यक्ष श्री लल्लू प्रसाद बरनवाल ने बताया कि मंदीर परिषर के अलावा दुर्गा मंदीर से पंचमुखी हनुमान मंदीर के रास्ते बाबा झुमराज मंदीर तक जाने वाली मार्ग पर भी टाइल्स बिछाई जायेगी ताकि यात्रियों को होने वाली कठिनाइयों से निजात मिल सके । आगे बताया गया है कि टाइल्स बिछाने का काम की समाप्ति के तुरंत बाद सबसे पहले पाताल बोरिंग कराकर स्थानीय दुकानदारों सहित आम यात्रियों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था किया जायेगा , तत्पश्चात महिलाओं के लिए स्नानागार एवं शौचालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी ।

## प्रेम जाल में फंसकर तीन बच्चे की मां प्रेमी के साथ फरार

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। खड़गपुर अनुमंडल के गंगटा थाना क्षेत्र के गाय घाट गांव से तीन बच्चे की मां प्रेमी के संग फरार होने का मामला प्रकाश में आया है मामले को लेकर महिला के पति शिव यादव ने जनता थाना में आवेदन देकर पड़रिया गांव के प्रमोद यादव को नामजद किया है जानकारी के अनुसार महिला का पति बाहर रहकर मजदूरी करता है इस बीच महिला का संपर्क प्रमोद यादव से हो गया और धीरे-धीरे दोनों के बीच प्यार का परवाना चढ़ा और 10 दिन पहले तीनों बच्चों को छोड़कर प्रेमी संग फरार हो गईसी जानकारी मिलने पर पति शिव यादव घर आया और प्राथमिकी दर्ज कराई थाना अध्यक्ष ने बताया कि महिला के प्रेमी के संग फरार ।

# शिक्षा विभाग की तैयारी जोरों पर : विद्यालय स्तर पर बिरसा मुंडा का व्यक्तित्व और कृतित्व पर होगी चर्चा

- 15 से 25 तक मनेगा जनजातीय गौरव दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के 150 वें जन्मदिवस के अवसर पर 15 से 25 नवंबर तक जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। इस दौरान विद्यालयों और महाविद्यालयों में बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की जाएगी। जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाने का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के बारे में जानकारी देनी है। जिले के स्कूलों के साथ-साथ उच्च शिक्षण संस्थानों में भी ह्यजनजातीय गौरव दिवसह्न मनाया जाएगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने पत्र जारी कर बताया कि यह पखवाड़ा आने वाले पीढ़ियों को देश के लिए आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को बताने,उनकी विरासत को आगे बढ़ाने और आदिवासी संस्कृति,कला और समृद्ध आदिवासी विरासत के संरक्षण के लिए प्रेरित करने वाला है। उन्होंने बताया कि सभी बीईओ को अपने-अपने प्रखंडों के विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दे दिया गया है। संग्रहालयों का कराया जाएगा भ्रमण बच्चों को चिन्हित संग्रहालयों का भ्रमण कराया जाएगा। बच्चों के बीच जनजातीय संस्कृति एवं कला एवं इतिहास के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से भ्रमण कराया जाएगा। इसके अलावा जनजातीय क्षेत्रों का भी भ्रमण कराया जाएगा। ताकि बच्चे उनसे सीधा संवाद कर उनकी उत्कृष्ट परंपरा एवं जीवन शैली के संबंध में अवगत हो सकेंगे। बच्चों को इनके रहन-सहन,खान-पान,कला संस्कृति, पहनावा आदि को जानने का अवसर मिलेगा। चेतना सत्र में होगी चर्चा जनजातीय गौरव दिवस पर विद्यालय में विशेष चेतना सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस सत्र में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के साथ ही अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के जीवनी एवं उनके योगदान की प्रमुखता से चर्चा की जाएगी। साथ ही पेंटिंग और दीवार लेखन प्रतियोगिता भी होगी। इसके माध्यम से जनजातीय संस्कृति एवं कला के संबंध में जागरूक किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागी को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा जनजातीय संस्कृति,उनका इतिहास एवं योगदान को केंद्रित कर संगोष्ठी भी होगा।

# पैक्स चुनाव नामांकन के अंतिम दिन कई उमीदवारों ने कराया नामांकन, समर्थकों की उमड़ी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंज :- प्रखंड क्षेत्र में पहले चरण में होने वाले पैक्स चुनाव को लेकर सोमवार से शुरू हुए नामांकन के अंतिम दिन बुधवार को विभिन्न पदों के लिए..... उम्मीदवारों ने नामांकन किया. इसे लेकर प्रखंड कार्यालय परिसर में सुबह से ही लोगों की भीड़ लगी रही. नामांकन की अंतिम तिथि होने से लोगों में अफरा तफरी भी थी, वहीं दिननगर पंचायत से मोङ्क अफरोज, मोङ्क एहशान, रविंदर साव, कोदवरिया पंचायत से मकेश्वर यादव,वीरेंद्र साव, वहीं अलीगंज से सुधीर महतो ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया. नामांकन को लेकर सुबह से ही प्रखंड कार्यालय परिसर में गहमागहमी का माहौल देखा गया. नामांकन कराकर बाहर निकलने वाले प्रत्याशियों को समर्थकों के द्वारा नारा लगाते हुए फूल मालाओं से लाद दिया गया। वहीं अलीगंज पंचायत से सुधीर महतो ने अपने सैकड़ो समर्थक के साथ नामांकन की अंतिम दिन अपना नामांकन कराया, वहीं नामांकन कराकर बाहर निकलते ही उनके सैकड़ो समर्थक बुद्धिजीवी एवं यवाओं ने सुधीर महतो को फूल माला पहना कर जोरदार स्वागत किया, और जिंदाबाद के नारे लगाए, वहीं सुधीर कुमार ने सभी समर्थकों का अभिवादन करते हुए कहा की जिस उम्मीद से मुझे युवाओं एवं बुजुर्गों का आशीर्वाद मिल रहा है, उनके दुःख सुख मे हमेशा साथ रहेंगे और किसान से सम्बंधित जो भी कार्य होगा उसे पूरा करेंगे, वहीं सैकड़ो युवाओ के साथ अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सुधीर महतो के साथ प्रखंड परिसर से दर्जनों मोटरसाईकल के साथ समर्थकों ने अलीगंज बाजार भर्मण किया, वहीं प्रखंड के कई पंचायत मे काटे की टककर देखने को मिल रही, मौके पर पूर्व पैक्स अध्यक्ष दिलीप कुमार, मनोज मेहता, धर्मराज कुमार, रामबालक सिंह,शम्भू विश्वकर्मा, बब्लू कुमार, रमेश महतो, भोला, छोटू, सौरभ सहित सैकड़ो समर्थक मौजूद थे।

# एक नहीं, पर सेफ हैं

भाजपा ने महाराष्ट्र के अखबारों में एक विज्ञापन छपवाया है-एक हैं, तो सेफ हैं। विज्ञापन के एक शब्द में 46 टोपियां और पगडिां छापी गई हैं। वे महाराष्ट्र के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन एक टोपी गायब है। बेशक वह टोपी मुसलमान की है, जो बहुधा प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के खिलाफ वोट देता है। यहीं से स्पष्ट होने लगता है कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटेंगे, तो कटेंगे का नारा क्यों लगाया था? उसी तर्ज पर प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार के दौरान यह नारा क्यों लगवा रहे हैं-एक हैं, तो सेफ हैं। दोनों का भावार्थ एक ही है। प्रधानमंत्री ने अपने नारे को साजिश से जोड़ दिया है और समाज को बांटने के लिए कांग्रेस को लगातार आरोपित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान की शपथ ली है कि वह पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। भाजपा-एनडीए के ही प्रधानमंत्री नहीं हैं, बल्कि समूचे विपक्ष के भी प्रधानमंत्री हैं। विज्ञापन और चुनाव प्रचार से यह भी साफ हो रहा है कि भाजपा हिंदू-मुसलमान की बात कर रही है। यह आश्चर्य है कि देश का 80 फीसदी बहुसंख्यक, 15 फीसदी अल्पसंख्यक की तुलना में, भयभीत और असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रचारक नेता लगातार ये नारे बुलंद कर बहुसंख्यक हिंदुओं को लामबंद करना चाहते हैं। यह चुनावी लक्ष्य है। यह प्रधानमंत्री या वरिष्ठ नेताओं की राष्ट्रीय, सामाजिक, जातीय चिंता नहीं है। करीब 145 करोड़ की आबादी वाला भारत ह्यएकह्न हो ही नहीं सकता। विविधता तो भारत की खूबसूरती है। उत्तर, दक्षिण, पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति, उनके रस्मो-रिवाज, उनकी भाषाएं-बोलियां, नस्लें, जातियां-उपजातियां और धार्मिक आस्थाएं बिल्कुल अलग-अलग हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान के बावजूद वे एक नहीं हो सकतीं, लेकिन भारत की संप्रभुता, एकता, अखंडता के सवाल पर वे सभी एक हैं, भारतीय हैं। प्रधानमंत्री को चिंता क्यों करनी चाहिए? बीते 77 साल से भारत राष्ट्र एक है, बहुत कुछ भिन्न है। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव हैं। उप्र समेत कई राज्यों में उपचुनाव भी हो रहे हैं। एक तरफ मुसलमानों के उलेमाओं, मौलानाओं ने बैठकें की हैं और महाविकास अघाड़ी के पक्ष में वोट करने के आह्वान किए हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में मुसलमानों को 10 फीसदी आरक्षण देने जैसी भी शर्त रखी है। एक अन्य बैठक में ह्यवक्फ बिलह्न के विरोध में 24 नवंबर को दिल्ली कूच का आह्वान खासकर मुस्लिम नौजवानों के लिए किया गया है। 25 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। दिल्ली केंद्रीय सत्ता की धुरी है। ऐसे आह्वान और विरोध-प्रदर्शन, कानून के दायरे में, किए जा सकते हैं। मुस्लिम मौलानाओं ने ह्यऔकातह्न और ह्यरूह कांप जाएगीह्न सरीखे आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह सामाजिक, सांप्रदायिक अलगाव को दर्शाता है। दूसरी तरफ हिंदुत्व जनसंघ और भाजपा का बुनियादी, चुनावी विचार-बिंदु रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री के स्तर पर इसे चुनावी मुद्दा क्यों बनाया गया है? यदि देश विभाजक अवस्था में लग रहा है, तो उसे दुरुस्त करना प्रधानमंत्री का प्रथम कर्त्तव्य है। बंटेंगे और एक पर कांग्रेस भी आक्रामक और उग्र मुद्रा में आ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने योगी के नारे को आतंकवाद से जोड़ दिया है और योगी की गेरुआ वेशभूषा पर भी सवाल किए हैं। इसकी प्रतिक्रिया में साधु-संत भी आक्रामक हो गए हैं और खडगे के बयान को सनातन का अपमान करार दिया है। प्रधानमंत्री और योगी के नारों से स्पष्ट है कि देश में हिंदुओं का अस्तित्व ही खतरे में है। भाजपा यह मुद्दा अपने जन्मकाल से ही उठाती रही है। देश के कुछ हिस्सों में मुस्लिम आबादी हिंदू जनसंख्या से अधिक हो गई है अथवा पहले से ही यही समीकरण थे।

# राजनीति में गद्दार गाली है या उपाधि ?

इन दिनों देश में विकास का रथ थमा हुआ है, चौतरफा केवल और केवल राजनीति हो रही है। लगता है कि ये देश राजनीति के बिना प्रगति कर ही नहीं सकता। पक्ष -विपक्ष में मुद्दों की बात नहीं हो रही बल्कि दोषारोपण हो रहे है। सब -मतदाताओं को भयभीत करने में लगे हैं। एक-दूसरे को हौवा बताने में लगे हैं। इस बीएच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गद्दार शब्द पर आपत्ति की है। और आज का विमर्श यहीं से शुरू होता है कि क्या राजनीति में गद्दार शब्द गाली है या उपाधि? गद्दार एक अरबी शब्द है लेकिन हम हिन्दुस्तानियों की जुबान पर ऐसा चढ़ा है की हिंदी के द्रोही शब्द को भी खा गया। मुझे लगता है कि देश में गद्दार शब्द का इस्तेमाल मुगलों के भारत में आने के बाद शुरू हुआ होगा। गद्दार संज्ञा है, विशेषण है या और कुछ ये तो शब्दों का सफरनामा लिखने वाले हमारे दोस्त बता सकते हैं या दूसरे विद्वान। मुझे तो केवल इतना लगता है कि गद्दार कलिकाल में एक गाली है उन लोगों के लिए जिन्होंने लोगों के विश्वास को तोड़ा यानी विश्वासघात किया। तमाम सिद्धांतों, विचारों और नैतिकताओं का परित्याग कर अपनी सियासी बल्दियत बदली और वो भी बेशर्मी के साथ। महाराष्ट्र के चुनावी माहौल में गद्दार शब्द को चर्चित किया है सूबे के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने। आप जानते हैं कि एकनाथ शिंदे ने बाला साहब ठाकरे की शिवसेना को भाजपा के सहयोग से दो टुकड़ों में बाँट दिया, इसलिए उन्हें मूल शिवसेना के कार्यकर्ता गद्दार कहते हैं और मानते भी हैं। मुंबई में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का काफिला चांदीवली विधानसभा क्षेत्र में जब कांग्रेस के नेता नसीम अहमद खान के दफ्तर से बाहर से निकला तो कुछ कार्यकताओं ने गद्दार-गद्दार कहकर नारेबाजी है। शिंदे को इस नारेबाजी से गुस्सा आया। वह काफिले को रोककर नीचे उतरे और सीधे कुछ ही दूरी पर स्थित कांग्रेस नेता के दफ्तर में पहुंच गए। एकनाथ शिंदे ने नसीम खान के दफ्तर में मौजूद पदाधिकारियों से कहा कि आप कार्यकताओं को यही सिखाते हैं? गद्दार शब्द को लेकर शिंदे का गुस्सा जायज है या नाजायज इसका फैसला महाराष्ट्र की जनता हम और आप से ज्यादा बेहतर कर सकती है और शायद करेगी भी। लेकिन हमने ये शब्द अपने छात्र जीवन में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की कहानी पढ़ते हुए पहली बार सुना था। इतिहास कहता है कि प्रथम स्वतांत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का झंडा उठाने वाले झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ तत्कालीन ग्वालियर रियासत के शासकों ने गद्दारी की थी। रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेजों से लड़ते हुए जब झांसी से ग्वालियर पहुंचीं तो वहां के शासक सिंधिया अपनी राजधानी छोड़कर चले गए थे। गद्दारी की इस कथित लेकिन ऐतिहासिक घटना को सुभद्रा कुमारी चौहान ने आजादी के बाद एक कविता लिखकर जन-जन में चर्चित कर दिया। उनकी कविता की कुछपंक्तियाँ एक तरह से कहावत में तब्दील हो गयी। कालांतर में मैंने भी गद्दार शीर्षक से एक उपन्यास लिख डाला। उपन्यास हॉटकेक की तरह खूब बिका भी। राजनीति में ताजा घटनाक्रम ने गद्दार शब्द को एक बार फिर से पुनर्जीवित कर दिय। महाराष्ट्र से पहले मध्यप्रदेश में ग्वालियर के सिंधिया राजवंश के ही मौजूदा प्रतिनिधि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने कटक के साथ 2020 में कांग्रेस से विद्रोह कर अपने ऊपर गद्दार का तमगा खुद चस्पा कर लिया। ज्योतिरादित्य सिंधिया को शायद गद्दारी की प्रेरणा अपनी दादी श्रीमंत विजयाराजे सिंधिया से मिली। राजमाता ने 1967 में मप्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार कि साथ गद्दारी की थी। हालाँकि सिंधिया परिवार आजतक अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार नहीं करत। बाद में तो जहां भी दल-बदल हुआ, पार्टियां टूटी या तोड़ी गयीं गद्दार शब्द गरिमा हासिल करता गया। गद्दार शब्द के पर्यायवाची के रूप में हिंदी में एक नहीं अनेक शब्द है। गद्दारी को कोई बिभीषण कहता है तो कोई बागी। कोई विश्वसघाती कहता है तो कोई दोगला। उर्दू वाले गद्दार को नमक हराम, खियानत करने वाला मानते हैं। अंग्रेजी में गद्दार को इअउङ रळअइइएफकहा जाता है। यानि गद्दार शब्द के अनेक रूप हैं। कहीं ये संज्ञा है तो कहीं सर्वनाम। कहीं क्रिया है तो कहीं क्रिया विशेषण। कलियुग कोई सियासत में गद्दारी एक स्थायी भाव हो गया है। आप यदि थोड़ी से मेहनत करें तो देश के आधुनिक गद्दारों की एक लम्बी फेहरिस्त बना सकता है। आप चाहें तो इस विषय पार शोध कर डाक्टर आफ फिलासफी की उपाधि भी हासिल कर सकते हैं।

# देश के लिये कलंक है मिलावटी व नकली खाद्य सामग्री का चलन

**जहर के इन व्यवसायियों के हौसले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। यह जानने के लिये पड़ोसी चीन की एक घटना का उल्लेख करना जरूरी है। कुछ वर्ष पूर्व चीन में अपराधी मानसिकता के ऐसे ही दो लोगों द्वारा नकली दूध बनाने का धंधा शुरू किया गया। कुछ दिनों में ही यह नकली दूध जांच के दायरे में आ गया। जब यह नेटवर्क ध्वस्त हुआ तो वहां की सरकार ने इन दोनों ही अपराधियों को सजा-ए-मौत दे दी। तब से आजतक वहां नकली दूध के किसी दूसरे नेटवर्क ने अपना सिर बुलंद नहीं किया।**

निर्मल रानी
लेखक

कम से कम समय व लागत में अधिक से अधिक धन कमाने जैसी ह्यशार्ट कटह्न मानवीय प्रवृति ने लगभग पूरे देश को संकट में डाल रखा है। भारतीय बाजार में नकली व मिलावटी सामानों की भरमार इसी प्रवृति का नतीजा है। परन्तु जब यही मिलावटखोरी या नकली सामग्री का इस्तेमाल खाद्य सामग्रियों में होने लगता है तो निःसंदेह यह सीधे तौर पर इंसान की जान से खिलवाड़ करने या धीमा जहर देने के सिवा और कुछ नहीं। पूरा देश इस बात से भली भांति वाकिफ है कि हमारे देश में दूध का जितना उत्पादन होता है उससे कई गुना ज्यादा दूध व दूध से बनी जरूरी सामग्री की खपत होती है। यह दूध आखिर कहाँ से आता है? सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में ऐसी अनगिनत वी डी ओ वायरल हो चुकी हैं जिनमें नकली व जहरीला दूध बनते देखा जा सकता है। नकली व मिलावटी देसी घी, खोया सब कुछ देश में बन रहा है व बेचा जा रहा है। असली नकली का भेद न कर पाने वाली आम जनता उसी धीमे जहर को खाने पीने के लिये मजबूर है। और इन्हीं या इनसे बनी अनेक खाद्य सामग्रियों का सेवन कर तरह तरह की बीमारियों का शिकार हो रही है। अब तो हद यह हो गयी है कि पिछले दिनों देश की राजधानी दिल्ली, गाजियाबाद, मोदीनगर और हरियाणा के जींद से अमूल जैसे लोकप्रिय देसी घी सहित कई अन्य कम्पनीज के ब्रांड के नाम पर बनने वाला नकली घी पकड़ा गया। जहरीली खाद्य सामग्री का व्यवसाय करने वाले यह लोग टेट्रा पैक पर अमूल घी, मधुसूदन घी, मदर डेयरी घी, पतंजलि गाय घी, वर्का घी, नेस्ले एवरीडे घी, आनंद घी, परम देशी घी, मिल्कफूड देशी घी, मधु घी, लक्ष्य घी और श्वेता घी जैसी कम्पनीज के नकली ब्रांड पैक इस्तेमाल करते थे। और इन्हीं अलग अलग कंपनी के ब्रांड नाम से तैयार किया जा रहा देसी घी बनाकर बाजार में बेच रहे थे। केवल हरियाणा के जींद में जो देसी घी बनाने वाली फैक्टरी पकड़ी गई है वहां 2500 लीटर नकली घी का कच्चा माल बरामद हुआ। पुलिस ने इस मिलावटी नेटवर्क को चलाने में रितिक खंडेलवाल, मथुरा, संजय बंसल, शाहदरा, दिल्ली, रोहित अग्रवाल, मोदीनगर, गाजियाबाद, कृष्ण गोयल, जींद, नरेश सिंघला व अश्वनी उर्फ आशु, जींद को आरोपी बनाया है। नकली जहरीला घी खाने का अर्थ कैंसर को दावत देना होता है। वैसे तो देसी घी में प्रायः आलू, शकरकंद जैसे स्टार्च की मिलावटी की जाती है। लेकिन कई बार इसमें कोल टार डाई या अन्य खतरनाक रसायन भी मिला दिये जाते हैं जिसके कारण फूड पॉइजनिंग, एलर्जी जैसी परेशानियों से लेकर कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी तक भी हो सकती है। खबरों के अनुसार गत 12 नवंबर (मंगलवार) को केवल दिल्ली में एक ही दिन में 50 हजार शादियां हुईं। जरा सोचिये कि हर शादी में दूध घी पनीर खोया मिठाई आदि की कितनी खपत हुई होगी। इसी तरह पूरे देश के विवाह आयोजनों व अन्य समारोहों में आप जब जहाँ और जितना भी घी, दूध, दही मक्खन, खोया, पनीर आदि जो भी चाहें आप को मिल जायेगा। सवाल यह है कि जब सरकार व प्रशासन भी इस जालसाजी व मिलावटखोरी की खबरों व इसके नेटवर्क से वाकिफ है और इसे रोकने के लिये पर्याप्त कानून भी बने हैं उसके बावजूद मिलावटखोरी का यह सिलसिला दशकों से क्यों चला आ रहा है? कुछ लोगों की अधिक धन कमाने की ह्यशॉर्टकटह्न प्रवृति ने आखिर पूरे देश को धीमा जहर खाने के लिये क्यों मजबूर कर दिया है। क्यों जहर के इन व्यवसायियों के हौसले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। यह जानने के लिये पड़ोसी चीन की एक घटना का उल्लेख करना जरूरी है। कुछ वर्ष पूर्व चीन में अपराधी मानसिकता के ऐसे ही दो लोगों द्वारा नकली दूध बनाने का धंधा शुरू किया गया। कुछ दिनों में ही यह नकली दूध जांच के दायरे में आ गया। जब यह नेटवर्क ध्वस्त हुआ तो वहां की सरकार ने इन दोनों ही अपराधियों को सजा-ए-मौत दे दी। तब से आजतक वहां नकली दूध के किसी दूसरे नेटवर्क ने अपना सिर बुलंद नहीं किया। हमारे देश में इस तरह के नकली, मिलावटी व जहरीले खाद्य नेटवर्क को बढ़ावा देने के पीछे सच पूछिए तो सरकार, प्रशासन व जनता, कुछ न कुछ सभी जिम्मेदार हैं। यदि आप देश के समाचारपत्रों पर नजर डालें तो शायद ही कोई दिन ऐसा होता हो जिसदिन इस तरह का नकली, मिलावटी व जहरीला खाद्य सामग्री का नेटवर्क पकड़ा न जाता हो। परन्तु आपको यह खबर बहुत कम बल्कि ना के बराबर पढ़ने को मिलेगी कि अमुक नकली, मिलावटी खाद्य नेटवर्क से जुड़े लोगों को सख़्त सजा हुई हो। इसका कारण है कि जो प्रशासन मिलावटखोरी के नेटवर्क को पकड़े जाने की वाहवाही जिस तरीके से लूटता है वही उनसे जुड़े उन सुबूतों को अदालत तक उस मुस्तैदी के साथ नहीं पहुंचा पाता जैसा कि छापेमारी के समय मीडिया में नजर आता है। अब चूँकि आदालतें साक्ष्य, गवाही व दस्तावेजों के आधार पर ही अपने फैसले सुनाती हैं और अदालत में साक्ष्य, गवाही व दस्तावेजों को उपलब्ध कराना कार्यपालिका का विषय है, इसलिये साक्ष्य, गवाही व दस्तावेजों के अभाव में सभी गिरफ़्तार आरोपियों को सजा नहीं मिल पाती। इसीलिये यह आम धारणा बन चुकी है कि इसतरह के नेटवर्क से जुड़े लोग भ्रष्टाचार व रिश्वत के दम पर स्वयं को बचा ले जाते हैं और जाहिर है कि बरी होने के बाद यही लोग बुलंद हौसले के साथ आम लोगों को जहर बेचने का यही काम फिर शुरू कर देते हैं। जनता इसलिये जिम्मेदार है कि वह ऐसे अपराधियों को समाज में संरक्षण देती है। जो लोग नकली, मिलावटी खाद्य नेटवर्क से जुड़े होते हैं वे एलियन नहीं न ही वे आसमान से टपकते हैं। वे भी किसी गली मोहल्ले कॉलोनी या शहरों व गांव में रहते हैं। जब यह लोग जहर बेचते पकड़े जाते हैं तो इनके रिश्ते नातेदार पड़ोसी सभी को इनके करतूतों का पता चलता है। वास्तव में समाज को ऐसे लोगों का पूर्णतः सामाजिक बहिष्कार करना चाहिये। यदि अपनी चालाकियों या रिश्वत के बल पर यह अदालत से बरी भी हो जाएँ तो भी पास पड़ोस के लोगों व इनके सभी जानने वालों को इनका सामाजिक बहिष्कार करना चाहिये। आश्चर्य है कि जो लोग समाज को जहर देकर मारने का संगठित व इरादतन अपराध करते हों उसी समाज के लोग इन अपराधियों को अपने सर माथे पर बिठाते हैं? इससे भी इनके हौसले बुलंद होते हैं। और ऐसे ही लोगों के चलते मिलावटी व नकली खाद्य सामग्री का बढ़ता चलन देश के लिये कलंक बनता जा रहा है।

# विश्व मधुमेह दिवसः बढ़ते मधुमेह को नियंत्रित करने की चुनौती

**मधुमेह का नियंत्रित करने के लिये योग-ध्यान-साधना-प्रातःभ्रमण की महत्वपूर्ण भूमिका है। वैज्ञानिक डॉ. घियोपोर ने बहुत पहले अपने अनुसंधान में बताया कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की साइकोलॉजी में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं।**

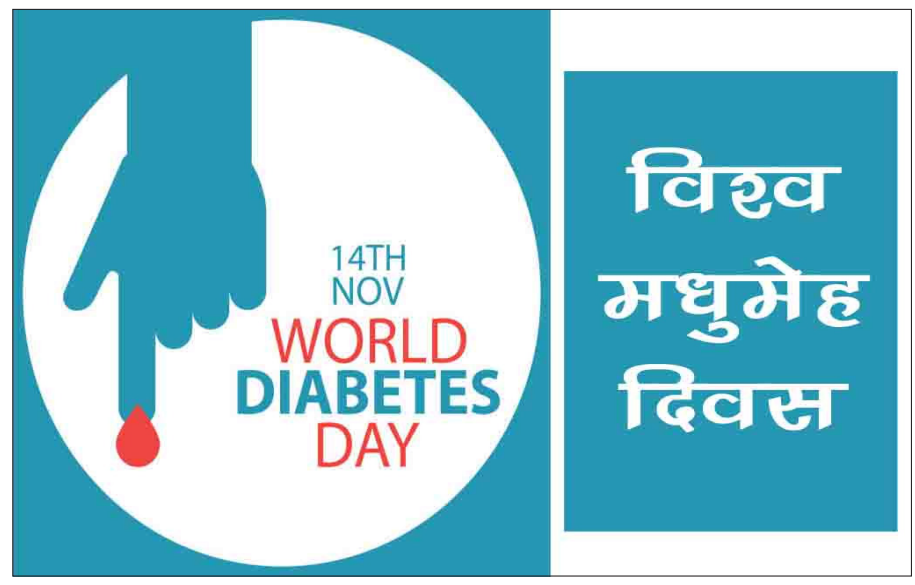

ललित गर्ग
लेखक

डायबिटीज यानी मधुमेह दुनियाभर में तेजी से बढ़ती ऐसी बीमारी है जो अन्य अनेक बीमारियों एवं शरीर की जर्जरता का कारण बनती है, जिसका शिकार हर उम्र के लोगों को देखा जा रहा है। जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उनमें आंखों, किडनी, तंत्रिकाओं, शरीर की सुस्ती और हृदय से संबंधित कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ती इस गंभीर और क्रोनिक बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करने, इससे बचाव को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस मनाया जाता है। आंकड़ों से पता चलता है कि डायबिटीज के मरीज साल-दर साल बढ़ते जा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में 53 करोड़ से अधिक लोग इस बीमारी के शिकार हैं और अगले दो दशकों में रोगियों की संख्या 80 करोड़ के आंकड़े को छू सकती है। विश्व मधुमेह दिवस दुनिया की गंभीरतम बीमारियों में से एक होने की वजह से 160 से अधिक देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है और अपने जागरूकता अभियानों, उपचार तक बेहतर पहुंच की वकालत और मधुमेह से निपटने के लिए गुणवत्तापूर्ण सूचनात्मक सामग्री के माध्यम से 100 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। इस वर्ष, इस दिवस की थीम है ह्यबाधाओं को तोड़ना, अंतरालों को पाटनाह्न। यह थीम लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर मधुमेह के प्रभाव पर प्रकाश डालती है और मधुमेह प्रबंधन-नियंत्रण-जागरूकता के महत्व पर भी जोर देती है और यह बताती है कि इसके लिये संतुलित, योगमय एवं गुणवत्ता जीवन कैसे इस बीमारी से लड़ने की शक्ति देती है। दरअसल, विश्व मधुमेह दिवस को 14 नवंबर को मनाने का मुख्य उद्देश्य सर फ्रेडरिक बैंटिंग को याद करना था। 1992 में सर फ्रेडरिक बैंटिंग ने चार्ल्स बेस्ट के साथ मिलकर इंसुलिन की खोज की थी। अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह फाउंडेशन (आईडीएफ) के अनुसार, 2021 में मधुमेह के कारण 67 लाख लोगों की मृत्यु हुई और अनुमान है कि उसी वर्ष 53.7 करोड़ (10 में से 1) लोग इस बीमारी के साथ जी रहे थे और अनुमान है कि यह संख्या 2030 में बढ़कर 64.3 करोड़ और 2045 तक 78.3 करोड़ हो जाएगी। यह तथ्य सामने आया है कि मधुमेह से प्रभावित 2 वयस्कों में से 1 यानी 44 प्रतिशत, लगभग 24 करोड़ लोग, अभी तक निदान नहीं करा पाये हैं, उनमें से अधिकांश टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित हैं, जिसे कुछ जीवनशैली में बदलाव, इच्छाशक्ति, योग-साधना और स्वस्थ आहार आदतों से रोका जा सकता है। असंतुलित जीवनशैली के कारण लगभग 54.1 करोड़ वयस्कों को टाइप 2 मधुमेह विकसित होने का खतरा है। डायबिटीज के होने एवं पनपने के अनेक कारण हैं, जिनमें सबसे बड़ा कारक फैमिली हिस्ट्री को माना जाता है। यानी कि यदि माता-पिता या भाई-बहन को टाइप-2 डायबिटीज है तो आपको भी मधुमेह होने का खतरा बढ़ जाता है। अधिक वजन या मोटापा डायबिटीज रोग के लिए एक मुख्य जोखिम है। अध्ययनों से पता चलता है कि मुख्यरूप से पेट पर फैट जमा होने से आपमें डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययकताओं ने पाया कि जो लोग अधिक मीठा खाते हैं उनमें पेट की चर्बी बढ़ने का खतरा रहता है। मोटापा से ग्रस्त लोगों में डायबिटीज की स्थिति हृदय रोग और अन्य जटिलताओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। विशेषज्ञ का मानना है कि शारीरिक निष्क्रियता भी डायबिटीज की जोखिम को बढ़ा देती है। शारीरिक गतिविधि जैसे नियमित रूप से योग-व्यायाम वजन और खेलकूद से वजन को नियंत्रित करने में मदद करती है और इससे ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखा जा सकता है। मधुमेह से बचे रहने के लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम जरूर करें। टाइप-2 डायबिटीज होने का जोखिम उन लोगों में अधिक होता है, जिन्हें गर्भावस्था के दौरान मधुमेह का पता चलता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस अवधि में शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखने की सलाह देते हैं। गर्भावधि में मधुमेह के कारण ब्लड शुगर का स्तर बढ़ा रहता है जिसका असर गर्भवती और बच्चे दोनों की सेहत पर देखा जाता है। डॉक्टर बताते हैं, भले ही दुनियाभर में सबसे ज्यादा मरीज टाइप-2 डायबिटीज के देखे जाते रहे हैं पर मधुमेह चार प्रकार का होता है। इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी समझना या युवावस्था में शुगर की समस्या को अनदेखा करना आपके लिए दिक्कतें बढ़ाने वाला हो सकती है। बढ़े रहने वाले शुगर लेवल का असर हृदय और आंखों की सेहत पर भी पड़ सकता है, इसलिए डायबिटीज को हल्के में लेने की भूल नहीं की जानी चाहिए। डायबिटीज के मरीजों को अपने खाने पीने के अलावा नींद का भी ध्यान रखने की जरूरत होती है। कम नींद के कारण ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव हो सकता है। भोजन और एक्सरसाइज के अलावा नींद भी शरीर के लिए उतनी ही जरूरी होती है। नींद पूरी न होने से शरीर सुस्त हो जाता है और तनाव भी बढ़ता है। ऐसे में कार्टिसोल हार्मोन बढ़ने लगता है जो ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा देता है। शरीर में जब शुगर का लेवल बढ़ता या घटता है तो नींद से जुड़ी समस्याएं होने लगती है। खासतौर पर टाइप 2 डायबिटीज वाले लोगों को हमेशा पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। यदि आपको देर रात तक जागने की आदत है या फिर आप देर रात तक जागकर काम करते हैं तो आपकी यह आदत आप पर भारी पड़ सकती है। अनियंत्रित मधुमेह हृदय संबंधी समस्याओं, तंत्रिका क्षति, गुर्दे की क्षति, पैर की क्षति, त्वचा संक्रमण, स्तंभन दोष, अवसाद, दंत समस्याओं जैसी घातक जटिलताओं को जन्म दे सकता है।

# आवासविहीन लोगों को कब मिलेगी छत

लक्ष्मीकांता चावला

इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 77 वर्षों में भारत ने बहुत उन्नति की है। 1947 में देश की केवल धरती का ही बंटवारा नहीं हुआ, लोग भी बंट गए, कट गए, उजड़ गए, दीनहीन, अनाथ होकर देश के करोड़ों लोग विस्थापित होकर अथवा सांप्रदायिक दंगों का शिकार होकर भूखे, अर्द्धनग्न सडकों पर जीने, तड़पने को मजबूर हो गए। भारत की तत्कालीन सरकार ने उस देश को संभाला। साढ़े पांच सौ से ज्यादा रियासतों में बंटे देश को सरदार पटेल जी जैसे नेता ने एक सूत्र में पिरोया और धीरे-धीरे शरणार्थी समस्या का भी समाधान करके उन देशवासियों को संभाला, गले लगाया जो सब कुछ लुटाकर भारत आए थे। समय ने उनके घाव तो शायद पूरी तरह न भरे हों, पर देशवासियों ने शरणार्थी बनकर आए अपने भाई-बहनों को घर-परिवार बसाने में पूरा सहयोग दिया। यह तो हो गई 77 वर्ष पुरानी त्रासदी की बात। इन वर्षों में देश का गौरव बढ़ा, संसाधन बढ़े, सीमाओं की रक्षा करने में हम समर्थ हुए। जल-थल-नभ के पहरेदार मजबूत होकर देश की रक्षा कर रहे हैं। इसी बीच कभी शिक्षा का अधिकार, कभी स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकार दिया गया। कानून के समक्ष सब नागरिकों को समानता का अधिकार तो संविधान निमार्ताओं ने ही दे दिया था, पर आज भी हम निश्चिंत नहीं हो सकते। एक तरफ तो यह समाचार मिलते हैं कि किसी धनपति ने 600 से ज्यादा कमरों वाला ऐसा महल बनाया जिसके गैराज में सैकड़ों कारें एक समय खड़ी हो सकती हैं। देश के राजभवनों, राष्ट्रपति भवन, नया संसद भवन एवं अन्य कुछ विशिष्ट इमारतों की सुंदरता, लंबाई-चौड़ाई की चर्चा यदा कदा होती रहती है। हमारे देश के टीवी चैनलों में भी ऐसी बहुत सी चचाएं होती हैं जिनका आम आदमी को तो कोई लाभ नहीं, पर कुछ नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप और लड़ाई-झगड़े का मंच बना रहता है। अगर कभी नहीं चर्चा होती तो उन बेचारों की नहीं होती जो एक रैनबसेरे के अभाव में या एक छत को तरसते हुए रात भर ठंडी-गर्म सडकों पर पड़े ठिठुरते या सिकुड़ते आकाश के तारों को देखते हैं और अनेकशः वे तारे भी धुंध और कोहरे में लिपटे उन्हें दिखाई नहीं देते। नरेंद्र मोदी ने अपने प्रधानमंत्रीकाल में एक लक्ष्य बनाया है कि जिनके पास अपने घर नहीं, झुग्गी-झोंपड़ी में रहने को विवश हैं, उनको मकान दिए जाएं। बहुत से दिए भी गए, पर वह सब ऊंट के मुंह में जीरा है। ऐसी दुखद घटनाएं बार-बार सुनने को मिलती हैं कि लोग सडक पर सोये थे और तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। बड़े महानगरों में जहां फुटपाथ पर सोने वालों की संख्या भी बहुत ज्यादा है, ऐसी घटनाएं अधिक होती हैं। मुंबई से लेकर पंजाब तक यदा-कदा ऐसे दुखद, पर देश के विकास पर तीखा प्रश्नचिन्ह उठाने वाले समाचार मिलते हैं। बड़े-बड़े दावे ये सरकारें करती हैं कि रैनबसेरे बनाए गए। गरीबों को सोने के लिए जगह दी गई, पर जगह वहां मिलती है जहां कभी भी कहीं भी मौत झपटकर उन्हें ले जाती है। श्रम विभाग और मानव अधिकार आयोग भी नहीं देखता कि जहां ये मजदूर काम करते हैं वहां इनको मानव के योग्य स्थान और वातावरण दिया जाता है या नहीं। सडकों पर गरीबों के किसी न किसी वाहन से कुचले जाने की घटनाएं देश में सुनने को मिलती हैं। हरियाणा के हिसार के एक फुटपाथ पर सोये हुए मजदूर कार द्वारा कुचले गए। पांच की मौत हो गई। कुछ घायल हो गए। दिल्ली में भी फुटपाथ पर सोये लोगों की वाहनों से कुचलकर मौत के समाचार आ चुके हैं। मुंबई में तो ऐसा संभवतः कई बार हुआ होगा, लेकिन जब कार चालक कोई विशिष्ट अभिनेता या नेता हो तो उन बेचारों को न्याय भी नहीं मिल पाता जो बिना छत और बिना कंबल के सडकों पर सोने को मजबूर हो गए। खन्ना में अबोध बच्चों के कार द्वारा कुचले जाने के बाद यह प्रतीक्षा रही कि कोई टीवी चैनल या कलम का धनी इन बच्चों की बिलखती मां की पीड़ा देश और देश के शासकों तक पहुंचाएगा, पर ऐसा नहीं हुआ। जो मजदूर सडकों पर कुचले जाते हैं या जो बच्चे भूखे मर जाते हैं जैसा कि देश के कई भागों से समाचार आते हैं, उनका अधिक विवरण इसलिए नहीं मिलता क्योंकि वे वोट बैंक नहीं। दूसरे प्रांतों से आकर यह हमारे पुल बनाते हैं, सडकें चमकाते हैं, विकास की गति को आगे बढ़ाते हैं, पर उनका विकास तो किसी का दायित्व नहीं।

## संक्षिप्त खबरें

### जिला स्तरीय फरोग-ए-उर्दू कार्यशाला, सेमिनार व मुशायरा का आयोजन

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला स्तरीय फरोग-ए-उर्दू कार्यशाला, सेमिनार व मुशायरा का आयोजन जिला प्रेक्षा गृह, रमना मैदान, बेतिया में पूर्वाह्न में होना है। प्रभारी पदाधिकारी, जिला उर्दू भाषा कोषांग ने बताया कि यह कार्यक्रम मंत्रिमण्डल सचिवालय विभाग उर्दू निदेशालय, बिहार, पटना के सौजनय से किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु सभी तैयारियां जोर शोर से चल रही है।उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में विशेष सचिव-सह-निदेशक, मंत्रिमण्डल सचिवालय विभाग उर्दू निदेशालय, बिहार, पटना विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे तथा कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया के द्वारा किया जाना है।

### कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष समेत नौ ने अध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन

प्रातः किरण, संवाददाता

इसुआपुर । प्रखंड में हो रहे पैक्स चुनाव के नामांकन के प्रथम दिन पैक्स अध्यक्ष पद के लिए नामजदगी के पर्चे भरे। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के लिए लोगों ने नामांकन किया। अध्यक्ष पद के लिए आता नगर पंचायत से पूर्व मुखिया विजय कुमार सिंह, केरवा पंचायत से निवर्तमान पैक्स अधक्ष के पति सुरेंद्र कुमार सिंह तथा जगदीश राय, जयथर पंचायत से निवर्तमान पैक्स अधक्ष लालबाबू राय, लौंवा पंचायत से निवर्तमान परीक्षा पैक्स राजेश कुमार राय छपिया पंचायत से निवर्तमान पैक्स अधक्ष मणिकांत कुमार यादव तथा पूर्व पैक्स अध्यक्ष हरीकिशोर राय, इसुआपुर पंचायत से निवर्तमान पैक्स अधक्ष जितेंद्र सिंह, रामपुर अटौली पंचायत से कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष संत कुमार सिंह ने नामजदगी पर्चे भरे।

### नौरंगिया पुलिस ने पेट्रोल गैलन में छुपाकर शराब तस्करी कर रहे तस्कर को धर दबोचा

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा पुलिस जिला स्थित नौरंगिया थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है।एक शराब तस्कर को पेट्रोल गैलन में छुपाकर तस्करी कर रहे तस्कर को शराब के विरुद्ध जांच के दौरान यूपी बिहार सीमा पर धर दबोचा। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि एएसआई धर्मेंद्र कुमार अन्य पुलिस कर्मियों के साथ शराब के विरुद्ध छापेमारी के लिए गश्ती पर निकले थे।इसी क्रम में मदनपुर हनुमानगढ़ी रेलवे ढाला के समीप वाहनों की जांच की जा रही थी ।तभी यूपी पनियहवा के तरफ से एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर पेट्रोल गैलन लेकर आता हुआ दिखा लेकिन पुलिस को देखकर वापस मुड़कर भागने की कोशिश करने लगा। लेकिन साथ के बलकर्मी के सहयोग से उसे पकड़ लिया।जांच और पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने बताया कि वह चौतरवा बेरियरवा का निवासी है और उसका नाम संजय है। उसके पास से पेट्रोल गैलन में से अंग्रेजी शराब रॉयल स्टेग,इंडियन ग्लेन व्हिस्की,ब्लेंडरप्राइड के बोतलों में बरामद 30 लीटर शराब किया गया। श्री अजय ने आगे बताया कि मोटरसाइकिल और शराब को जप्त करते हुए तस्कर संजय को जेल भेज दिया गया है।

### महिला स्वाभिमान बटालियन कैम्प्स से मगरमच्छ का रेस्क्यू

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा।वाल्मीकिनगर स्थित महिला स्वाभिमान बटालियन परिसर से मगरमच्छ का वनकर्मियों के द्वारा रेस्क्यू किया गया । स्वाभिमान बटालियन के कर्मी रमेश कुमार ने बताया कि कैम्प्स में भवन निर्माण कार्य चल रहा है जिसमे कई मजदूर कार्य मे लगे हुए हैं इन्ही मजदूरों की नजर चहलकदमी करते मगरमच्छ पर पड़ी।

करीब दिन के 2 बजे का समय था जब मगरमच्छ मो रेंगते हुए देखा गया।हालांकि मगरमच्छ ज्यादा व्यस्क नहीं था।वनकर्मियों को इसकी जानकारी दी गई। वनकर्मियों ने मगरमच्छ का रेस्क्यू किया और साथ लेते गए। बतादूँ की महिला स्वाभिमान बटालियन का हेडक्वॉर्टर के लिए भवन निर्माण कार्य चल रहा है।इसके चारों तरफ बॉउंड्रीवाल का घेरा है इसके बावजूद परिसर में मगरमच्छ का निकल आना आश्चर्यजनक है क्योंकि परिसर के अंदर आने के लिए मात्र एक प्रवेश द्वार है।

# 70 साल से अधिक के सभी बुजुर्गो को आयुष्मान वय वंदना कार्ड का मिलेगा लाभ:गरिमा

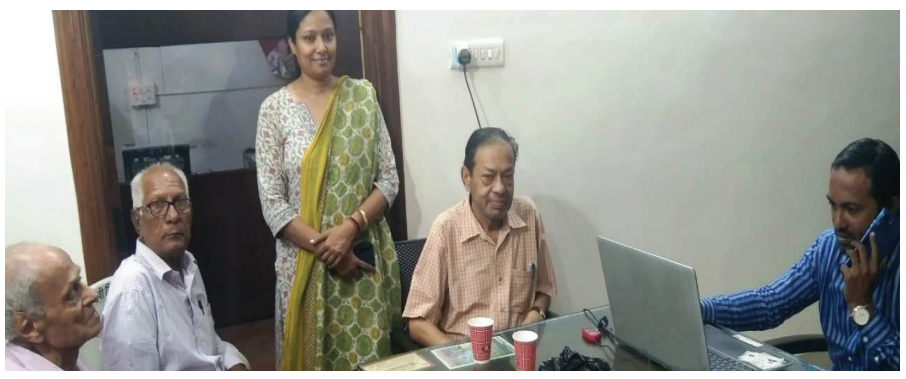

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया।संपूर्ण नगर निगम क्षेत्र के बुजुर्ग जन के लिए वार्ड 17 के ऐतिहासिक हजारीमल धर्मशाला परिसर महापौर गरिमा देवी सिकारिया और उनके नगर पार्षद पति रोहित कुमार सिकारिया के सौजन्य से शिविर आयोजित कर आयुष्मान भारत अभियान के प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का कार्ड बनाने की फोटो ग्राफ लिया जा रहा है। इस मौके पर बुधवार को विशेष रूप में मौजूद नगर निगम महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पिछले माह संपन्न महर्षि धन्वंतरि जयंती और 9 वें आयुर्वेद दिवस के मौके पर 70 साल और उससे अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों के लिए इस योजना के रूप में एक खास तोहफा दिया है।आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सभी जाति, वर्ग संप्रदाय के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा कवर देने की शुरूआत की गई है। श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इस विशेष योजना के तहत 70 साल या उससे अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को पांच लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा।चाहे उनकी आमदनी कुछ भी क्यों न हो। उन्होंने कहा कि इस विशेष योजना के तहत हमारे प्रधानमंत्री जी ने समाज के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा कवर देने की शुरूआत की है। इस योजना के तहत 70 साल या उससे अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को पांच लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इस योजना के माध्यम से सरकार का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सुलभ और किफायती बनाना है।मीडिया रिपोर्ट के हवाले से महापौर ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार के आयुष्मान भारत अभियान के तहत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरूआत की है।

यह योजना सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करती है। पांच लाख तक के मुफ्त इलाज के साथ यह योजना हमारे बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवा में एक नया मानक स्थापित करेगी।

इस योजना के तहत सभी वर्ग के बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड दिया जाएगा। यह योजना एक मील का पत्थर साबित होगी। घर में अगर किसी बुजुर्ग के पास आयुष्मान वय वंदना कार्ड होगा तो परिवार का चिकित्सा खर्च भी कम होगा और लाभुक बुजुर्ग की चिंता भी घटेगी।

# मढ़ौरामेंजदयूकीप्रखंडस्तरीयकार्यकारिणी एवम पंचायत अध्यक्षों की बैठक संपन्न

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिला के मढ़ौरा प्रखंड मुख्यालय के धेनुकी चौक जदयू कार्यालय पर जदयू द्वारा प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय प्रखण्ड कार्यकारिणी,पंचायत अध्यक्षों की समीक्षा बैठक आहूत की गई बैठक की अध्यक्षता जदयू मढ़ौरा प्रखण्ड अध्यक्ष गामा सिंह ने की,मंच संचालन जिला सचिव विरेंद्र गिरी ने की जिस में प्रखंड और पंचायत स्तर के जदयू कार्यकताओं, पंचायत अध्यक्षों और बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यक्रता ने भाग लिया.

प्रदेश महासचिव सह सारण प्रमंडल प्रभारी रणविजय कुमार ने कहा कि प्रखण्ड कार्यकारिणी एवम पंचायत अध्यक्षों की बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करना था आगे कहा कि कार्यकताओं से संगठन की गतिविधियों को तेज करने और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया

जदयू जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू ने कहा की प्रखंड और पंचायत स्तर पर पार्टी को और सुदृढ़ किया जाएगा ताकि सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को लोगों तक सही ढंग से पहुंचाया जा सके मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी समाज के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलाए जा रहे हैं जिस से आम अवाम को लाभावंतित हो रहे है

प्रदेश से नियुक्त मढ़ौरा विधानसभा प्रभारी इंद्रदेव पटेल ने कार्यकर्ता के द्वारा सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और जल्द से जल्द समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा जनता के हित में काम करती रही है और समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास होगा मदन कुशवाहा ,प्रदेश तकनीकी प्रकोष्ठ के निवर्तमान महासचिव सुधाकर भारद्वाज,भोला सिंह ,महेश सिंह ,संजय सिंह, पशुपतिनाथ पटेल,कुसुम देवी,इम्तियाज परवेज, ई0 प्रभास शंकर, दिवाकर चौबे,शकीला बानो,रचना देवी,ललितेश्वर प्रसाद ,मेराज आलम,सोनू आलम ,जाहिर हुसैन,धनंजय सिंह तौसीफ आलम ,रेयाजुद्दीन मंसूरी,राकेश भारती,वार्ड पार्षद गोलू सिंह,मुन्ना आलम,अनिल कुमार,साहेब राय,गणेश साह ,सुभनारायण सिंह, रामबाबू सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

# किलकारी भवन सारण द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिला स्थित शिक्षा परियोजना द्वारा संचालित किलकारी भवन सारण के तत्वावधान में बाल दिवस के अवसर पर प्रभात फेरी निकाली गई यह प्रभात फेरी सुबह में राजकीय कन्या उच्च विद्यालय परिशर स्थित किलकारी भवन से 8:00 बजे निकल गई प्रभात फेरी डीएफओ कार्यालय से होते हुए सदर अस्पताल और संकर दयाल सिंह कॉलेज से भ्रमण करते हुए पुनः किलकारी भवन में आकर कार्यक्रम का समापन किया गया। किलकारी भवन के संचालिका मीरा कुमारी ने बताया कि बाल दिवस के अवसर पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया था जिसमें किलकारी भवन में नृत्य ,संगीत ,खेल, कराते ,लेखन के कार्यक्रम को आयोजित कराया जाता है ,उसी के बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी के दौरान झांसी की रानी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद की भूमिका में बच्चों ने अपने-अपने प्रतिभा का परिचय दिया ।प्रभात फेरी के अवसर पर किलकारी भवन के कर्मी अखिल राज ,प्रकाश कुमार ,निखिल कुमार प्रमोद कुमार यादव ,मोहम्मद आरिफ ,विष्णु कुमार मौजूद थे। पूरे कार्यक्रम का संचालन मीरा कुमारी कार्यक्रम समन्वयक और स्नेहा कुमारी द्वारा किया जा रहा था।

# तीन दिवसीय वार्षिक शैक्षणिक परिभ्रमण के लिए रवाना हुए बच्चे

प्रात : किरण, संवाददाता

एकमा । ज्योति सेंट्रल हाई स्कूल के बच्चों का वार्षिक शैक्षणिक भ्रमण तीन दिवसीय यात्रा का हरी झंडी दिखा कर हुई शुरूआत। इस यात्रा का उद्देश्य किताबी ज्ञान को हकीकत की जमीन पर देखने के लिए स्कूल के होनहार बच्चों की टीम को स्कूल के चेयरमैन डॉ एस कुमार और स्कूल के प्रचार्य मनु कुमार गिरी द्वारा संयुक्त रूप से बस को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस तीन दिवसीय पर्यटन के माध्यम से छात्र-छात्राओं को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर सिवान जिले,जीरादेई,कि धरती व भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद का गांव व घर का भ्रमण के साथ वैशाली जिले का परिभ्रमण कराया जाएगा और उसके इतिहास के बारे में बताया जाएगा। ज्योती सेंट्रल हाई स्कूल के बच्चों से भरी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए डायरेक्टर डॉ एस कुमार ने कहा कि देश के ऐतिहासिक धरोहरों का बोध कराने के लिए बच्चों को इस ऐतिहासिक स्थल पर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि किताबी ज्ञान से अलग यदि एक बार ऐतिहासिक स्थलों को देख लिया जाए तो उससे मिली जानकारी अमिट हो जाती है।शैक्षिक भ्रमण से लौटने के बाद बच्चों में जो जिज्ञासा और आत्मविश्वास का भाव पैदा लेता है, वह उनकी आगे की पढ़ाई के लिए लाभकारी होगा। इससे बच्चों में सीखने का एक नया दृष्टिकोण विकसित होगा। स्कूल के प्रधानचार्य ने बताया कि छात्रों की टीम पहले कुशीनगर फिर जीरादेई उसके बाद वैशाली का भ्रमण करेगी। टीम के साथ एस एन सिंह,अनुराम सिंह,अभिषेक सिंह,अजय सिंह,अमरनाथ मिश्र, अनिल सिंह,रश्मि किशोर,प्रीति तिवारी, नूतन सिंह,ज्योती कुमारी, शिवा कुमारी,मन्जेश उपाध्याय,धुरेन्द्र पाण्डेय,एवं रंजय सिंह आदि उपस्थित थे

## राष्ट्रीय गुणवत्ता आवश्वासन मानक के राज्यस्तीरय रैंकिंग में मासूमगंज शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को मिला पहला स्थान

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा। उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने वाले छपरा के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मासूमगंज बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय गुणवत्ता आवश्वासन मानक के राज्य स्तरीय रैंकिंग में पूरे राज्य में टॉप किया है। यूपीएचसी मासूमगंज को पूरे राज्य में सबसे अधिक 92.80 प्रतिशत अंक मिला है। इसके साथ हीं यह स्वास्थ्य केंद्र अब राष्ट्रीय गुणवत्ता आवश्वासन मानक के तहत राज्य स्तर से सर्टिफाइड हो गया। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नेशनल क्वालिटी एसुरेंस स्टैंडर्ड सर्टिफिकेशन के लिए अस्पतालों का 12 मानकों पर मूल्यांकन किया जाता है। जिसके अंतर्गत मरीज संतुष्टि,संक्रमण नियंत्रण, क्लिनिकल सर्विसेस,सेवा प्रदायगी,सपोर्ट सर्विसेस, इनपुट, गुणवत्तापूर्ण प्रबंध, आउटपुट जैसे मानकों का मूल्यांकन किया जाता है। जो इन सभी मूल्यांकन पर पास होता है उसे ही एनक्वास का सर्टिफिकेट दिया जाता है। यूपीएचसी मासूमगंज की सफलता एक टीम प्रयास का परिणाम है। स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की मेहनत और समर्पण ने इसे इस मानक को प्राप्त करने में सक्षम बनाया।

### इन बिन्दुओं पर किया गया था मूल्यांकन:

जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम अरविन्द कुमार ने बताया कि ह्वयह हमारे लिए गर्व का क्षण है। इस मान्यता ने हमें यह साबित करने का अवसर दिया कि हमारे स्वास्थ्य सेवाएं उच्चतम मानकों पर खरा उतरती हैं। हम आने वाले समय में भी गुणवत्ता को बनाए रखते हुए मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।ह्व शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मासूमगंज में जनरल क्लीनिक, मेटरनल हेल्थ, न्यू बॉर्न एंड चाइल्ड हेल्थ, टीकाकरण, फैमिली प्लानिंग, संचारी रोग, गैर संचारी रोग, आउटरीच, फामेर्सी, लैबोरेट्री, ड्रेसिंग रूम और इमरजेंसी, जेनरल एडमिनिस्ट्रेशन, वेस्ट मैनेजमेंट, फायर सेफ्टी, इलेक्ट्रिसिटी लोड असेसमेंट किया गया था।

### टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम हैं 92.80 प्रतिशत अंक:

डीपीसी रमेशचंद्र कुमार ने कहा कि यूपीएचसी मासूमगंज को मिले 92.80 प्रतिशत अंक स्वास्थ्य केंद्र की टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम हैं। यहां मरीजों को इलाज से लेकर इलाज के बाद की देखभाल तक हर सेवा में उच्चतम मानकों का पालन किया जाता है। केंद्र में रोगी सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण, चिकित्सीय गुणवत्ता, और मरीजों के लिए उपलब्ध सहायक सेवाओं के सभी मानक पूरी तरह से परखे गए और पास हुए हैं। इसके अलावा, यहां अस्पताल की स्वच्छता, अस्पताल में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की गुणवत्ता और चिकित्सा उपकरणों की कार्यक्षमता भी सुनिश्चित की जाती है।

### इन पदाधिकारियों और कर्मियों का योगदान रहा महत्वपूर्ण

छपरा के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मासूमगंज को राष्ट्रीय गुणवत्ता आवश्वासन मानक के तहत प्रमाणीकरण कराने में आरपीएम प्रशांत कुमार, जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम अरविन्द कुमार, डीपीसी रमेशचंद्र कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एचएन प्रसाद, सभी स्टाफ नर्स, स्वास्थ्यकर्मी, सहयोगी संस्था के प्रतिनिधियों का योगदान काफी महत्वपूर्ण रहा है। सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार स्वास्थ्य कर्मियों के कंधों पर गुणवत्ता के उच्च मानकों को बनाए रखने और लोगों के लिए सेवाओं में सुधार करने की अधिक जिम्मेदारी लाएगा। उन्होंने कहा कि इस कदम से कर्मचारियों के कौशल में सुधार होगा, जिससे बेहतर मानकों पर रोगी देखभाल सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। अब यूपीएचसी मासूमगंज को नेशनल सर्टिफिकेशन के लिए आवेदन किया जाएगा।

# आदिशक्ति के मंदिर में माथा टेकने पहुंचे सांसद अमन चैन के लिए किया कामना

प्रात : किरण, संवाददाता

एकमा । प्रखंड के सीमावर्ती खानपुर गांव में प्राचीन आदिशक्ति मां जगदंबा मंदिर के प्रांगण में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एकादशी गंगा स्नान के अवसर पर 24 घंटे का अखंड अष्टयाम का आयोजन हुआ। जहां हरे राम हरे कृष्णा की जाप से भक्ति में हुई माहौल वेदाचार्य संजीत ओझा सुनील तिवारी ललन तिवारी भृगु ओझा राम नारायण बाबा जी के द्वारा पूजा पाठ व हवन से निकल रही धुएं से मन मुग्ध हुई भक्त वही अखंड अष्टयाम के दौरान पहुंचे महाराजगंज के लोकप्रिय सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल व कांग्रेस नेता नरेंद्र प्रताप मिश्रा ने आदि शक्ति माता के मंदिर में पूजा अर्चना कर माथा टेका साथ ही क्षेत्र में अमन चैन सुख शांति समृद्धि के लिए कामना किया। अखंड अष्टयाम के समापन के अवसर पर उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से पधारे यश पांडेय द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां श्रोता झूमने व तालियां बजाने पर विवश हो गए । इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नागेंद्र मिश्रा उर्फ पंडित बाबा जितेंद्र मिश्रा गुड्डू ओझा सुरेंद्र तिवारी राजकुमार मिश्रा संतोष मिश्रा अनु मिश्रा आदि शामिल थे ।

# गंडक नदी में पुराने पूल के पाये से टकराकर नाव पलटी, रेस्क्यू में एसडीआरएफ की टीम लगी

प्रात : किरण, संवाददाता

बगहा।बगहा स्थित गंडक नदी में नाव हादसा से हाहाकार मचा है । दरअसल घने कोहरा के कारण पुराने पुल के पाए से नाव की टक्कर हों गई, कुहासा के चलते दिखाई नहीं देने के दौरान पुराने पाया से टकरा कर नाव पलट गई । बताया जा रहा है की पटखौली थाना क्षेत्र के वार्ड नं 8 कैलाशनगर स्थित नारायणापुर घाट पर नाव दुर्घटना हुई है जहां नाव पर कई लोग सवार होकर खेती किसानी के लिए गंडक नदी पार दियारा की ओर जाने के दौरान यह हादसा हुआ है। हालांकि स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से नाव समेत नदी में डूबे लोगों की तलाश शुरू कर दीं गई है। वहीं बगहा 2 सीओ भी दल बल के साथ मौके पर पहुँचे हैं जबकि एसडीआरएफ कों भी सूचित किया गया है। इधर कुछ लोग नदी में तैर कर अपनी जान बचाक▮ सुरक्षित बाहर निकल आये हैं जबकि कुछ अन्य लोग अभी भी लापता हैं । अब लोग कुहासे के बीच नीजी नावों के परिचालन पर लोग लगाने की मांग कर रहें हैं क्योंकि कोहरे के कारण विजिब्लिटी नहीं होनें से हादसे हों रहें हैं ।

# अवैध बालू ले जा रहे तीन ट्रक जब्त,चालक गिरफ्तार

प्रात : किरण, संवाददाता

परसा।सारण की बड़ी कार्रवाई अवैध रूप से बालू खनन के विरुद्ध कार्रवाई परसा पुलिस ने परसा हाई स्कूल चौक पर अभियान चलाकर अवैध रूप से बालू ले जा रहे तीन ट्रक को किया जप्त चालक को भी किया गिरफ्तार.गिरफ्तार चालको में सारण जिला के डोरीगंज थाना क्षेत्र के सिन्ही गाव निवासी जयप्रकाश राय का पुत्र संजय कुमार,गणेश राय का पुत्र बलिस्टर कुमार सुनील राय का पुत्र प्रदीप कुमार बताया जाता है. इस संबंध में थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि अगर यह पदाधिकारी के निर्देश पर अवैध खनन के विरुद्ध अभियान चलाया गया. इसी क्रम में अवैध रूप से पिला बालू ले जा रहे. तीन ट्रक को जप्त करते हुए चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद खनन पदाधिकारी द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है.दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि तीनों ट्रक पर लगभग 2265 फिट पीला बालू लोड था.खनन पदाधिकारी अंजनी कुमार द्वारा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए लगभग 24 लाख रुपये का फाइन किया गया है.

## राज्य स्तरीय विधालय अंडर –17 बालक वर्ग हैंडबॉल प्रतियोगिता में दूसरे दिन खिलाड़ियों ने दिखाया दम

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना एवं जिला प्रशासन सारण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के दुसरे दिन लीग मैच में विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

जिसमें नवादा , पटना, सारण ,एकलव्य, मुजफ्फरपुर ,बेगूसराय ,नालंदा, जहानाबाद अपनी -अपनी मैच जीती।। सुबह 7:00 से शुरू हुए मैच में कई महत्वपूर्ण खेल से जुड़े हुए लोगों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जिला खेल पदाधिकारी मोहम्मद शमीम अंसारी के देखरेख में संचालित प्रतियोगिता के पहले मैच में सारण जिला हैंडबॉल के सचिव- सह प्रतियोगिता के तकनीकी संयोजक संजय कुमार सिंह तथा राज्य से आए तकनीकी पदाधिकारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच प्रारंभ कराया ।

इसके बाद संपन्न मैच में रोटरी क्लब सारण के पंकज कुमार , राजन यादव, रमेश कुमार सिंह कोच जयप्रकाश विश्वविद्यालय , क्रिकेट संयोजक सुनील कुमार सिंह, योगा संघ सचिव यशपाल सिंह, कबड्डी संघ सचिव पंकज कश्यप, वॉलीबॉल संयोजक किशोर कुणाल ,अवधेश कुमार राय, सुजित कुमार,पंकज कुमार चौहान ,मृत्युंजय कुमार सिंह, नीलाभ गुंजन , रूपनारायण ,अमित गिरि , विनय पंडित, पिंकी कुमारी, राकेश कुमार सिंह, कुंदन, खुर्शीद आलम,आदि उपस्थित रहे

# फाइलेरिया उन्मूलन: जिले में शीघ्र होगा नाइट ब्लड सर्वे

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।पश्चिमी चंपारण जिले में फाइलेरिया के संभावित मरीजों की पहचान करने को लेकर विभागीय स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई है। सभी 18 प्रखंडों के चिह्नित साइटों का डाटा तैयार किया जा रहा है, नाइट ब्लड सर्वे अभियान को संचालित करने के पूर्व जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेज बेतिया में लैब टेक्निशियन का प्रशिक्षण कराया जा चुका है। इस सम्बन्ध में जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा ने बताया कि चयनित प्रखंडों में एक स्थाई एवं एक अस्थाई साइट का चयन करते हुये प्रत्येक साइट से 300 स्लाइड का संग्रहण करना है। नाइट ब्लड सर्वे कार्यक्रम के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक साइट पर अलग अलग दलों का गठन किया जाना है। उन्होंने बताया कि

जाँच स्थल पर बीसीएम/बीएचएम, सीएचओ/जीएनएम, भीबीडीएस, कैंप इंचार्ज एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहेंगे। साथ ही संबंधित क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता/आँगनवाड़ी, सेविका मोबिलाइजर के रूप में कार्य करेंगी। जल्द ही जिले में नाईट ब्लड सर्वे कार्यक्रम की शुरूआत होगी।

### फाइलेरिया के लक्षण

. कई दिन तक रुक-रुक कर बुखार आना
. शरीर में दर्द एवं लिम्फ नोड (लसिका ग्रंथियों) में सूजन।
. हाथ, पैरों में सूजन (हाथी पांव) एवं पुरुषों के अंडकोष में सूजन (हाइड्रोसिल)।
. महिलाओं के ब्रेस्ट में सूजन, पहले दिन में पैरों में सूजन रहती है और रात में आराम करने पर कम हो जाती है।
. संक्रमित व्यक्ति में बीमारी के लक्षण पांच से 15 साल तक में दिख सकते हैं।

### रात के 08 से 12 बजे तक लिए जाते हैं रक्त के नमूने:

जिले के भीबीडीएस प्रकाश कुमार ने बताया कि इस अभियान में रक्त के नमूने रात 8 से 12 बजे तक लिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि रात में सैंपल लेने का मुख्य कारण है कि इस समय शरीर में फाइलेरिया के परजीवी ज्यादा एक्टिव रहते हैं। ब्लड सैंपल कलेक्शन के बाद 24 घंटे के अन्दर स्टैनिंग की प्रक्रिया को करा लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जाँच के दौरान माइक्रो फाइलेरिया दर 1 प्रतिशत या अधिक होने पर सर्वजन दवा सेवन अभियान की शुरूआत की जाएगी। जिसमें 2 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को अल्बेंडाजोल एवं डीईसी की गोली आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में खिलाई जाएगी।

### गन्ने की खेत में दिखा विशालकाय मगरमच्छ

प्रात : किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा के चौतरवा थाना क्षेत्र के रिहायशी इलाके में विशालकाय मगरमच्छ निकलने से अफरा तफरी मच गईं, ग्रामीणों के हल्ला हंगामा पर मगरमच्छ गन्ने की खेत में जाकर छिप गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना फौरन चौतरवा थाना पुलिस को दी, सूचना मिलते ही चौतरवा थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने वन विभाग को खबर दिया और पुलिस बल को मौके पर भेजा, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो । सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुँचकर घंटो की मशक्कत के बाद मगरमच्छ कों बमुश्किल रेस्क्यू किया गया। वनकर्मियों की रेस्क्यू करने आई टीम ने बताया कि इस विशालकाय मगरमच्छ का सफलता पूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया है। जिसे धनहा स्थित गौतम बुद्ध सेतु पर गंडक नदी में छोड़ दिया जाएगा ।

# तिलौथू के विद्यार्थियों को इसरो से मिलेगा अंतरिक्ष विज्ञान का विशेष प्रशिक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

तिलौथू(रोहतास) : रोहतास जिले के तिलौथू स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित अंतरिक्ष यान सम्मेलन में इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने एक ऐतिहासिक निर्णय की ओर कदम बढ़ाया है। सम्मेलन के दौरान इस विद्यालय के विद्यार्थियों ने विज्ञान कला प्रदर्शनी में अपनी रचनात्मकता और विज्ञान के प्रति गहरी समझ का ऐसा प्रदर्शन किया कि इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने उनमें अंतरिक्ष विज्ञान का विशेष प्रशिक्षण देने की योजना बनाई है। इस योजना के तहत विद्यालय के 20 चुनिंदा विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान में गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे इसरो के भविष्य की परियोजनाओं में योगदान देने के योग्य बन सकें।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि बिहार विधान परिषद के सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह, इसरो के अहमदाबाद केंद्र के निदेशक और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. निलेश एम देसाई, और इसरो के प्रमुख वैज्ञानिक दीपक कुमार सिंह थे। दीपक कुमार सिंह, जो कि बिहार के औरंगाबाद जिले के समहुता गांव के निवासी हैं, ने इस अवसर पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उन्हें विज्ञान तथा अंतरिक्ष के प्रति प्रेरित किया। दीपक सिंह वर्तमान में अहमदाबाद में इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र में कार्यरत हैं और गगनयान मिशन के लिए ह्यूमन स्पेसफ्लाइट ग्रुप में योगदान दे रहे हैं। उनके नेतृत्व में इसरो में 2.5 मीटर ग्राउंड एंटीना सिस्टम का पहला स्वदेशी विकास हुआ, जिसके लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

इसरो की इस पहल का उद्देश्य छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि को बढ़ावा देना और उन्हें एक सुनहरा भविष्य प्रदान करना है। प्रशिक्षण के दौरान इन विद्यार्थियों को अंतरिक्ष यान निर्माण की बारीकियां सिखाई जाएंगी, जिसमें वे यान को लॉन्च के लिए तैयार करने की प्रक्रिया से लेकर मिशन की हर तकनीकी जानकारी को समझेंगे। इसरो का यह कदम बिहार के लिए गर्व का विषय है और राज्य में विज्ञान तथा तकनीकी शिक्षा को नए आयाम प्रदान करेगा।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मैकू राम ने बताया कि इसरो की यह पहल न केवल विद्यालय का गौरव बढ़ाएगी, बल्कि छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान में करियर बनाने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने इस पहल को पूरे राज्य और देश में विज्ञान के प्रति जागरूकता और जोश पैदा करने का एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

यह विशेष प्रशिक्षण बिहार के छात्रों को यह विश्वास दिलाता है कि वे भी अंतरिक्ष विज्ञान में अपनी पहचान बना सकते हैं और देश को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

# वोटिंग के दौरान तरारी में दो गुट भिड़े, 6 घायल

## बूथ पर मारपीट नहीं हुई है, गांव में हुआ था विवादःएसपी

प्रातः किरण संवाददाता

आरा : बिहार की चार विधानसभा सीटों तरारी, बेलागंज, इमामगंज और रामगढ़ में उपचुनाव के लिए वोटिंग जारी है। मतदान के बीच तरारी में वोटिंग को लेकर दो पक्षों के बीच झड़प हो गई।इसमें एक युवक का सिर फट गया। वहीं दूसरे पक्ष के लोगों को भी चोट आई है। बिहटा पंचायत के धर्मपुरा गांव की बूथ संख्या 223 पर एक पार्टी को वोट देने को लेकर विवाद हुआ है।

वहीं भोजपुर एसपी ने बताया कि बूथ पर मारपीट नहीं हुई है। गांव में विवाद हुआ था। वोटिंग में कोई समस्या नहीं है। सब कुछ नोर्मल है।

बताया जा रहा है कि एक विशेष पार्टी को वोट देने को लेकर विवाद हुआ है। फिलहाल इस घटना की जानकारी मिलते ही पीरो के रऊढड कृष्ण कुमार सिंह समेत कई थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंची।

पीरो के एसडीपीओ कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। हिंसक झड़प में घायल हुए शख्स को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इस घटना के बाद गांव में काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही, जिसको लेकर वोटिंग भी कुछ देर तक प्रभावित हुआ है।

# पैक्स नामांकन के पहले दीन अध्यक्ष पद के लिए दस प्रत्याशियों ने भरा पर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

संझौली(रोहतास)। प्रखंड के सभागार में पैक्स नामांकन के पहले दिन बुधवार को पैक्स अध्यक्ष पद के कुल दस प्रत्याशियों तथा कई प्रबंध कार्यकारिणी सदस्यों ने अपना नामांकन दाखिल किया। पैक्स अध्यक्ष पद के लिए मझौली पंचायत से दिनेश सिंह, अनिल सिंह, केशरी सिंह, अशोक कुमार सिंह, संझौली पंचायत से धर्मेंद्र सिंह, अमैठी पांचयत से अनिल सिंह, मुखदेव सिंह, चांदी इंग्लिस पंचायत से बिजय कुमार राय, विनय कुमार राय व बादल सिंह द्वारा नामांकन का पर्चा भरा

गया। वहीं नामांकन को लेकर प्रखंड कार्यालय के मुख्य गेट पर सुबह से ही समर्थकों की भीड़ लगनी शुरू हो गयी। ज्यों-ज्यों समय चढ़ता गया, समर्थकों की भीड़ बढ़ती गयी। वहीं नामांकन को लेकर सभी उम्मीदवार सैकड़ों समर्थकों के साथ नामांकन स्थल पर पहुंचे। जहां हर पंचायत के लगे अलग-अलग काउंटर में जाकर प्रत्याशियों ने अपना पर्चा जमा किया।

उसके बाद नामांकन कर वापस बाहर आने पर पहले से अपने नेता का इंतजार कर रहे समर्थकों द्वारा फूल-माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। वहीं समर्थकों का अपने नेता के समर्थन में जयकारे से उनका जोश सातवें आसमान पर था।

वहीं नामांकन को लेकर प्रसाशनिक रूप से भी पुख्ता इंतजाम किया गया था, जहां नामांकन काउंटर पर अभ्यर्थी के अलावा उनके प्रस्तावकों को ही जाने की अनुमति दी जा रही थी। इसके अलावा नामांकन काउंटर पर भी बैरिकेटिंग किया गया था।

समर्थकों की उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल के जवान मुस्तैद थे।

# द्वितीय चरण के पैक्स चुनाव का नामांकन हुआ प्रारंभ

## पहले दिन अध्यक्ष पद के लिए 22 तथा सदस्य के लिए 22 लोगों ने भरा नामांकन का पर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : बिक्रमगंज प्रखंड क्षेत्र में द्वितीय चरण में होने वाले पैक्स चुनाव का नामांकन बुधवार को प्रारंभ हो गया।

पहले दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच में विभिन्न पैक्सों के अध्यक्ष पद के लिए 22 तथा सदस्य पदों के लिए 22 लोगों ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया है। कक्ष में उम्मीदवार के अलावा प्रस्तावक और समर्थक को हीं प्रवेश करने की अनुमति था।

निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ अमित प्रताप सिंह ने बताया कि घोसिया खुर्द पंचायत से अध्यक्ष पद के लिए विवेक कुमार और उज्जवल कुमार मानपुर पैक्स से बबन पांडेय, मानी पैक्स से रमेश सिंह, सहाबुद्दीन अंसारी, उमा भाई पटेल, अशोक कुमार पासवान, कुमार मनीष देव नोनहर पैक्स से उपेंद्र सिंह और विजय कुमार पटेल खैरा भूधर पैक्स से सुनिल कुमार जमोड़ी पैक्स से कुमारी अंजना, मृत्युंजय सिंह, घनश्याम सिंह, अभिजीत कुमार सिंह तथा घनश्याम सिंह सिग्रीवाल, मोरोना पैक्स अमित कुमार मोहनी पैक्स से ओमप्रकाश सिंह, विनय कुमार मिश्रा, जोनु कुमार, सचिदा कुमार और आशा देवी ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया है। वहीं सदस्य पद के लिए मोहनी से 7 जमोड़ी से 2, नोनहर से 9 मानी से 4 लोगों ने पर्चा दाखिल किया।

## वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ कमला कांत शर्मा के निधन पर स्थानीय पार्टी कार्यालय शहीद भवन में किया गया शोकसभा का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा :भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के पूर्व उपाध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ कमला कांत शर्मा के निधन को लेकर भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम के नेतृत्व में स्थानीय पार्टी कार्यालय शहीद भवन,आरा में एक शोकसभा का आयोजन कर मृत आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन धारण किया गया। शोकसभा के उपरांत भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम ने दुख व्यक्त करते हुए बताया कि डॉ कमलाकांत शर्मा आजीवन कांग्रेस के समर्पित सिपाही रहे। पार्टी में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता हैं। उनके निधन से हम सभी कांग्रेसी अत्यंत मर्माहत और दुखी हैं।

शोकसभा में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अशोक राम, सत्यप्रकाश राय, घनश्याम उपाध्याय, अशोक यादव, रजी अहमद, डॉ अमित कुमार द्विवेदी, डॉ श्रीधर तिवारी, बीरेंद्र मिश्रा, बिजेंद्र यादव, भानु प्रताप सिंह उर्फ मुकुल, सूर्यप्रकाश, आनंद तिवारी, धनंजय सिंह सहित दर्जनों नेताओं वो कार्यकताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

## हॉकी के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पंकज रजक का भव्य स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

तिलौथू रोहतास ( इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के सौजन्य से भारतीय हॉकी टीम में खेलने वाले गोलकीपर पंकज रजक आज अपने पिता ददन रजक जी के साथ हजारीबाग से जन्मभूमि तिलौथू बहुत ही कम समय के लिए आए। आने की सूचना मिलते ही उनके प्रशंसक घर पर ही फूल माला लेकर स्वागत करने पहुंचे। समाजसेवी सत्यानंद कुमार, योगेंद्र कुशवाहा, सरैया पंचायत के मुखिया संजय चौधरी, उपमुखिया अमित कुमार गुप्ता, तिलौथू उपमुखिया अजित कुमार गुप्ता, राजू मारकोनी, अनिक कौशल सहित सैकड़ों प्रशंसक पंकज रजक से मिलने पहुंचे और उन्हें बधाई दी। फिलहाल पंकज 8 देश के साथ अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और अभी दिल्ली में प्रैक्टिस करते हैं। अपने नानी घर झारखंड के हजारीबाग में अपने माता-पिता के साथ रहते हैं। दिल्ली और रांची इनका प्रमुख प्रशिक्षण स्थल है। 2020 के विधानसभा चुनाव में रोहतास जिला निर्वाचन आयोग के चुनाव आइकॉन भी बने थे। बहुत जल्द एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और ओलंपिक खेलों में पंकज रजक दिखेंगे।

# यूपी बिहार सीमा ठाकराहां धाम में चतुर्मास महायज्ञ कुंड का आयोजन

- नेपाल व अयोध्या से आये 60 से अधिक महात्मा व संत लगातार चार माह से सीता राम जप कर रहे हैं

प्रातः किरण संवाददाता

बिहार । बिहार-यूपी सीमा पर अवस्थित ठकराहा धाम में विश्व कल्याण हेतु चातुर्मास महायज्ञ कुंड का आयोजन किया गया है, जहां अयोध्या और नेपाल समेत कई तीर्थ स्थलों से आए तकरीबन 60 से अधिक महात्मा व संत लगातार चार माह से सीता राम जप कर रहे हैं । बताया जा रहा है की 2 नवंबर से नारायणी नदी तट पर महायज्ञ किया जा रहा है जो कार्तिक पूर्णिमा यानी 15 नवंबर तक चलेगा । दावा किया जा रहा है की इस महायज्ञ से आत्म तृप्ति और आत्म शुद्धि होंगी।

मानव कल्याण के साथ साथ सामाजिक सद्भाव कायम रहेगा लिहाजा इसे बेहद खास माना जा रहा है क्योंकि इसके आयोजन से अगले 5 सालों तक इस इलाके में बम्पर पैदावार और सुःख समृद्धि के साथ हवन में भाग लेने वालों कों अकाल मृत्यु से निजात मिलेगा ।

महाआरती के दौरान पश्चिम चम्पारण के डीएम दिनेश राय के साथ बगहा एसपी, एसडीएम, और अन्य अधिकारियों ने महायज्ञ में सुरक्षा और श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया । जिलाधिकारी नें भी श्रद्धालुओं कों शुभकामनायें दीं है ।खास बात यह है की 13 दिवसीय इस महायज्ञ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है लिहाजा पर्याप्त पुलिस बल की भी तैनाती की गई है और 24 घंटे लगातार निशुल्क भंडारा चलाया जा रहा है । बता दें कि यह आयोजन सीता राम नाम जप महायज्ञ समिति द्वारा किया गया है जो कि श्री श्री 1008 श्री परम तपस्वी आत्माराम दास उर्फ नेपाली बाबा के संरक्षण में किया जा रहा है जो नेपाल से बिहार के ठकराहाँ धाम में विराजमान हैं ।

आयोजन समिति के अध्यक्ष और मुखिया विनय तिवारी ने बताया कि विश्व कल्याण के उद्देश्य से इस महायज्ञ का आयोजन किया गया है।

वहीं बाबा आत्मा राम दास ने बताया कि बिना महायज्ञ के विश्व की सुरक्षा और कल्याण संभव नहीं है । इसलिए 64 हवन कुंड और 208 नर्मदेश्वर पिंड स्थापित कर प्रतिदिन सीताराम नाम का जप कर हवन और आरती किया जा रहा है ।

## सम्मानित हुए समाजसेवी अरुण कुमार ,डॉ सच्चिदानंद को भारत रत्न देने की मांग

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पटना के लब्ध प्रतिष्ठित समाजसेवी अरुण कुमार को अंतरराष्ट्रीय कायस्थ वाहिनी द्वारा रविवार को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।उक्त सम्मान समारोह का आयोजन डॉ सच्चिदानंद सिन्हा की जयंती के अवसर पर पटना के शेखपुरा मोड़ स्थित विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में किया गया था। समाजसेवी अरुण कुमार को अंतरराष्ट्रीय कायस्थ वाहिनी के अध्यक्ष अभिजीत सिन्हा और अधिवक्ता सुनील कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया।

कार्यक्रम में विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक डॉ राजेश शर्मा, डॉ मनीष आनन्द, सुनील कुमार सिन्हा, सन्नी सिन्हा, अनुराग वर्मा, अभिजीत सिन्हा, अरुण कुमार, कौशल वर्मा एवं चित्रांश परिवार के सदस्यगण उपस्थित थे।कार्यक्रम में सभी लोगों ने एकमत के साथ सरकार से मांग किया है कि डॉ सच्चिदानंद सिन्हा को भारत रत्न दिया जाय।

## स्मार्ट प्रीपेड मीटर बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज(रोहतास) : नगर परिषद बिक्रमगंज अंतर्गत गुप्त सुचना के आधार पर कनीय विद्युत अभियंता बिक्रमगंज के नेतृत्व मे एक जाँच दल का गठन किया गया। जाँच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम मे पाया गया की ग्राम-महुली के अयोध्या राय के परिसर मे लगे स्मार्ट प्रीपेड मीटर से पहले तार मे कटिंग करके, एक अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए अवैध रुप से विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी। अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने से विभाग को 34400 रुपये की क्षति आकलित करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। उक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरुद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। कनीय विद्युत अभियंता बिक्रमगंज नवदीप गोयल के द्वारा आगे बताया गया की बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर बालाजी मैरिज हॉल के प्रो. गोविन्द सिंह पर 60682 रुपये राजस्व की क्षति लगायी गयी है। उक्त परिसर मे मीटर भी नहीं लगे हुए थे एवं बिजली सम्बंधित कागजात की मांग करने पर कोई कागजात भी प्रस्तुत नहीं की गयी। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है।

## युवक की मौत के बाद भड़के थे लोग, जाम लगाने पर 150 अज्ञात पर सीओ काराकाट ने एफआईआर कराया दर्ज

काराकाट(रोहतास)। काराकाट थाना क्षेत्र में 11 नवंबर को बिक्रमगंज-डेहरी मार्ग पर जोरावरपुर में हुए सड़क हादसे में उक्त गांव के यमुना शर्मा के 25 वर्षीय पुत्र रितेश कुमार शर्मा की मौत के बाद भड़के लोगों ने सड़क जाम लगाया था। जहां छह घंटे तक मुख्य मार्ग को बाधित कर पूरी तरह आवागमन ठप कर दिया गया था। मामले में 150 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। बताया गया की सीओ रितेश कुमार द्वारा जोरावरपुर मार्ग पर दो दिन पहले ट्रक से कुचलकर हुई युवक की मौत के बाद करीब छह घंटे तक रोड़ जाम किया गया था। अधिकारियों की लाख समझने बुझाने के बाद भी लोग सड़क को करीब छह घंटा तक बाधित रखा गया जिससे सड़क के दोनों तरफ गाड़ियों की लाबी कतारें लग गई थी। जिसके बाद सीओ द्वारा सरकारी काम में बाधा उत्पन्न करने को लेकर 150 अज्ञात लोगों पर प्राथमिक दर्ज कराने को लेकर थाने में आवेदन दिया गया है। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया की सीओ द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर सड़क जाम किए 150 अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। थानाध्यक्ष ने कहा की वीडियो व फोटो के आधार पर अज्ञात लोगों की भी पहचान की जा रही है।

## 24 नवंबर को इंस्पायरिंग इंडिया सम्मान से सम्मानित होंगे : रितेश

प्रातः किरण संवाददाता

तिलौथू(रोहतास) : मां तुतला भवानी का क्षेत्र चंदनपुर गांव, प्रखंड तिलौथू, जिला रोहतास के रहने वाले रितेश कुमार को साइबर सिक्योरिटी एडवाइजर में बेहतर कार्य के लिए आगामी 24 नवंबर को दिल्ली में मिलेगा इंस्पायरिंग इंडिया अवॉर्ड।

एआरके फाउंडेशन दिल्ली का मंच सादर स्वागत करता है, देश और समाज के उन बेटे बेटियों का, जो किसी भी प्रकार से देश और समाज के लिए अपना योगदान दे रहे है।

आज देश के समक्ष सबसे बड़ी समस्या है, जिसे साइबर क्राइम के नाम से जानते है, इस समस्या का समाधान सिर्फ अवेयरनेस है, जानकारी और जागरूकता है। पुरस्कार सम्मान की आयोजक निर्देशक नीलिमा ठाकुर ने बताया कि रितेश कुमार बिहार के एक ऐसे बेटे, जो देश की लीडिंग साइबर क्राइम टीम के एडवाइजर के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे है। साथ ही साथ एक बेहद ही अच्छे समाजसेवी और विचारक है। इन्होंने सैकड़ो साइबर फ्रॉड को चुटकियों में सॉल्व किया है।

इनका दिमाग एक आईपीएस अधिकारी की तरह काम करता है। महिला सशक्तिकरण, यूपी पुलिस और शिक्षा पर कई संस्थाओं के साथ जुड़ कर सहयोग करते है और लोगो को जागरूक करते है ।रितेश की कहानी बहुत इंस्पायरिंग है, छोटे से पैकेट के बड़े धमाके वाले इस युवक को एआरके दिल्ली के मंच पर खास मेहमान के तौर पर सादर स्वागत और आमंत्रित किया गया है। रितेश कुमार साइबर सिक्योरिटी के बारे में इस मंच से संबोधित करने वाले है। रितेश के सम्मान से इनके गांव और प्रखंड क्षेत्र में बहुत ही हर्ष का माहौल है। उनकी सफलता पर समाजसेवी सत्यानंद कुमार, छोटी ओझा, मिथलेश विश्वकर्मा, हंसराज कुमार, अमित कुमार गुप्ता, सुनील कुमार गुप्ता, अजय कुमार, डॉ मैकू राम, श्याम जी, मुखिया संजय चौधरी सहित सैकड़ों लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

# वैश्यपुत्र रविरंजन गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किया नयी वंचित अधिकार पार्टी की घोषणा

## 2025 बिहार विधानसभा सभी सीटों पर चुनाव लड़ाया जाएगा

प्रातः किरण संवाददाता

रोहतासःरोहतास जिला शेरशाह सूरी कि धरती सासाराम में नयी पार्टी का घोषणा किया गया। हजारों कि संख्या में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया।,, वंचित अधिकार पार्टी,,जो दिल्ली चुनाव आयोग से रजिस्टर्ड है। जिसका नेतृत्व वैश्यपुत्र रविरंजन गुप्ता ने घोषणा किए।मिशन 2025 बिहार विधानसभा सभी सीटों पर चुनाव लड़ाया जाएगा।जिस तरह से बिहार में वंचित समाज को राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, से वंचित रखा जाता है। वंचित समाज को हरेक बिहार, केंद्र सरकार के संस्थानों से वंचित रखा गया है। प्रत्येक दिन बिहार में वंचित समाज के युवाओं को हत्या हो रही है। वंचित समाज

के लोग न्याय के लिए दर दर कि ठोकरें खाते हैं। लेकिन न्याय नही मिलता है। वंचित समाज के युवाओं को सरकारी सुविधा से भी वंचित रखा जाता है इसी लिए बिहार में नयी पार्टी का घोषणा किया गया। जनवरी में पटना कि धरती पर भव्य कार्यकर्ता सम्मान समारोह आयोजित कर के वंचित समाज एकजुटता कि ताकत दिखाया जाएगा। जैसे ही पार्टी कि घोषणा हुई है। पुरी बिहार मे वंचित समाज में खुशी का लहर दौड़ गई है। जिसमें सभी समाज के लोग उपस्थित थे। रोहतास जिला अध्यक्ष श्री हरिओम गुप्ता, युवा जिलाध्यक्ष शंकर राज साह, भोजपुर जिला अध्यक्ष मदन साह युवा जिलाध्यक्ष राकेश महाजन बक्सर जिला अध्यक्ष सुभाष साह, मिथिलेश साह, प्रदेश सचिव संजय कानू, प्रदेश सचिव पूर्व मुखिया श्री राम गुप्ता रणविजय साह नायक साह जिला प्रतिनिधि डोमा साह, जिला परिषद सदस्य बबलू गुप्ता, जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता, आइटी सेल विकास गुप्ता, जिला संयोजक गोरखनाथ गुप्ता, राजू साह ,सोरव जायसवाल, मिंटू जायसवाल, रमेश सोनी, विष्णु सोनी,अजय राम रामदेव महतो, टाईगर महतो, संतोष यादव,दिलीप यादव, सनातन जी, राजकुमार साह, चंद्रिका साह, प्रोफेसर राजगृह साह अन्य साथियों ने सहयोग करने की बात कही

## गुलाबी ठंड के दस्तक के साथ लहासा मार्केट शुरू

पटना । दिवाली के पूर्व से ही रात्रि पहर से गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है । इसी के साथ गर्म कपड़ों का बाजार भी सजने लगा है। बेली रोड हाई कोर्ट मजार स्थित परिसर में तिब्बती शरणार्थी द्वारा लहासा मार्केट की शुरूआत की गई है। यहां गर्म स्टाइलिश कपड़े मिल रहे हैं । इसके अलावा नन्हे मुन्ने बच्चे के रंग-बिरंगे गर्म कपड़े , खिलौने मिल रहे है । बड़े बुजुर्ग महिलाओं के लिए यहां विशेष कलेक्शन उपलब्ध है। लहासा उलन बाजार के आयोजक विक्की पांडे ने बताया इस बार मौसम विज्ञान के अनुसार नवंबर अंतिम सप्ताह से दिसंबर जनवरी तक कड़ाके की ठंड पड़ेगी । ऐसे में लोगों को किफायती दाम पर गर्म कपड़े उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। इस बाजार में पंजाब जालंधर लुधियाना जयपुर की मशहूर रजाई हिमाचल प्रदेश के ऊनी कपड़ों से वस्त्र, दिल्ली कानपुर के जैकेट, कश्मीरी शॉल, अंगवस्त्रम बिहारवासियों के लिए उपलब्ध रहेंगे। बाजार प्रातः 09:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक होगी।

## वरुण तेज की फिल्म मटका को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

साउथ अभिनेता वरुण तेज इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मटका को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कुछ समय पहले रिलीज हुए फिल्म के टीजर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया था, जिसके बाद प्रशंसक बेसब्री से फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। इसके बाद चिरंजीवी ने फिल्म का दमदार ट्रेलर भी जारी किया था, जिसने दर्शकों के बीच और उत्साह पैदा किया। वहीं, अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जो इसके रनटाइम से जुड़ी हुई है।

इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल चुकी है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से मटका को यूए सर्टिफिकेट मिला है। इसके साथ ही इसकी कहानी की अवधि का भी खुलासा हुआ है। मटका की कहानी कुल 153 मिनट लंबी है यानी फिल्म का रनटाइम दो घंटे 33 मिनट है। क्रेडिट्स को शामिल करके कुल रनटाइम 2 घंटे 39 मिनट यानी 159 मिनट है।

### कितनी लंबी होगी फिल्म की कहानी

मटका एक रोमांचक और एक्शन से भरपूर कहानी है। पहला भाग एक घंटे और 22 मिनट तक चलेगा है, जिसमें चार एक्शन से भरपूर सीक्वेंस और एक रोमांचक अंतराल दृश्य शामिल हैं। वहीं, फिल्म का दूसरा भाग एक घंटे और 11 मिनट लंबा है। वहीं, 20 मिनट के रोमांचक क्लाइमेक्स के साथ फिल्म पूरी होगी।

### वरुण तेज का किरदार

वरुण तेज का किरदार वासु रतन खत्री के जीवन से प्रेरित है, जो न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज से भेजे जाने वाले कपास के शुरुआती और समापन दरों पर दांव लगाकर मटका किंग बन गया। ट्रेलर में मटका जुए की लत और लालच से होने वाली समस्याओं के बारे में बताया गया है। यह एक ऐसी चीज है, जो मध्यम वर्गीय परिवारों के साथ तालमेल बिठाने की बहुत संभावना है।

### फिल्म के कलाकार

फिल्म में मीनाक्षी चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। नोरा फतेही, नवीन चंद्रा, अजय घोष, कन्नड़ किशोर, रवींद्र विजय और रविशंकर ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। डॉ. विजेंद्र रेड्डी तेगला और रजनी थल्लूरी द्वारा व्यारा एंटरटेनमेंट और एसआरटी एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित, फिल्म का साउंडट्रैक जीवी प्रकाश कुमार द्वारा रचित है। मटका 14 नवंबर, 2024 को दुनिया भर में बड़ी रिलीज के लिए तैयार है।

## इफ्फी में मिसेज के प्रीमियर पर उत्साहित सान्या मल्होत्रा

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज का एशिया प्रीमियर 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में होने जा रहा है। इस महोत्सव में 22 नवंबर को फिल्म दिखाई जाएगी। सान्या की यह फिल्म न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एनवाईआईएफएफ) और पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सहित कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में पहले ही तारीफ लूट चुकी है। अब इफ्फी में फिल्म के प्रीमियर को लेकर सान्या बेहद खुश हैं।

### प्रीमियर में मौजूद रहेंगी ये हस्तियां

फिल्म मिसेज का निर्देशन आरती कदव ने किया है। अब इफ्फी में इसकी स्क्रीनिंग में सान्या मल्होत्रा और आरती कदव के अलावा निर्माता ज्योति देशपांडे और हरमन बावेजा सह-निर्माता स्मिता बालिगा शामिल होंगे। सान्या ने इस बात पर खुशी जताते हुए कहा है कि ऐसा लग रहा है कि इस फिल्म ने एक चक्र पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा, मैं आभारी हूं और इफ्फी में इसके प्रदर्शन और दर्शकों की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

### निर्देशक आरती कदव ने जताई खुशी

इसके अलावा फिल्म के प्रीमियर को लेकर निर्देशक आरती कदव ने कहा, फिल्म मिसेज को लाना, भारत को अपने दिल के करीब महसूस करने जैसा है। अपने शुरुआती सफर से लेकर कई अंतरराष्ट्रीय महोत्सवों में प्रदर्शन तक, यह फिल्म भावनाओं, संस्कृति और कहानी कहने की शक्ति की खोज रही है। आखिर अब इसका प्रीमियर भारत में होने जा रहा है और यह अनुभूति ऐसी है कि जैसे हम अपने घर आ गए हों। मैं इसके लिए दर्शकों की आभारी हूं।

### सान्या ने अदा किया है यह किरदार

फिल्म मिसेज ऋचा की कहानी है। यह किरदार सान्या मल्होत्रा ने अदा किया है। ऋचा का किरदार एक विवाहित लड़की के जीवन को दर्शाता है, जो रसोई में अपना जीवन बसर करते हुए अपनी पहचान खोजती है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा के साथ निशांत दहिया और कंवलजीत सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं।

## कंगुवा में अहम भूमिका निभा रहे हैं कार्ति

फिल्म कंगुवा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। इसमें सूर्या और बॉबी देओल के अलावा दिशा पाटनी, नटराजन सुब्रमण्यम, जगपति बाबू, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, आनंदराज, मारीमुथु, दीपा वेंकट, रवि राघवेंद्र और केएस रविकुमार जैसे सितारे नजर आएंगे। इनके अलावा चर्चा कार्ति के होने की भी है। सबसे पहले इसका इशारा खुद सूर्या ने ही किया। अब फिल्म के दूसरे ट्रेलर में भी इसके कुछ-कुछ संकेत मिले हैं, जिसके बाद दर्शक उत्साहित हैं और सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं।

सूर्या ने किया था इशारा कार्यक्रम के दौरान कांगुवा में कार्ति काम करने की खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। त्रिवेंद्रम में कार्यक्रम के दौरान सूर्या से उनके भाई कार्ति के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के बारे में पूछा गया। जवाब में अभिनेता ने वादा किया कि जल्द ही दर्शकों को ऐसा देखने को मिलेगा। सूर्या के इस बयान को लोगों ने कंगुवा से जोड़कर देखना शुरू कर दिया। अब कल रिलीज हुआ कंगुवा के दूसरे ट्रेलर में एक रहस्यमयी किरदार नजर आया। दावा किया जा रहा है कि यह कोई और नहीं, बल्कि कार्ति हैं। ट्रेलर में सूर्या दुश्मनों से लड़ते हुए एक क्रूर योद्धा के रूप में नजर आए हैं। ऐसा लग रहा है कि फिल्म बदले की कहानी पर आधारित है। ट्रेलर में मेकर्स ने कहानी को लेकर ज्यादा पत्ते नहीं खोले हैं। लेकिन, आखिरी सीन में एक रहस्यमयी किरदार को सिगार पीते हुए दिखाया गया है। नेटिजन्स का दावा है कि यह मिस्ट्री कैरेक्टर कोई और नहीं, बल्कि अभिनेता कार्ति हैं।

### पहली बार ऑन स्क्रीन धूम्रपान करते दिखेंगे कार्ति?

यह तो फिल्म देखकर ही पता चलेगा कि फिल्म में कार्ति हैं या नहीं। फिलहाल ट्रेलर के वायरल सीन के बाद यूजर्स लिख रहे हैं, कार्ति पहली बार ऑन स्क्रीन धूम्रपान करते नजर आएंगे। बात करें कंगुवा की तो यह इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म मानी जा रही है। 350 करोड़ रुपये से ज्यादा के अनुमानित बजट के साथ यह पुष्पा, सिंघम और कई अन्य बड़ी फिल्मों से बड़ी होने का दावा कर रही है। फिल्म बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी।

## हिंदी सिनेमा में डेब्यू करेंगी शीना चौहान

अभिनेत्री शीना चौहान जल्द ही हिंदी फिल्मों में डेब्यू करेंगी। वह अपकमिंग फिल्म संत तुकाराम में अवली जीजाबाई की प्रमुख और सशक्त भूमिका में नजर आएंगी। आदित्य ओम द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शीना के साथ मराठी अभिनेता सुबोध भावे भी नजर आएंगे। शीना चौहान ने बताया, आधुनिक किरदारों से लेकर अवली जीजाबाई जैसी ऐतिहासिक शख्सियत की भूमिका निभाने तक, मुझे एक अभिनेत्री के रूप में नई गहराइयों को तलाशने का मौका मिला। उन्होंने कहा, मैंने निर्देशक आदित्य ओम के लिए खुद को एक कोरे कागज की तरह पेश किया। उनके व्यावहारिक निर्देशन ने वास्तव में इस यात्रा को और बेहतर बनाया। उनके मार्गदर्शन ने मुझे अवली जीजाबाई में किरदार में उतरने में मदद की। संत तुकाराम के साथ हिंदी फिल्म में अपनी शुरुआत करने वाली शीना ने अभिनेता ममूटी के साथ दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में शुरुआत की। बाद में उन्होंने एंट स्टोरी में एक सुपरस्टार और कॉमेडी फिल्म एक्स-मेट्स में एक समकालीन भारतीय महिला का किरदार निभाया।

## नुसरत भरूचा ने खुद को दिया नया शॉर्ट नेम कोल, वजह भी बताई

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने खुद को नया नाम कोल दिया है। ऐसा उन्होंने क्यों किया है ये भी समझाया है। नुसरत ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह गोवा में एक परफॉरमेंस के लिए मेकअप करवा रही हैं। क्लिप में वह कहती हुई सुनाई दे रही हैं, मैं सोना चाहती हूं.. मैं 48 घंटों से सोई नहीं हूं और मैं यहां गोवा में हूं और मुझे लगा कि मैं झपकी ले पाऊंगी और तैयार होने से पहले सो पाऊंगी, लेकिन नहीं, अब इवेंट को प्रीपोंड (तय समय से पहले) कर दिया गया है। उन्होंने कहा, मुझे अपने कॉल टाइम से 2 घंटे पहले परफॉर्म करना है। इसलिए मैंने खाना भी नहीं खाया है और मैं तैयार हो रही हूं...मैं यह नहीं कर सकती। मैं सोना चाहती हूं उन्होंने क्लिप को कैप्शन दिया, मेरा नया पर्सनल शॉर्ट नेम कोल क्राइंग ऑउट लाउड!! पिछले सप्ताह, एक्ट्रेस ने दीपावली मनाते हुए एक हेल्थ अपडेट पोस्ट शेयर किया और कहा कि वह अस्वस्थ हैं क्योंकि उन्हें बुखार, शरीर में दर्द और आंखों में संक्रमण है। नुसरत ने इंस्टाग्राम पर एक कार सेल्फी शेयर की और बताया कि बीमार होने के बावजूद वह खुद को घसीटकर मीटिंग में ले गईं। कैप्शन में लिखा था, दीपावली के बाद की स्थिति, सर्दी, बुखार, खांसी, शरीर में दर्द और.. कुछ आंखों का संक्रमण! फिर भी किसी तरह खुद को मीटिंग में ले जा रही हूं!

नुसरत के बारे में बात करें तो, 2002 के टेलीविजन शो किट्टी पार्टी से एक्टिंग शुरू की। उन्हें 2006 में जय संतोषी मां से बॉलीवुड में ब्रेक मिला। वह कल किसने देखा, ताज महल, लव सेक्स और धोखा जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। इसके बाद नुसरत लव रंजन द्वारा लिखित और निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी बडी फिल्म प्यार का पंचनामा में दिखाई दीं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, दिव्येंदु शर्मा, रायो एस बखिरता, सोनाली सहगल और इशिता ने एक्टिंग की थी। उन्होंने आकाश वाणी, सोनू के टीटू की स्वीटी, ड्रीम गर्ल, छलांग, अजीब दास्तां, छोरी, हुड़दंग, राम सेतु, सेल्फी, छत्रपति में काम किया है। 39 वर्षीय एक्ट्रेस को आखिरी बार प्रणय मेश्राम द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर अकेली में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म विशाल फुरिया की हॉरर-थ्रिलर फिल्म छोरी 2 है। फिल्म की शुरुआत वहीं से होती है, जहां 2021 में रिलीज हुई पहली किस्त खत्म हुई थी। हॉरर सीक्वल की कास्ट में अभिनेत्री सोहा अली खान भी शामिल हो गई हैं। छोरी मराठी भाषा की 2017 की फिल्म लपाछपी की रीमेक थी। इसमें मीता वशिष्ठ, राजेश जैस और सौरभ गोयल भी हैं।

## हॉलीवुड और साउथ सिनेमा का हुआ संगम, सालार-2 में प्रभास से टकराएंगे कोरियन एक्टर डॉन ली

हॉलीवुड और साउथ फिल्मों के कलाकार एक ही फिल्म में नजर आ जाए तो क्या कहने। दर्शकों को तो मनोरंजन की डबल डोज मिल जाएगी। अब ऐसा होने वाला है। इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि प्रभास की फिल्म सालार-2 में पॉपुलर कोरियन एक्टर डॉन ली नजर आएंगे। डॉन ली कई हॉलीवुड फिल्मों में भी काम कर चुके हैं।

### फिल्म में होगा प्रभास-डॉन ली का आमना-सामना

महीनों की अटकलों के बाद आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है कि दक्षिण कोरियाई सुपरस्टार ली डोंग सोक, जिन्हें मा डोंग सोक या डॉन ली के नाम से भी जाना जाता है, प्रशांत नील द्वारा निर्देशित सालार-2 में दिखाई देंगे। इससे पहले ऐसी अफवाहें थीं कि डॉन ली प्रभास की दूसरी आगामी फिल्म स्पिरिट में विलेन की भूमिका निभाएंगे। हालांकि अब सालार-2 में डॉन ली की भूमिका की पुष्टि हो गई है। इस बात से डॉन ली और प्रभास के फैन काफी खुश हैं। इस बात की पुष्टि डॉन ली ने अपने इंस्टाग्राम पर पांच सेकंड का बूमरैंग वीडियो पोस्ट करके की, जिसमें एक फैन का बनाया गया सालार-2 का पोस्टर दिखाया गया। उन्होंने इस पोस्टर की तारीफ की और थम्स अप का इमोजी बनाकर भेजा। डॉन ली की इसी पोस्ट को होम्बले फिल्म्स ने फिर से पोस्ट करके खबर की पुष्टि कर दी। इस तरह से लोगों को पता चला कि प्रभास और डॉन ली साथ में काम कर रहे हैं। इसके बाद को प्रभास और डॉन ली के फैन बहुत रोमांचित हो गए। फैंस को अब फिल्म का इंतजार है। प्रभास और डॉन ली के अलावा फिल्म सालार-2 में पृथ्वीराज सुकुमारन, जगपति बाबू, श्रीया रेड्डी, बॉबी सिम्हा, शफी, ब्रह्माजी और जॉन विजय जैसे कई बेहतरीन कलाकार भी हैं। इस फिल्म का साउंडट्रैक बनाने की जिम्मेदारी संगीतकार रवि बसरूर को मिली है। उन्होंने अब तक कई फिल्मों में शानदार म्यूजिक दिया है।

## अनुराग बसु की फिल्म से पहले कार्तिक शुरू करेंगे पति पत्नी और वो 2 की शूटिंग!

अनुराग बसु ने कार्तिक आर्यन के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म को अस्थायी रूप से रोक दिया है। फिलहाल, निर्देशक अपनी आगामी फिल्म मेट्रो... इन दिनों को और बेहतर बनाने को इस समय प्राथमिकता दे रहे हैं। 2007 की हिट फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो के इस सीक्वल में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे प्रभावशाली कलाकार अपने अभिनय का जादू चलाते नजर आने वाले हैं।

### कार्तिक आर्यन शुरू करेंगे ये फिल्म

सूत्र ने आगे कहा, कार्तिक आर्यन की रोमांटिक म्यूजिकल, जो इस महीने शुरू होने वाली थी, अब कुछ महीनों के लिए टाल दी गई है। कार्तिक आर्यन इस समय का उपयोग करते हुए मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनने जा रही फिल्म पति पत्नी और वो 2 पर काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं। वह दिसंबर की शुरुआत में पति पत्नी और वो 2 शुरू करेंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने प्रोफेसर ललित कुमार दास को 2024 के डिजाइन गुरु अवार्ड से सम्मानित किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रचनात्मकता के क्षेत्र में शिक्षा के लिए समर्पित भारत की पहली युनिवर्सिटी- वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) ने 11 नवंबर, 2024 को अपने परिसर में एक भव्य समारोह में प्रोफेसर ललित कुमार दास को प्रतिष्ठित डिजाइन गुरु अवार्ड से सम्मानित किया। प्रोफेसर ललित दास, औद्योगिक डिजाइन शिक्षा में एक बड़ी हस्ती हैं और उन्हें समावेशी और टिकाऊ डिजाइन को लेकर उनके अनूठे दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र में उनके नेतृत्व ने ना केवल अगली पीढ़ी के डिजाइनरों को आकार दिया है, बल्कि ऐसे उत्पादों और पर्यावरण के सृजन के महत्व को रेखांकित किया है जो सभी की पहुंच में हो और सभी के लिए लाभप्रद हो। नेशनल डिजाइन गुरु डे के अवसर पर वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन द्वारा प्रदान किया जाने वाला यह अवार्ड उन लीडरको सम्मान देता है जिन्होंने डिजाइन के भविष्य को आकार देते और रचनात्मक सोच वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते हुए भारत में डिजाइन शिक्षा में असाधारणयोगदान दिया है। हर साल नौ नवंबर को मनाए जाने वाले नेशनल डिजाइन गुरु डे की शुरुआत डिजाइन के शिक्षकों की अग्रणी पीढ़ी को पहचान देने के लिए की गई जिन्होंने भारत में डिजाइन की शिक्षा की नीव डाली। संयोग से जिस दिन डिजाइन के इन नेताओं को सम्मानित किया जाता है, वह स्वर्गीय प्रोफेसर एमपी रंजन की जयंती है जो नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) में डिजाइन चिंतन और शिक्षा में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे।

### लैंक्सेस इंडिया ने जीता फिक्की केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स अवार्ड 2024 का डिजिटेक फ्रंट रनर ऑफ द ईयर सम्मान




**मुंबई, एजेंसी।** लैंक्सेस इंडिया ने केमिकल सेक्टर में 'डिजिटेक फ्रंट रनर ऑफ द ईयर' कैटेगरी में फिक्की केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स अवार्ड 2024 जीता है। यह सम्मान भारत सरकार की स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री, श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कंपनी को प्रदान किया। इस खास मौके पर रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की सचिव, श्रीमती निवेदिता शुक्ला वर्मा, और उद्योग जगत के कई प्रमुख साझेदार भी उपस्थित थे। लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, नमितेश रॉय चौधरी, ने कंपनी की ओर से यह अवार्ड स्वीकार किया। उनके साथ पीटीएसई के पूर्णकालिक निदेशक और प्रमुख, बालाराम खोट भी मौजूद थे। यह पुरस्कार 17 अक्टूबर 2024 को मुंबई में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया गया। इस सम्मान पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए, लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, नमितेश रॉय चौधरी ने कहा, इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को पाकर हम बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। नई तकनीकों और डिजिटल सोच को अपनाकर हम अपनी प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाते हैं और उत्पादकता, कनेक्टिविटी और संपूर्ण प्रदर्शन में सुधार करते हैं।

# स्विगी के आईपीओ ने किया खुश, बीएसई पर 5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग, कुछ ही देर में 13 प्रतिशत से भी ज्यादा चढ़ गया

**नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी का आईपीओ आज बुधवार को शेयर मार्केट में लिस्ट हो गया। लिस्टिंग पर इसने निवेशकों को मुस्कुराने का मौका दे दिया। बीएसई पर यह 5.64 फीसदी प्रीमियम के साथ 412 रुपये पर लिस्ट हुआ। वहीं एनएसई पर यह 7.69 फीसदी प्रीमियम के साथ 420 रुपये पर लिस्ट हुआ। इसने लिस्टिंग पर ही निवेशकों को फायदा दे दिया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि लिस्टिंग थोड़ी कमजोर है लेकिन गिरते मार्केट को देखें तो काफी बेहतर है। ऐसे में अभी इसके शेयर को होल्ड करके रखें। बेचने की जल्दबाजी न दिखाएं। आने वाले कुछ समय में यह अच्छा रिटर्न दे सकता है।**

### कितने का हुआ फायदा?

इस शेयर का प्राइस बैंड बैंड 371 से 390 रुपये था। बाद में इसका प्राइस 390 तय हुआ। चूंकि इसकी बीएसई पर लिस्टिंग 412 रुपये पर हुई है। ऐसे में इसने निवेशकों को प्रति शेयर 22 रुपये का फायदा दिया है। इसकी लिस्टिंग भले ही 412 पर हुई हो, लेकिन कुछ ही देर में यह शेयर 449 तक जा पहुंचा। मतलब कि निवेशकों को 13 फीसदी से भी ज्यादा का फायदा हुआ है।

इस शेयर को निवेशकों का बहुत अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला था। इसका आईपीओ 6 नवंबर को निवेश के लिए खुला था और 8 नवंबर को बंद हो गया था। शुरू के दो दिन निवेशकों का ठंडा रिस्पॉन्स रहा। हालांकि तीसरे और अंतिम दिन संस्थागत निवेशकों ने इसकी लाज बचाई और यह 3.6 गुना सब्सक्राइब हो पाया।

### ग्रे मार्केट में भी नहीं मिला था भाव

इस आईपीओ को ग्रे मार्केट में भी अच्छा भाव नहीं मिला था। जिस दिन इस आईपीओ का प्राइस बैंड तय हुआ था, उस दिन इसका जीएमपी यानी ग्रे मार्केट प्रीमियम 25 रुपये था। इसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आती गई। एक दिन पहले यानी 12 नवंबर को इसका जीएमपी दिन में 2 रुपये और शाम को शून्य हो गया। जीएमपी के मुताबिक इस आईपीओ की फ्लैट लिस्टिंग के आसार थे। यानी न फायदा और न नुकसान। लेकिन आज ऐसा नहीं हुआ। ग्रे मार्केट के भाव को झुठलाते हुए यह फायदे के साथ लिस्ट हुआ।

### देश के महंगे आईपीओ में से एक

स्विगी का आईपीओ देश के महंगे आईपीओ में से एक रहा। पिछले महीने ही हुंडई का आईपीओ आया था जो देश का अब तक का सबसे महंगा आईपीओ था। हुंडई के आईपीओ का इश्यू साइज 27 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा था। वहीं स्विगी के आईपीओ का इश्यू साइज 11 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा था। यह इस साल अब तक का दूसरा सबसे महंगा आईपीओ था।

## 19 नवंबर से खुल रहा एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इनिशियल पब्लिक आफरिंग यानी आईपीओ में दांव लगाने वालों के लिए अच्छी खबर है। अगले सप्ताह एक और मोस्ट अवेटेड आईपीओ निवेश के लिए खुल रहा है।




यह आईपीओ- पब्लिक सेक्टर की एनटीपीसी लिमिटेड की ग्रीन एनर्जी यूनिट एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का है। आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 19 नवंबर को खुलेगा और 22 नवंबर को बंद होगा। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 102 से 108 के बीच तय किया है। निवेशक 138 शेयरों के लॉट और उसके गुणकों में इश्यू के लिए बोली लगा सकते हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का आईपीओ 10,000 करोड़ का है। ग्रे मार्केट में यह शेयर आज 9 रुपये प्रीमियम पर उपलब्ध है।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का 10,000 करोड़ का आईपीओ पूरी तरह से इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू होगा और इसके लिए कोई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) कंपोनेंट नहीं होगा। हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ के इश्यू और स्विगी के 11,300 करोड़ के आईपीओ के बाद यह साल का तीसरा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। नेट आईपीओ का लगभग 75 प्रतिशत संस्थागत निवेशकों के लिए रिजर्व होगा, जबकि 15 प्रतिशत इश्यू गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए रिजर्व होगा। आईपीओ का 10 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए रिजर्व होगा। पात्र कर्मचारियों के लिए 200 करोड़ तक के शेयर रिजर्व होंगे, जो बोली लगाते समय प्रति शेयर 5 की छूट का भी लाभ उठा सकते हैं। शेयरधारक कोटा के तहत एनटीपीसी के मौजूदा निवेशकों के लिए 1,000 करोड़ तक के शेयर रिजर्व रहेंगे। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी महारत्न पीएसयू एनटीपीसी की सहायक कंपनी है और यूटिलिटी0स्केल रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाओं का एक पोर्टफोलियो विकसित करने में शामिल है। ऑफटेकर एकाग्रता जोखिम, आपूर्तिकर्ता एकाग्रता जोखिम और परियोजना निष्पादन जोखिम कुछ जोखिम कारक हैं जिन्हें एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने अपने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में उजागर किया है।

## कुछ साल पहले कोई नहीं जानता था नाम, आज मुकेश अंबानी की रिलायंस से 10 गुना बड़ी है कंपनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एआई चिप बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एनवीडिया आजकल फिर सुर्खियों में है। यह ऐपल को पछाड़कर दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। इसका मार्केट कैप 3.648 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है जो दुनिया के अधिकांश देशों की जीडीपी से ज्यादा है। इस कंपनी का मार्केट कैप भारत की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज से 18 गुना है। पिछले 12 महीनों में एनवीडिया के मार्केट कैप में 2.4 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। पिछले 25 साल में इसका शेयर 250,000 परसेंट से अधिक उछला है। इसके फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग दुनिया के 11वें सबसे अमीर शख्स हैं। उनकी नेटवर्थ में 127 अरब डॉलर है। इस साल इसमें 82.8 अरब डॉलर की तेजी आई है। कुछ साल पहले तक एनवीडिया और हुआंग का नाम कम ही लोगों को पता था।



हुआंग का जन्म साल 1963 में ताइवान में हुआ था। उनका बचपन ताइवान के अलावा थाईलैंड में गुजरा। साल 1973 में उनके माता-पिता ने उन्हें अमेरिका में अपने रिश्तेदारों के पास भेज दिया था और फिर कुछ दिन बाद वे भी अमेरिका आ गए थे। एनवीडिया की स्थापना अप्रैल 1993 में हुई थी। शुरुआत में यह कंपनी वीडियो-गेम ग्राफिक्स चिप्स बनाती थी। जब कंपनी का शेयर 100 डॉलर पर पहुंचा था तो हुआंग ने अपने बाजू पर कंपनी के लोगो का टैटू बनवाया था। एनवीडिया में अब उनकी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

### कोरोना बना वरदान

कोरोना काल इस कंपनी के लिए वरदान बनकर आया। इस दौरान एनवीडिया के शेयरों में भारी तेजी आई। क्रिप्टो बूम के कारण इसके माइनिंग में चिप के इस्तेमाल में तेजी आई। लेकिन फिर कंपनी के शेयरों की कीमत दो-तिहाई गिर गई थी। लेकिन एआई का चलन बढ़ने से फिर कंपनी के दिन फिरने लगे। हुआंग का कहना है कि एआई कंप्यूटर क्रांति की अगुवाई कर रहा है। इसे इस्तेमाल करना आसान है, इसलिए यह तेजी से बढ़ रही है। आने वाले दिनों में कोई भी इंडस्ट्री इससे अछूती नहीं रहेगी। दुनियाभर की कंपनियां ज्यादा पावरफुल कंप्यूटरों का रुख कर रहे हैं जो चैटजीपीटी जैसे जेनरेटिव एआई को हैंडल कर सकें।

माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी बड़ी-बड़ी टेक कंपनियों में एनवीडिया से ज्यादा से ज्यादा चिप लेने की होड़ मची है। साथ ही सऊदी अरब और यूएई भी कंपनी से हजारों चिप खरीद रहे हैं। इतना ही नहीं चीन की कंपनियां टेंसेट और अलीबाबा भी एनवीडिया के दरवाजे पर खड़ी हैं। साफ है कि एनवीडिया के चिप की दुनिया में मांग तेजी से बढ़ रही है। चैटबॉट और दूसरे टूल्स के बढ़ते चलन के कारण आने वाले दिनों में इसमें और तेजी आने की उम्मीद है। पिछले साल कंपनी के प्रॉफिट में 628 प्रतिशत और रेवेन्यू में 268 प्रतिशत तेजी आई।

### काम करने का तरीका

हुआंग का कहना है कि उनका काम सुबह छह बजे शुरू होता है। वह रोजाना 14 घंटे काम करते हैं। छुट्टियों और वीकेंड पर भी काम करते हैं। वह मानते हैं कि दुनिया में कुछ हासिल करने के लिए संघर्ष करना जरूरी है। कर्मचारियों से कनेक्ट होने के लिए वह कैफे में ही खाना खाते हैं। वह याद करते हैं कि 1990 के दशक के अंत में कंपनी दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गई थी लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अपनी मेहनत और लगन के दम पर हुआंन ने एनवीडिया को आज दुनिया की टॉप वैल्यूएबल कंपनी बना दिया।

## टाटा, बिड़ला, वेदांता... सबको टक्कर देने की तैयारी में अडानी, 42000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट से मचाई खलबली

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश के दूसरे सबसे अमीर और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी मेटल इंडस्ट्री में भारी निवेश करने जा रहे हैं। उनके इस कदम से कई बड़े कारोबारी ग्रुप जैसे टाटा, बिड़ला और वेदांता में खलबली मच गई है। अडानी इस कारोबार के लिए 5 बिलियन डॉलर (करीब 42 हजार करोड़ रुपये) निवेश कर रहे हैं। अडानी के इस मेटल कारोबार में खनन, शोधन और तांबा, लोहा, इस्पात और एल्युमीनियम के प्रोडक्शन पर फोकस किया जाएगा। इसके लिए अडानी ग्रुप अगले 3 से 5 वर्षों में इस क्षेत्र में 5 बिलियन डॉलर खर्च करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुल निवेश में से 2 बिलियन डॉलर कॉपर यानी तांबे पर खर्च किए जाएंगे। अडानी के इस कारोबार में प्रवेश करने से वेदांता, आदित्य बिड़ला ग्रुप की हिंडाल्को और टाटा जैसी दिग्गज कंपनियों को चुनौती मिलेगी।

### कॉपर सेक्टर में पहले से कदम

अडानी ग्रुप मार्च में 500 चङ्मक्ष (किलोटन प्रति वर्ष) की स्मेल्टर क्षमता के साथ अपने तांबा संचालन के पहले चरण की शुरुआत कर चुका है। वहीं अडानी ग्रुप दूसरी मेटल जैसे एल्युमीनियम, स्टील आदि पर भी नजर जमा रहा है। ग्रुप को ओडिशा के रायगढ़ में एक एल्युमीना रिफाइनरी और एक कैप्टिव पावर प्लांट बनाने की मंजूरी मिल गई है। जल्द ही यहां पर काम शुरू कर दिया जाएगा। लेकिन इससे पहले अडानी ग्रुप अपनी सहायक कंपनी मुंद्रा एल्युमीनियम लिमिटेड के तहत एक एल्युमीना रिफाइनरी स्थापित करने पर विचार कर रहा है।

### इन कंपनियों को मिलेगी टक्कर

मेटल सेक्टर में उतरने के बाद अडानी ग्रुप से कई बड़ी कंपनियों जैसे वेदांता, हिंडाल्को, टाटा स्टील, छ्वस्ङ्ग स्टील आदि को टक्कर मिलेगी। इसमें वेदांता एल्यूमीनियम, जस्ता, लोहा आदि में अपने ऑपरेशंस के लिए जानी जाती है। वहीं हिंडाल्को तांबे और एल्यूमीनियम में माहिर है। टाटा स्टील और छ्वस्ङ्ग स्टील लोहा और इस्पात क्षेत्र में अग्रणी हैं।

### क्या है अडानी का लक्ष्य?

अडानी का लक्ष्य उन सेक्टर पर अपनी पहुंच बनाना है जो अभी तक उनसे दूर रहे हैं। ग्रुप ने कुछ समय पहले अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड और एसीसी लिमिटेड का अधिग्रहण करके सीमेंट क्षेत्र में कदम रखा था।

## मस्क ने सात दिन में की ट्रंप की संपत्ति से 10 गुना कमाई, कंपनी के मार्केट कैप में हुआ इतना इजाफा

**वाशिंगटन एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के लिए पूरी ताकत झोंक देने वाले टेस्ला व एक्स के सीईओ एलन मस्क की कमाई सात दिन में ही ट्रंप की कुल संपत्ति से करीब 10 गुना अधिक हो गई। ट्रंप की जीत से पहले मस्क की कुल संपत्ति 262 अरब डॉलर यानी 22.11 लाख करोड़ रुपये थी, जो मंगलवार को बढ़कर 313.6 अरब डॉलर यानी 26.46 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। ट्रंप की संपत्ति करीब 5.6 अरब डॉलर यानी 47.26 हजार करोड़ है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे 6 नवंबर को आए थे।

फोर्ब्स रियल-टाइम बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क की संपत्ति 313.6 अरब डॉलर हो गई। मस्क की ईवी कंपनी टेस्ला के स्टॉक्स में ट्रंप की जीत के बाद जोरदार उछाल रहा। टेस्ला के स्टॉक में 39 फीसदी और कंपनी के मार्केट कैप में एक लाख करोड़ डॉलर यानी 84.39 लाख करोड़ का इजाफा हुआ है।

ट्रंप के लिए मस्क ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स का भरपूर इस्तेमाल किया। उन्होंने ऐसे मतदाताओं के रजिस्ट्रेशन के लिए स्विंग स्टेट ऑपरेशन को फंड किया, जिनका झुकाव दक्षिण पंथ की तरफ था। मीडिया रिपोर्ट का दावा है, उन्होंने ट्रंप की जीत में जो निवेश किया, अब वह उसका भरपूर लाभ उठाना चाहते हैं।

### अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बेंगलूरु व भोपाल कैंपसों में पीजी और यूजी कोर्सेस के लिए आवेदन आमंत्रित किये

**ंगलूरु/भोपाल।** अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय पने दो वर्ष के पोस्ट-ग्रैज्युएट प्रोग्राम्स के लिए वेदन आमंत्रित कर रहा है। इन एमए प्रोग्राम्स एमए एजुकेशन, एमए डेवलपमेंट, मास्टर ऑफ़ पब्लिक हेल्थ (एमपीएच), एमए अर्ली इल्डहुड केअर एवं एजुकेशन शामिल हैं। साथ चार वर्षों के बीए ऑनर्स और बीएससी ऑनर्सके लिए भी आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। प्रोग्राम अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के गलूरु और भोपाल कैम्पस में चलाए जाएंगे। पाल कैंपस में स्नातकोत्तर (2 वर्ष) एम.ए. - जुकेशन, एम.पी.एच.-मास्टर ऑफ़ पब्लिक ल्थ। स्नातक (4-वर्ष) -अर्थशास्त्र,अंग्रेज़ी, तिहास और समाज विज्ञान में बी.ए. ऑनर्स यालॉजी में बी.एस-सी. ऑनर्स।

## बीएलएस इंटरनेशनल ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में सर्वोच्च वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया

### शुद्ध लाभ में 77.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि

**मुंबई, एजेंसी।** बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड एक भारतीय बहुराष्ट्रीय निगम और सरकारों एवं नागरिकों के लिए एक विश्वसनीय वैश्विक टेक-सक्षम सेवा भागीदार, ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अपने समेकित वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

कंपनी का परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 21.4 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 495.0 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 407.7 करोड़ रुपये था।




यह वृद्धि मुख्य रूप से वीजा और कॉन्सुलर व्यवसाय से प्रेरित थी, जिसने 29.6 प्रतिशत की मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्ज की। कंपनी का एबिटा तिमाही के दौरान वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के 86.7 करोड़ रुपये से बढ़कर 164.0 करोड़ रुपये हो गया, जो 89.1 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। एबिटा मार्जिन वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के 21.3 प्रतिशत से 1,186 बेसिस पॉइंट बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 33.1 प्रतिशत हो गया। मार्जिन विस्तार पार्टनर-संचालित से स्व-प्रबंधित मॉडल में जारी ट्रांजिशन और आइडीएटीए के अधिग्रहण से बढ़ा।

तिमाही के लिए शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के 82.0 करोड़ रुपये की तुलना में 145.7 करोड़ रुपये रहा, जो 77.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। दुबई में उच्च करों ने एबिटा वृद्धि की तुलना में शुद्ध लाभ वृद्धि को प्रभावित किया।

### रोज़ाना की डाइट में बादाम को शामिल करें और ब्लड शुगर लेवल पर लगाम लगाएं

**मुंबई, एजेंसी।** हर साल 14 नवंबर को वर्ल्ड डायबिटीज डे मनाया जाता है। इस दिन दुनिया भर में डायबिटीज को लेकर जागरूकता बढ़ाई जाती है और इसकी अच्छे से देखभाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया जाता है। भारत, जिसे दुनिया की डायबिटीज कैपिटल के रूप में जाना जाता है, एक बढ़ती चुनौती का सामना कर रहा है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि 101 मिलियन भारतीयों को डायबिटीज है, जबकि 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटिक हैं।

## आईपीएल 2025 में दिखाई देंगे पार्थिव पटेल

### इस टीम ने बनाया बल्लेबाजी और सहायक कोच

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** गुजरात टाइटंस ने भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए बल्लेबाजी और सहायक कोच नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पार्थिव मुख्य कोच आशीष नेहरा के नेतृत्व वाले सहयोगी स्टाफ में दोहरी भूमिका निभाएंगे।

फ्रेंचाइजी ने यहां जारी बयान में कहा, 'गुजरात टाइटन्स को अपने नए सहायक और बल्लेबाजी कोच के रूप में पार्थिव पटेल की नियुक्ति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज अपने 17 साल के शानदार करियर का अनुभव टीम के साथ जोड़ेगा। बयान में कहा गया है, 'टाइटंस आईपीएल के आगामी सत्र के लिए तैयारी कर रहा है और ऐसे में पार्थिव की बल्लेबाजी तकनीक और रणनीति तैयार करने की क्षमता खिलाड़ियों के कौशल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पार्थिव ने 2020 में क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। यह पहला अवसर होगा जबकि वह आईपीएल में कोच की भूमिका निभाएंगे। वह पिछले तीन सत्रों से मुंबई इंडियंस के लिए टैलेंट स्काउट के रूप में काम कर रहे थे। वह आईएलटी20 के पहले सत्र में एमआई अमीरात के बल्लेबाजी कोच भी रहे।

## बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूटे अर्जुन तेंदुलकर

### अरुणाचल प्रदेश 84 रन पर ढेर

**पोरवोरिम (एजेंसी)।** अर्जुन तेंदुलकर (पांच विकेट) और मोहित रेडकर (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर बुधवार को रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप में मुकाबले में गोवा ने अरुणाचल प्रदेश को 84 रनों के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया है। आज यहां टॉस जीतकर अरुणाचल प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अरुणाचल की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 27 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिए। नबाम हचांग(शून्य), नीलम ओबी (22), जय भावसार (शून्य), चिन्मय पाटिल (3) रन बनाकर आउट हुए। इन चारों बल्लेबाजों को अर्जुन तेंदुलकर ने आउट किया। इसके अलावा मोजी एटे (एक) को भी अर्जुन ने आउट किया।

सिद्धार्थ बलोदी (16), संदीप कुमार (12), याब निया (शून्य) पर आउट हुए। कप्तान नबाम अबो ने सर्वाधिक (नाबाद25) रनों की पारी खेली। गोवा के गेंदबाजों ने अरूणाचल प्रदेश की पूरी टीम 30.3 ओवर में 84 के स्कोर पर सिमेट दिया। गोवा की ओर से अर्जुन तेंदुलकर ने 25 रन देकर (पांच विकेट), मोहित रेडकर ने 15 रन देकर (तीन विकेट) और कीथ पिंटो ने 31 रन देकर दो विकेट लिए।

### आईसीसी रैंकिंग

# शाहीन अफरीदी ने कामय किया दबदबा

### गेंदबाजी रैंकिंग में बने नम्बर 1

**दुबई (एजेंसी)।** पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने आईसीसी पुरुष वनडे गेंदबाज रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है, यह स्थान उन्होंने पिछले साल भारत में हुए क्रिकेट विश्व कप के दौरान भी हासिल किया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान की विजयी श्रृंखला में अफरीदी के हालिया प्रदर्शन ने उन्हें एक बार फिर शीर्ष स्थान पर पहुंचाने में मदद की, जहां उन्होंने तीन मैचों में 12.62 की प्रभावशाली औसत से 8 विकेट लिए।

अफरीदी की यह बढ़त रैंकिंग में फेरबदल के हिस्से के रूप में आई है जिसमें दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं और अफगानिस्तान के राशिद खान दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। मैदान पर अफरीदी का दबदबा पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान के साथ मिलकर पाकिस्तान को एकमात्र टीम बनाता है जिसके पास वनडे बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में नंबर 1 रैंक वाला खिलाड़ी है।

बाबर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 80 रन बनाए, बल्लेबाजों की शीर्ष रैंकिंग पर बने हुए हैं। अफरीदी अकेले पाकिस्तानी गेंदबाज नहीं हैं, जिन्होंने तरक्की की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द सीरीज के प्रदर्शन के बाद हारिस राउफ ने भी करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग हासिल की। ??नसीम शाह ने भी अपने करियर की नई ऊंचाई हासिल की और वह 14 पायदान ऊपर चढ़कर 55वें स्थान पर पहुंच गए।

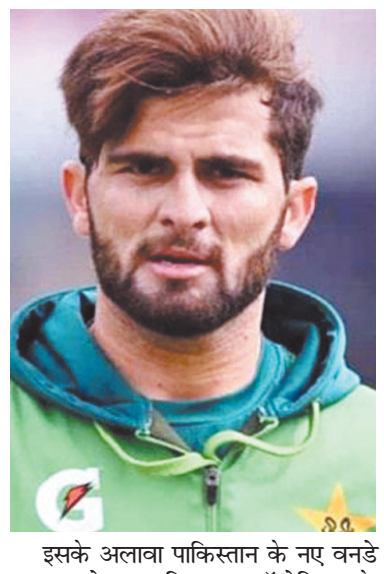

इसके अलावा पाकिस्तान के नए वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद बल्लेबाजी चार्ट में 23वें स्थान पर पहुंच गए। इस बीच बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो वनडे बल्लेबाजों में 11 पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए जबकि अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई ने अपनी स्थिति में सुधार करते हुए 31वें स्थान पर पहुंच गए। वनडे गेंदबाजी के मोर्चे पर वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोटी और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज ने बढ़त हासिल की, मेहदी 9 पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए।

टी20आई रैंकिंग में इंग्लैंड के फिल साल्ट और जोस बटलर वेस्टइंडीज के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों में क्रमशः दूसरे और छठे स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका के रीजा हेंड्रिक्स और ट्रिस्टन स्टब्स ने भारत के साथ अपनी मौजूदा श्रृंखला के दौरान टी20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में उल्लेखनीय लाभ अर्जित किया, स्टब्स 12 पायदान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गए।

टी20आई में गेंदबाजी रैंकिंग में भी बदलाव देखा गया जिसमें श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा इंग्लैंड के आदिल राशिद के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के अकील होसेन और भारत के रवि बिश्नोई क्रमशः तीसरे और सातवें स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर और लॉकी फर्ग्यूसन, इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर और श्रीलंका के मथेशा पथिराना सभी ने प्रगति की, विशेष रूप से पथिराना, जो 22 पायदान ऊपर 31वें स्थान पर पहुंच गए। ऑलराउंडरों की सूची में इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन ने अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जबकि हसारंगा पांचवें और वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

## संजीव गोयनका को केएल राहुल का तीखा जवाब

### एसएसजी छोड़ने पर बोले- मैं ऐसी जगह खेलना चाहता था जहां स्वतंत्रता हो

**मुंबई (एजेंसी)।** टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने आईपीएल 2025 रिटेंशन के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है। फ्रैंचाइजी ने राहुल को रिलीज कर दिया क्योंकि गोयनका ने कहा कि टीम ऐसे खिलाड़ियों को रिटेन करना चाहती थी जो टीम को अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों से पहले रखते हैं, जिसे कई लोगों ने अपने कप्तान के लिए निर्देशित किया था, जिन्होंने पिछले तीन सीजन में उनका नेतृत्व किया। राहुल को 2022 की मेगा नीलामी से पहले एलएसजी ने साइन किया था और उन्हें फ्रैंचाइजी का कप्तान बनाया गया था और उनके नेतृत्व में टीम ने अपने पहले दो सीजन में प्लेऑफ़ के लिए भी क्वालीफाई किया। हालांकि यह उनके लिए आईपीएल 2024 में कारगर नहीं रहा, जहां एलएसजी ने खराब प्रदर्शन किया और अंक तालिका में 7वें स्थान पर रही।

एलएसजी ने राहुल के साथ अपने तीन साल के जुड़ाव को समाप्त करते हुए निकोलस पूरन, मयंक यादव, रवि बिश्नोई, आयुष बदोनी और मोहसिन खान को रिटेन किया। एलएसजी के मालिक गोयनका ने रिटेंशन विकल्प पर चर्चा की और कहा कि इसका उद्देश्य जीतने की मानसिकता वाले खिलाड़ियों को लाना है। गोयनका ने कहा, जीतने की मानसिकता वाले खिलाड़ियों के साथ जाना एक सरल मानसिकता थी, जो अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों और व्यक्तिगत आकांक्षाओं से पहले टीम को प्राथमिकता देते हैं और हम जितना संभव हो सके उतना कोर बनाए रखना चाहते थे।

राहुल ने भी गोयनका के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और एलएसजी से आगे बढ़ने के अपने फैसले पर खुलकर बात की, क्योंकि वह इस महीने के अंत में मेगा नीलामी में नीलामी के लिए जाएंगे। राहुल ने कहा, फैसला पहले ही हो चुका था। मुझे नहीं पता कि क्या टिप्पणियां हैं, लेकिन वे रिटेंशन किए जाने के बाद आई होंगी। बस मुझे लगा कि मैं नए सिरे से शुरुआत करना चाहता था, मैं अपने विकल्पों को तलाशना चाहता था और मैं ऐसी जगह खेलना चाहता था जहां मुझे कुछ स्वतंत्रता मिल सके और टीम का माहौल कुछ हल्का, अधिक संतुलित हो, आईपीएल में दबाव पहले से ही बहुत अधिक है।

पिछले सीजन में एसआरएच के खिलाफ लीग चरण के मैच के दौरान राहुल के प्रति गोयनका के ऑन-फील्ड व्यवहार ने उनके लिए हालात और खराब कर दिए, बाद में दोनों पक्षों ने मामले को सुलझा लिया। स्टार विकेटकीपर ने बताया कि गुजरात टाइटन्स और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी टीमों ने जो भी परिणाम बनाए हैं, उनकी परवाह किए बिना टीम के लिए संतुलित माहौल होना क्यों महत्वपूर्ण है।

### एटीपी फाइनल

## सिनर ने फिट्ज को फिर से हराया, मेदवेदेव भी जीते

**तूरिन (इटली) (एजेंसी)।** विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में टेलर फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराया। इटली के सिनर ने अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने फ्रिट्ज़ को 6-4, 6-4 से हराया।

उन्होंने इस साल अमेरिकी ओपन के फाइनल में भी अमेरिका के इस खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था। टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज करने वाले सिनर ने कहा, 'मुझे घरेलू कोर्ट पर खेलना पसंद है। अगर आप अपने प्रशंसकों और आपका समर्थन करने वालों को पसंद करते हैं तो इससे काफी मदद मिलती है।% इससे पहले दानिल मेदवेदेव ने अलेक्स डी मिनौर को 6-2, 6-4 से हरा कर खुद को सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनाए रखा। दुनिया के चोटी के आठ खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में डी मिनौर अपना पहला मैच सिनर से हार गए थे।

## इंडियन ओपन गोल्फ मार्च में

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) के अनुसार डीपी वर्ल्ड टूर के अंतर्गत हीरो इंडियन ओपन के 2025 चरण का आयोजन 27 से 30 मार्च तक होगा और इसकी पुरस्कार राशि इस साल की तरह 2.5 करोड़ अमरीकी डॉलर होगी।

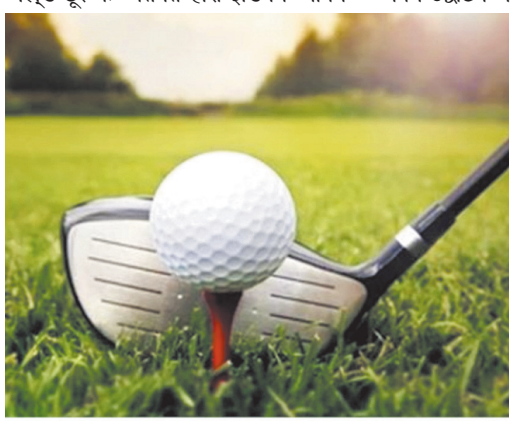

आईजीयू ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इंडियन ओपन 1964 में अपने उद्घाटन चरण के बाद से ही भारतीय गोल्फ संघ की संपत्ति है। हीरो मोटोकॉर्प टूर्नामेंट का मुख्य प्रायोजक बना रहेगा। वे 2005 से मुख्य प्रायोजक हैं।

टूर्नामेंट आयोजन समिति के अध्यक्ष एसके शर्मा ने कहा कि हमें 17वें चरण के लिए लगातार मुख्य प्रायोजक हीरो मोटोकॉर्प का संरक्षण प्राप्त करके खुशी हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में टूर्नामेंट का दायरा बढ़ता ही गया है और इस बार भी यह डीपी वर्ल्ड टूर पर एशियाई स्विंग का अंतिम पड़ाव होगा।

## त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी कुमामोटो मास्टर्स पहले राउंड में हारकर हुई बाहर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी मंगलवार को कुमामोटो मास्टर्स जापान टूर्नामेंट के महिला युगल के राउंड ऑफ 32 में हार का सामना करना पड़ा। 36 मिनट तक चले मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद भारतीय जोड़ी को 29वें नंबर की चीनी ताइपे की जोड़ी ह्सू यिन-हुई-लिन झिह युन से सीधे गेम में 16-21, 16-21 से हार मिली।

बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में महिला युगल में त्रिशा-गायत्री की जोड़ी की हार के साथ महिला युगल में भारत का अभियान समाप्त हो गया। चीनी ताइपे की जोड़ी ने गेम में 7-4 की बढ़त हासिल की। इसके बाद भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने पहले गेम में ह्सू यिन-हुई-लिन झिह युन को कड़ी टक्कर देने का प्रयास किया, लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए 21-16 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी चीनी ताइपे की जोड़ी ने शुरुआती बढ़त बनाए रखते हुए स्कोर 12-7 कर दिया। त्रिशा और गायत्री ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए गेम में वापसी की और मैच को तीसरे गेम तक पहुंचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन कोशिशों के बावजूद वे दूसरा गेम जीतने में कामयाब नहीं हो सके और ह्सू यिन-हुई/लिन झिह युन ने दूसरा गेम भी 21-16 से जीत कर मैच को अपने नाम कर लिया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन बुधवार को प्रतिस्पर्धा करेंगे। सिंधु महिला एकल के पहले राउंड में पीवी का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से होगा, जबकि पुरुष एकल में बैडमिंटन रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज लक्ष्य का सामना 31वें नंबर के खिलाड़ी मलेशिया के लियोंग जून हाओ से होगा।

## पर्थ टेस्ट में कमेंट्री नहीं कर पाएंगे रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर, आईपीएल बना वजह

**मेलबर्न (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और लंबे समय तक उनके साथी रहे जस्टिन लैंगर सऊदी अरब में होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में कमेंट्री नहीं कर पाएंगे। आईपीएल की नीलामी 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होगी।

एक ऑस्ट्रेलियाई समाचार पत्र के अनुसार, 'प्रतिबद्धताओं के टकराव के कारण चैनल सेवन को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ टेस्ट के कुछ हिस्सों में रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआती मैच में अपने धुर प्रशंसक की कमी खल सकती है।

पोंटिंग को पंजाब किंग्स ने हाल में अपना मुख्य कोच नियुक्त किया जबकि लैंगर पहले से ही लखनऊ सुपरजाइंट्स में यह भूमिका निभा रहे हैं। इन दोनों के अलावा ऑस्ट्रेलिया टीम के सहायक कोच डेनियल विटोरी भी पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच हैं। इन तीनों की आईपीएल नीलामी में शामिल होने की संभावना है।

## गौतम गंभीर की तीखी प्रतिक्रिया पर रिकी पोंटिंग का पलटवार, वह काफी चुभने वाले व्यक्ति हैं

**पर्थ (एजेंसी)।** भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग से कहा कि वे अपने काम से काम रखें और विराट कोहली की फॉर्म पर सवाल न उठाएं। इस परपोंटिंग ने कहा है कि वे एक 'कांटेदार स्वभाव' की इस प्रतिक्रिया से 'हैरान' नहीं हैं।

ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले घरेलू टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर गंभीर ने कोहली और कप्तान रोहित शर्मा का समर्थन किया और पोंटिंग की टिप्पणियों पर भी सवाल उठाए। गंभीर ने कहा था, पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? उन्हें ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में सोचना चाहिए। मुझे कोई चिंता नहीं है। वे (कोहली और रोहित) अविश्वसनीय रूप से मजबूत व्यक्ति हैं, उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ हासिल किया है और भविष्य में भी बहुत कुछ हासिल करने जा रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में जिसमें भारत 0-3 से हार गया, रोहित ने 91 रन बनाए और कोहली ने 93 रन बनाए। गंभीर की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए 49 वर्षीय पोंटिंग ने कहा, मैं प्रतिक्रिया पढ़कर हैरान था, लेकिन कोच गौतम गंभीर को जानता हूं ... वह काफी चुभने वाले व्यक्ति हैं, इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं है कि उन्होंने ही कुछ कहा।

अपनी पिछली टिप्पणी पर ऑस्ट्रेलियाई ने कहा कि उनका इरादा पूर्व भारतीय कप्तान पर निशाना साधने का नहीं था। उन्होंने कहा, किसी भी तरह से यह उन पर (कोहली पर) कटाक्ष नहीं था। मैंने वास्तव में यह कहकर इसका अनुसरण किया कि उसने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा खेला है और वह यहां वापसी करने के लिए उत्सुक होगा... यदि आप विराट से पूछेंगे, तो मुझे यकीन है कि वह थोड़ा चिंतित होगा कि वह पिछले वर्षों की तरह उतने शतक नहीं बना पाया है। तो यह आश्चर्यजनक है कि कैसे छोटी चीजें कट सकती हैं, लेकिन वह एक क्लास खिलाड़ी है और उसने अतीत में ऑस्ट्रेलिया में अच्छा खेला है।

गौर हो कि 2024 में कोहली ने 19 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सभी प्रारूपों की 25 पारियों में 20.33 की औसत से सिर्फ 488 रन बनाए हैं। इस बीच भारत ने मंगलवार को पर्थ के डब्ल्यूएसीए स्टेडियम में अपना पहला अभ्यास सत्र किया और 22 नवंबर को उसी शहर के ऑप्टस स्टेडियम में श्रृंखला की शुरुआत करेगा। डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर खिसकने के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने की भारत की संभावनाओं के लिए पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला महत्वपूर्ण है।

## एमएस धोनी को उच्च न्यायालय ने भेजा नोटिस, 15 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला

**रांची (एजेंसी)।** झारखंड उच्च न्यायालय ने महान विकेटकीपर बल्लेबाज और पूर्व भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को उनके पूर्व साझेदारों मिहिर दिवाकर और सौम्या दास द्वारा दायर एक मामले में नोटिस जारी किया। दिवाकर और दास आर्का स्पोर्ट्स एंड मैनेजमेंट लिमिटेड के निदेशक हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान के साथ उनके नाम का उपयोग करके क्रिकेट अकादमी खोलने के लिए समझौता किया था। धोनी ने उन पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए 5 जनवरी को रांची में उनके खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों ने 2021 में उनके अधिकार को रद्द करने के बाद भी उनके नाम का उपयोग करके क्रिकेट अकादमी खोलना जारी रखा। क्रिकेटर ने आरोप लगाया कि उनके साथ 15 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई। दिवाकर और दास ने रांची में एक न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा उनके खिलाफ लिए गए संज्ञान को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया। धोनी को उच्च न्यायालय ने मामले में पेश होने और अपना रुख स्पष्ट करने का आदेश दिया है।

## संक्षिप्त समाचार

### मेरे दादा और नाना दोनों ओर के लोग स्वतंत्रता संग्राम में सीधे तौर पर शामिल थे: इरा दुबे

**मुंबई, एजेंसी।** फ्रीडम एट मिडनाइट के साथ भारत के स्वतंत्रता संग्राम की गाथा अब पर्दे पर जीवंत होने जा रही है। यह एक बहुप्रतीक्षित सीरीज़ है, जिसमें इस संघर्ष की उथल-पुथल भरी घटनाओं को दिखाया गया है। ये घटनायें देश के इतिहास को आकार देने वाले महत्वपूर्ण मोड़ों को उजागर करेंगी। इस सीरीज़ से जुड़े हर कलाकार का इसका अनुभव अलग और खास है। इस सीरीज़ में जिन्ना की बहन फातिमा जिन्ना का किरदार निभा रहीं इरा दुबे ने ऐतिहासिक ड्रामा की अहमियत के बारे में बातें की। उन्होंने कहा, ''बचपन से ही, मैं भारत के स्वतंत्रता संग्राम की व्यक्तिगत और कम जानी-पहचानी कहानियां सुनती आ रही हूं, जो हमारे परिवार के इतिहास का अहम हिस्सा हैं। मेरे दोनों परिवार स्वतंत्रता संग्राम में सीधे तौर पर शामिल थे। मेरे नाना जी रेलवे में काम करते थे और उन्होंने भारत में शवों से भरी ट्रेनों को आते हुए देखा था, जिसके बारे में वो हमें हमेशा बताते थे। उनके भाई, जो पंडित नेहरू के समकालीन थे, स्वतंत्रता संग्राम के प्रति पूरी तरह समर्पित थे और खादी पहनते थे। मेरे दादा दो बार जेल गए थे, और महात्मा गांधी खुद एक बार मेरी परदादी के घर ठहरे थे, जबकि उनके भाई को भी इस आंदोलन के लिए जेल जाना पड़ा था। ये यादें मेरे भीतर गहरी छाप छोड़ चुकी हैं, और मुझे हमारे इतिहास के इस हिस्से को जीवित करने की एक बड़ी जिम्मेदारी का अहसास होता है। 'फ्रीडम एट मिडनाइट' डोमिनिक लेपिएर और लैरी कॉलिन्स की किताब पर आधारित है। इसमें कई बेहतरीन कलाकार अपने अभिनय का जलवा बिखेर रहे हैं, जिसमें सिद्धांत गुप्ता, चिराग वोहरा, राजेन्द्र चावला, आरिफ ज़कारिया, मलिश्का मेंडोन्सा, राजेश कुमार, केसी शंकर, ल्युक मैकगिबनी, कोर्डेलिया बगेजा, एलिस्टेयर फिनले, एंड्रू कुलम और रिचर्ड टेवरसन शामिल हैं।

### भारत ने तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी, अफगानों की मदद के लिए नियुक्त किया है दूत

**मुंबई, एजेंसी।** तालिबान सरकार ने इकरामुद्दीन कामिल को मुंबई स्थित अफगान मिशन में कार्यवाहक वाणिज्यदूत नियुक्त किया है। यह जानकारी अफगान मीडिया ने दी है। यह भारत में किसी भी अफगान मिशन में तालिबान द्वारा की गई पहली ऐसी नियुक्ति है। हालांकि इस नियुक्ति पर भारतीय पक्ष की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई। इस बीच सूत्रों ने बताया कि जिस शख्स को नियुक्त किया गया है वह भारत में ही पढ़ा है और भारत में रह रहे अफगान नागरिकों की मदद के लिए उन्हें नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, तालिबान सरकार की मान्यता के बारे में विदेश मंत्रालय ने कहा कि किसी भी सरकार को मान्यता देने की एक निर्धारित प्रक्रिया है, और भारत इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ काम करता रहेगा। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पिछले तीन वर्षों में भारत में स्थित अफगान दूतावास और कांसुलेट्स में कार्यरत कई अफगान राजनयिकों ने पश्चिमी देशों में शरण ली है और भारत छोड़ चुके हैं। हालांकि, एक पूर्व राजनयिक ने अब भी भारत में रहकर अफगान मिशन और कांसुलेट्स का कामकाज किसी तरह संभाले रखा है। भारत में बड़ी संख्या में अफगान समुदाय के लोग रहते हैं, जिन्हें कांसुलर सेवाओं की आवश्यकता होती रहती है। इसलिए, वर्तमान में भारत में बसे अफगान नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक स्टाफ की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि एक युवा अफगान छात्र भारत में सात वर्षों तक पढ़ाई कर चुका है और दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय से एमईए छात्रवृत्ति पर डॉक्टरेट की पढ़ाई पूरी कर चुका है। उसने इस कांसुलेट में एक राजनयिक के रूप में काम करने की सहमति दी है। एमईए ने उनके बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वह अफगान नागरिक हैं, जो भारत में अफगान नागरिकों की सेवा में लगे हैं। इससे पहले तालिबान नियंत्रित बख्तर समाचार एजेंसी ने सोमवार को अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने मुंबई में कार्यवाहक वाणिज्यदूत के रूप में कामिल की नियुक्ति की घोषणा की है। उसने कहा, वह फिलहाल मुंबई में हैं, जहां वह इस्लामिक अमीरात का प्रतिनिधित्व करते हुए एक राजनयिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

# संजौली मस्जिद मामले में स्थानीय लोग बनेंगे पार्टी?

### कोर्ट आज सुनाएगा फैसला

**शिमला, एजेंसी।**
हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के उपनगनर संजौली की मस्जिद में अवैध निर्माण को गिराने के आदेश को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिका पर जिला अदालत में सोमवार को सुनवाई हुई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण शर्मा की अदालत ने स्थानीय लोगों की ओर से मामले में प्रतिवादी बनाने के आवेदन पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस पर आगामी 14 नवंबर को सुनवाई होगी। इसी तारीख को मुस्लिम पक्ष की ओर से मस्जिद में अवैध निर्माण गिराने के फैसले पर रोक लगाने वाली याचिका की मेंटेबिलिटी पर भी निर्णय लिया जाएगा।

पिछली सुनवाई में अदालत ने मुस्लिम पक्ष को झटका देते हुए मस्जिद के अवैध निर्माण पर रोक लगाने से मना कर दिया था। दरअसल शिमला नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ को मस्जिद की अवैध तीन मंजिलें गिराने का आदेश दिया है। इस पर मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी के सदस्य व ऑल हिमाचल मुस्लिम लीग के प्रवक्ता नजाकत अली हाशमी ने 29 अक्टूबर को नगर निगम आयुक्त के फैसले के खिलाफ जिला अदालत में अपील दायर की थी।

अदालत में दायर की गई अपील में दावा किया गया कि संजौली मस्जिद कमेटी पंजीकृत नहीं है और इस मसले पर फैसले का अधिकार मोहम्मद लतीफ को नहीं है। ऐसे में

मोहम्मद लतीफ की ओर से कोर्ट में दायर किया गया हलफनामा गैरकानूनी है। याचिकाकर्ता मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी के अधिवक्ता विश्व भूषण ने बताया कि जिला अदालत ने स्थानीय लोगों को मामले में पार्टी बनाने पर फैसला सुरक्षित रखा है और इस पर अगली तिथि 14 नवंबर को निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अगली सुनवाई में अदालत याचिकाकर्ता की याचिका की मेंटेबिलिटी पर भी निर्णय लेगी। वहीं मामले में संजौली के स्थानीय लोगों की तरफ पेश हुए अधिवक्ता जगत पाल ने कहा कि स्थानीय नागरिकों की एक याचिका पर हिमाचल हाईकोर्ट ने आदेश दे रखे हैं कि जब-जब कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होगी, तो स्टेकहोल्डर्स को सुना जाए।

इसके तहत स्थानीय नागरिकों का भी पक्ष इस मामले में सुने जाने की जिला अदालत में आवेदन दिया गया है। आज सुनवाई के दौरान बहस हुई और अदालत 14 नवंबर को इस पर फैसला सुनाएगी। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष की याचिका को लेकर भी अगली सुनवाई में अदालत अपना फैसला सुना सकती है, क्योंकि हाईकोर्ट ने इस पूरे मामले को समयबद्ध निपटाने के निर्देश दिए हैं।

नगर निगम कोर्ट ने दिए हैं मस्जिद की तीन अवैध मंजिले गिराने के आदेश

संजौली की मस्जिद में अवैध निर्माण के मुद्दे पर भारी बवाल हुआ है। सुर्खियों में रहने वाली इस विवादित चार मंजिला मस्जिद में अवैध निर्माण को लेकर बीते पांच अक्टूबर को नगर निगम के कोर्ट में सुनवाई हुई। नगर निगम आयुक्त भूपेंद्र अत्री ने बीते 5 अक्टूबर को मस्जिद के अवैध निर्माण को लेकर सुनवाई करते हुए मस्जिद की तीन मंजिलों को अवैध ठहराया और मस्जिद कमेटी को इन्हें ध्वस्त करने के आदेश दिए। इन आदेशों की अनुपालना करते हुए मस्जिद कमेटी ने अवैध हिस्से को गिराने का काम चला रखा है और मस्जिद का छत हटा दिया गया है।

संजौली की विवादित मस्जिद का मामला हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। संजौली के लोकल रेजिडेंट्स की तरफ से दायर याचिका में हाईकोर्ट के न्यायाधीश संदीप शर्मा ने नगर निगम आयुक्त को आठ हफ्ते के भीतर फैसला सुनाने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने आयुक्त को मामला समय पर निपटाने के साथ-साथ सभी हितधारकों को पार्टी बनाने को कहा। दरअसल संजौली के स्थानीय नागरिकों की तरफ से हाईकोर्ट में दाखिल की गई याचिका में आग्रह किया गया है कि हाईकोर्ट नगर निगम आयुक्त को इस अवैध निर्माण के 2010 से चल रहे मामले का निपटारा समयबद्ध करने के निर्देश दे।

## पीएनजी पाइपलाइन लीक होने से धमाके संग लगी आग, जेसीबी और 3 दुकानें राख; एक की गई जान

**फरीदाबाद एजेंसी।**
फरीदाबाद के पास पलवल में पुराना जीटी रोड पर मंगलवार दोपहर जन स्वास्थ्य विभाग की ओर से पानी के पाइपलाइन की खुदाई के दौरान पास से गुजर रही पीएनजी पाइपलाइन फट गई और उसमें धमाके साथ आग लग गई। हादसे में एक चाय दुकानदार की झुलसने से मौत हो गई। मृतक की पहचान हरि चंद सिंगला के रूप में हुई है। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास की तीन दुकानों के अलावा खुदाई कर रही जेसीबी भी जल गई।

पुलिस प्रवक्ता संजय कुमार ने बताया कि मृतक के भाई लक्ष्मण की शिकायत पर जन स्वास्थ्य विभाग एवं गैस कंपनी और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हादसे के पीछे के कारणों की हर एंगल और गहराई से जांच की जा रही है। इसके अलावा आसपास के क्षेत्र में मिसिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हादसा दोपहर करीब 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुराना जीटी रोड पर पानी की पाइप लाइन में काफी दिनों से पानी का रिसाव हो रहा था। स्थानीय दुकानदारों ने इसकी शिकायत जन स्वास्थ्य विभाग से की तो विभाग क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को ठीक करने के लिए सोमवार से काम शुरू किया था। मंगलवार को क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को हटाकर उसे जोड़ने के लिए जेसीबी से सड़क किनारे खुदाई की जा रही थी। बताया जा रहा है कि जेसीबी से गहरी खुदाई कर दी गई, जिससे उसके बगल से गुजर रही पीएनजी गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होकर फट गई। पीएनजी गैस पाइपलान के फटते ही उसमें जोरदार धमका हुआ और उसने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग की उंची लपटें उठने लगीं। यह देख जेसीबी पर बैठे चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। इसके अलावा पीएनजी गैस पाइपलाइन में आग पकड़ने से आसपास के दुकानदारों में भी हड़कंप मच गया। सभी अपनी दुकान से निकलकर भाग गए। स्थानीय लोगों के अनुसार पीएनजी पाइपलान के पास मृतक हरि चंद सिंगला चाय की दुकान चलाते थे। पीएनजी गैस पाइपलाइन में आग लगने के दौरान वह दुकान पर ही थे। आग लगते ही हरि चंद ने भागकर खुद को बचाने का प्रयास किया। वह जैसे ही भागने लगे, खुदाई के दौरान बने गड्ढ़े में जा गिरे। आग से रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया, जिससे उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी जतिन ने बताया कि वह अपनी स्कूटी को बराबर वाले दुकान पर ठीक करवाने के लिए पहुंचे थे। तभी वहां यह हादसा हुआ।

## एनसीआर के नए शहर 'हरनंदीपुरम' का प्लान एक कदम और आगे बढ़ा, डीपीआर पर आया नया अपडेट

**गाजियाबाद एजेंसी।**
गाजियाबाद में नई टाउनशिप हरनंदीपुरम योजना का काम रफ्तार पकड़ेगा। जीडीए इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराने में जुट गया है। इसके लिए सलाहकार एजेंसी नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू करते हुए आवेदन भी मांगे हैं। एजेंसी का चयन होते ही डीपीआर तैयार होगी।

जीडीए राजनगर एक्सटेंशन के पास हरनंदीपुरम नाम की टाउनशिप विकसित करने में जुटा है। आठ गांव नगला फिरोजपुर, शमशेर, चम्पतनगर, शाहपुर निज मोरटा, भोवापुर, भनैड़ा खुर्द, मथुरापुर के चिह्नित क्षेत्र का रैपिड सर्वे कराया जा रहा है। जीडीए ने टाउनशिप को विकसित करने के लिए चारदीवारी चिह्नित कर ली है। इस बाउंड्रीवाल के भीतर जमीन को लेकर कोई विवाद नहीं है। हालांकि, एक विद्युत निगम का सब-स्टेशन है, जिसके तार हर

तरफ फैले हैं। इसे भी टाउनशिप के बाहर रखा जाएगा। प्राधिकरण ने डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट तैयार हो चुका है। डीपीआर तैयार होने से स्पष्ट होगा कि प्रोजेक्ट को तैयार करने में कितनी लागत आएगी। साथ ही इसकी उपयोगिता कितनी है। इसके आधार पर प्राधिकरण इस प्रोजेक्ट को लांच करने की योजना तैयार करेगा। डीपीआर में सलाहाकर का चयन क्वालिटी कम कास्ट वेस्ट सिस्टम द्वारा होगा।

टाउनशिप आठ गांव के 541.65 हेक्टेयर भूमि पर बसाई जाएगी। इसमें नगला फिरोजपुर की 247.84 हेक्टेयर, शमशेर की 123.97 हेक्टेयर,चंपतनगर की 39.25 हे., शाहपुर निज मोरटा की 54.20 हे., भोवापुर की 53.26 हे., भनैड़ा खुर्द की 11.83 हे., मथुरापुर की 8.72 हेक्टेयर, मोरटा की 2.58 हेक्टेयर जमीन चिह्नित की गई है। इस योजना में जमीन की कीमत तय करने के लिए डीएम की अध्यक्षता में कमेटी के पास प्रस्ताव भेजा जा चुका है। वहीं, दूसरी तरफ शासन को भी इस प्रोजेक्ट की पूरी डिटेल रिपोर्ट बनाकर भेजा गया है, जिससे मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत फंडिंग का इंतजाम किया जा सके।

## ट्रम्प ने मस्क और रामास्वामी को सरकार में शामिल किया

### सरकार को सलाह देने वाला नया डिपार्टमेंट संभालेंगे, फॉक्स टीवी एंकर हगसेथ रक्षा मंत्री बनेंगे

**वॉशिंगटन, एजेंसी।**
अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डोनाल्ड ट्रम्प सरकार चलाने के लिए अपनी टीम का गठन करने में जुटे हैं। कुछ पदों पर नियुक्तियों के बाद उन्होंने टेस्ला चीफ इलॉन मस्क और भारतवंशी उद्योगपति विवेक रामास्वामी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। मस्क और रामास्वामी को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) विभाग का नेतृत्व करेंगे। डीओजीई एक नया विभाग है, जो सरकार को बाहर से सलाह देगा। डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे लेकर बयान जारी किया है।

ट्रम्प ने कहा- मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ये दोनों अद्भुत अमेरिकी मेरे प्रशासन के लिए नौकरशाही को खत्म करने, फिजूलखर्ची में कटौती करने, गैरजरूरी नियमों को खत्म करने और संघीय एजेंसियों के पुनर्गठन का काम करेंगे। ये हमारे 'सेव अमेरिका' एजेंडे के लिए जरूरी है। इसके साथ ही ट्रम्प ने अपनी कैबिनेट में फॉक्स न्यूज के होस्ट पीट हेगसेथ को भी जगह दी है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक उन्हें रक्षा मंत्री बनाया गया है। ट्रम्प बोले- यह विभाग मैनहटन प्रोजेक्ट बन सकता है ट्रम्प ने डीओजीई विभाग को लेकर बयान में कहा कि नई व्यवस्था से सरकारी पैसे की बर्बादी करने वाले लोगों में हड़कंप मच जाएगा। रिपब्लिकन नेताओं ने लंबे समय से डीओजीई के मकसद को पूरा करने का सपना देखा है। यह हमारे समय का द मैनहटन प्रोजेक्ट बन सकता है। मैनहटन प्रोजेक्ट दरअसल अमेरिकी सरकार का एक प्रोजेक्ट था, जिसका मकसद ब्रिटेन और कनाडा के साथ मिलकर जर्मनी की नाजी सेना से पहले परमाणु बम विकसित करना था।

## ट्रम्प की जीत के बाद गर्भनिरोधक दवाओं की मांग बढ़ी, 1000 प्रतिशत तक बढ़ी सेल

**वाशिंगटन, एजेंसी।**
अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के बाद महिलाओं में बर्थ कंट्रोल पिल यानी गर्भनिरोधक दवाओं की मांग बढ़ी हैं। इसके अलावा इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्शन (आपातकालीन गर्भनिरोधक) दवाओं की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

अमेरिकी अखबार यूएसए टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक इन दवाओं को बनाने वाली कंपनी वीस्प ने बताया कि 5 से 7 नवंबर के बीच इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्शन दवाओं की बिक्री 1000प्रतिशत का इजाफा हुआ। इस दौरान इन दवाओं को खरीदने वालों की संख्या में 1650प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा, अबॉर्शन की दवाइयों की सेल में भी 600प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। दरअसल ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद महिलाओं में इस बात का डर है कि उनके अबॉर्शन राइट्स और सख्त हो जाएंगे।

साल 2022 में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने अबोर्शन राइट्स को खत्म कर दिया था। उस समय ट्रम्प ने इस फैसले का समर्थन किया था। अब महिलाओं को इस बात का डर है कि ट्रम्प सरकार के आने से उनके अबॉर्शन राइट्स पर असर पड़ सकता है। चुनाव के बाद एक सर्वे

में यह पाया गया कि 50प्रतिशत से अधिक महिलाएं इस बात को लेकर चिंतित हैं कि उन्हें सुरक्षित गर्भपात और उससे जुड़ी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिलेंगी। रिपोर्ट के मुताबिकमहिलाएं उन राज्यों में जाने पर विचार कर रही है जहां अबॉर्शन से जुड़े कानून आसान है। इसके तहत उन्हें आसानी से अबॉर्शन से जुड़ी सेवाएं मिल सकती हैं। इस बीच कई कंपनियां टेली मेडिसिन और ऑनलाइन सर्विस के जरिए महिलाओं को घर पर ही बर्थ कंट्रोल पिल मुहैया करा रही हैं। 1880 तक अमेरिका में अबॉर्शन करवाना कानूनी था। 1873 में अमेरिका में अबॉर्शन की दवाओं पर बैन लगा दिया गया था। 1900 तक लगभग सभी राज्यों में अबॉर्शन बैन हो गया। जब प्रग्नेंसी से मां की जान को खतरा होने पर ही अबॉर्शन किया जा सकता था। 1960 के दशक में महिलाओं ने अपने अधिकारों के लिए आंदोलन शुरू किया। 1969 में नोर्मा मैककॉर्वी ने अबॉर्शन के कानून को चुनौती दी थी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और 1973 में सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिका में अबॉर्शन को लीगल कर दिया।

## ट्रम्प के नए एनएसए माइक वाल्ट्ज ने कहा: भारत-अमेरिका साझेदारी बनाएगी इतिहास, औपचारिक गठबंधन का रखा प्रस्ताव

**वाशिंगटन, एजेंसी।**
अमेरिका के अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार माइक वाल्ट्ज ने इस बात पर बल दिया है कि अमेरिका-भारत संबंध 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण संबंध हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह साझेदारी निर्धारित करेगी कि यह प्रकाश की सदी है या अंधकार की सदी। वाल्ट्ज को निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नामित किया गया है। वाल्ट्ज ने ये टिप्पणियां सितंबर में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की थीं। उन्होंने कहा, मेरे विचार से यह (अमेरिका-भारत) 21वीं सदी का सबसे महत्वपूर्ण संबंध है। इससे यह तय होगा कि यह प्रकाश की सदी है या अंधकार की सदी। वह चुनाव संबंधी व्यस्तताओं के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके थे और उन्होंने सम्मेलन को वीडियो संदेश भेजा था। वाल्ट्ज, जो एक युद्ध अनुभवी और सांसद हैं, साथ ही भारत कॉकस के सह-अध्यक्ष भी हैं चीन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के लिए जाने जाते हैं, ने अमेरिका और भारत के बीच एक

औपचारिक गठबंधन का प्रस्ताव भी रखा है। नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपनी टीम में फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो को विदेश मंत्री और साउथ डकोटा की गवर्नर क्रिस्टी नोएम को गृह सुरक्षा मंत्री बनाने का निर्णय लिया है। इससे स्पष्ट है कि ट्रम्प अपनी नीतियों को लागू करने के लिए अपने वफादारों पर भरोसा करेंगे, बजाय तथाकथित डीप स्टेट पर जो ख़ुद (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थकों के बीच अलोकप्रिय है।हालांकि ट्रम्प ने औपचारिक रूप से कोई घोषणा नहीं की है, उन्होंने यह संकेत दिया है कि एलिस स्टेफानिक को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित करेंगे। राष्ट्रपति-चुनाव की टीम से लीक हुई इन खबरों के बाद ख़ुद समर्थकों में इस फैसले को लेकर काफी उत्साह है, क्योंकि इसमें हार्डलाइनर नेताओं को प्राथमिकता दी जा रही है, बजाय उन मुख्यधारा के रिपब्लिकन नेताओं के जिन्होंने वॉशिंगटन डीसी में लंबे समय तक नीति निर्धारण पर दबदबा बनाए रखा था।

## ट्रम्प के खिलाफ पोर्न स्टार केस में सुनवाई टली: सजा रद्द करने की अपील की थी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।**
पोर्न स्टार केस में दोषी पाए डोनाल्ड ट्रम्प की सजा रद्द करने के मामले में सुनवाई टल गई है। न्यूयॉर्क की कोर्ट में मंगलवार को ट्रम्प की सजा रद्द करने पर सुनवाई होनी थी। न्यूयॉर्क कोर्ट के जज जुआन एम. मर्चन ने कहा कि वो इस मामले में 19 नवंबर तक के लिए सुनवाई टाल रहे हैं। इससे पहले पिछले हफ्ते इस मामले में ट्रम्प के वकीलों ने कोर्ट से सुनवाई टालने के लिए कहा था। ट्रम्प ने हाल ही में राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की है। इस साल 30 मई को कोर्ट ने पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने में दोषी करार दिया था। दोषी पाए जाने के बाद ट्रम्प ने अगस्त में फेडरल कोर्ट से मामले में हस्तक्षेप करने के लिए कहा था। इसके बाद फेडरल कोर्ट ने मामला वापस न्यूयॉर्क कोर्ट में भेज दिया था।

ट्रम्प के खिलाफ पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और इलेक्शन कैंपेन के दौरान बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस चल रहे थे। यह मामला 2016 में उनके अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने से पहले का है। इसके खुलासे के बाद पहली बार ऐसा हुआ था जब अमेरिकी इतिहास में पहली बार किसी प्रेसिडेंट पर आपराधिक केस चलाया गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, कोर्ट ने 6 सप्ताह में 22 गवाहों को सुना। इनमें स्टॉर्मी डेनियल्स भी शामिल थीं। फैसले के बाद ट्रम्प ने अपना रिएक्शन भी दिया था। ट्रम्प पर गलत बिजनेस रिकॉर्ड दिखाने के मामले में 34 चार्ज लगाए गए हैं। ये सभी चार्ज 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप रहने के लिए 1 लाख 30 हजार डॉलर करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए देने से जुड़े हैं। 11 चार्ज चेक साइन करने से जुड़े हैं। अन्य 11 चार्ज कोहेन के कंपनी में जमा किए गए गलत इनवॉइस से जुड़े हैं और बाकी बचे 12 चार्ज रिकॉर्ड्स में गलत जानकारी देने से जुड़े हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129